04 अगस्त 2024 रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

श्रावण मास की शुभकामनाएं

ककोलत झरना के नये स्वरूप का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

दलजीत सिंह चौधरी को मिला बीएसफ महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी/नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी को अगले आदेश तक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह कदम बीएसएफ डीजी नितिन अग्रवार को उनके राज्य कैडर में वापस भेजे जाने के एक दिन बाद उठाया गया। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी दलजीत सिंह ने इस साल जनवरी में एसएसबी महानिदेशक के तौर पर पदभार संभाला था। केंद्र सरकार ने 19 जनवरी को उन्हें एसएसबी का महानिदेशक नियुक्त किया था। एसएसबी महानिदेश नियुक्त होने से पहले वह सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक पद पर तैनात थे। केंद्र सरकार ने नितिन अग्रवार को तत्काल प्रभाव से हटाया। केंद्र सरकार ने बीएसएफ के महानिदेशक (डीजी) नितिन अग्रवाल और उनके डिप्टी विशेष डीजी (पश्चिम) वाईबी खुरानिया को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, दोनों के मूल राज्य कैडर में वापस भेज दिया गया है। नितिन अग्रवाल 1989 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं, जबकि वाईबी खुरानिया 1990 बैच के ओडिशा कैडर के अधिकारी हैं।अग्रवाल ने पिछले साल जून में सीमा सुरक्षा बल के प्रमुख का कार्यभार संभाला था। वहीं, विशेष डीजी (पश्चिम) के रूप में खुरानिया पाकिस्तान सीमा पर बल का नेतृत्व कर रहे थे। नियुक्ति संबंधी कैबिनेट समिति ने अलग-अलग जारी आदेशों में कहा कि उन्हें तत्काल प्रभाव से और समय से पहले वापस भेजा जा रहा है।

कोर्ट में पंजाब पुलिस के पूर्व एआईजी ने आईआरएस दामाद को मारी गोली

- ♦ दोनों परिवारों के बीच चल रहा था घरेलू विवाद
- ♦ दोनों पक्ष चंडीगढ़ फैमिली कोर्ट में तीसरी बार मीडिएशन के लिए पहुंचे थे
- ♦ एआईजी पिछले साल भ्रष्टाचार के मामले के हुए थे गिरफ्तार

एजेंसी/चंडीगढ़

चंडीगढ़ जिला कोर्ट में शनिवार को पंजाब पुलिस के रिटायर एआईजी ने अपने दामाद की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों परिवारों के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। इसी मामले में दोनों पक्ष शनिवार को चंडीगढ़ फैमिली कोर्ट में पहुंचे थे। आरोपी की पहचान रिटायर एआईजी मानवाधिकार मालविंदर सिंह सिद्धू के तौर पर हुई है। मरने वाला दामाद हरप्रीत सिंह कृषि विभाग में आईआरएस था। जानकारी के अनुसार, दोनों परिवारों के बीच कुछ महीनों से घरेलू विवाद चल रहा था। इस मामले में दोनों पक्ष शनिवार को चंडीगढ़ फैमिली कोर्ट में तीसरी बार मीडिएशन के लिए पहुंचे थे। करीब डेढ़ महीने पहले ही फैमिली कोर्ट में दोनों पक्षों के बीच समझौता करवाने के लिए एक अधिवक्ता धीरज ठाकुर को नियुक्त किया गया था। शनिवार को करीब 12 बजे ही लड़के पक्ष की तरफ से आईआरएस ऑफिसर हरप्रीत सिंह अपने माता-पिता के साथ समझौता लिखकर फैमिली कोर्ट में पहुंच गया था। लड़की पक्ष वाले करीब डेढ़ बजे कोर्ट में पहुंचे थे। मीडिएटर अधिवक्ता द्वारा दोनों पक्षों के बीच समझौते को लेकर बातचीत की जा रही थी। इसी दौरान रिटायर आईजी मलविंदर सिंह सिद्धू ने बाथरूम जाने की बात कही। अधिवक्ता ने उन्हें कमरे में से ही बाहर शौचालय जाने का रास्ता बताया लेकिन दामाद हरप्रीत सिंह ने कहा कि चलिए वह बाथरूम का रास्ता दिखा देता है। हरप्रीत अपने ससुर को लेकर मीडिएशन कमरे से बाहर आया तो कुछ सेकेंड बाद ही बाहर से गोली चलने की आवाज आने लगी। एक के बाद एक करके चार-पांच गोलियां चलने की आवाज आई। जब वकील ने कमरे में से बाहर देखा तो सिद्धू हाथ में बंदूक लिए अपने दामाद पर गोलियां चला रहा था। अधिवक्ता ने कमरे में अंदर से कुंडी लगा ली और सभी लोग टेबल के नीचे छिप गए। एक गोली मीडिएशन वाले कमरे के दरवाजे की तरफ भी चली। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के अन्य कर्मचारी व वकील एकत्र हो गए और उन्होंने एआईजी को पकड़कर एक कमरे में बंद कर दिया। सूचना पाते ही कोर्ट की सिक्योरिटी सहित स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचीं और घायल हरप्रीत सिंह को सेक्टर-16 अस्पताल में ले गए लेकिन बीच रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटनास्थल पर पुलिस अफसरों के अलावा एफएसएल की टीमें जांच कर रही है। गोली लगने वाली जगह को पुलिस द्वारा सील कर दिया गया है। जिला कोर्ट के शासन जज सहित अन्य कई न्यायाधीश भी मौके पर पहुंचे हैं। रिटायर्ड एआईजी सिद्धू पहले भी विवादों में रह चुके हैं। पिछले साल वे भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार हुए थे। गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई की थी। तब भी उन्होंने अपने दामाद पर आरोप लगाए थे। वहीं इस घटना के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने एआईजी को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है। सभी पहलुओं को बारिकी से जांच कर रही है।

मोदी सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने का दावा करती है फिर भी यह हाल...

बोले कांग्रेस अध्यक्ष... दुनिया में सबसे ज्यादा कुपोषित लोग रहते हैं भारत में

केटी न्यूज/नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को पीएम मोदी और उनकी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। खरगे ने कहा कि सरकार के दावों के बावजूद दुनिया में सबसे ज्यादा कुपोषित लोग भारत में हैं। यह बहुत शर्म की बात है। उन्होंने बताया कि भारत में 19.5 करोड़ लोग कुपोषित हैं। देश को फूड सिक्योरिटी कानून देने वाली कांग्रेस ने पीएम मोदी और उनकी सरकार पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि तमाम दावों के बाद दुनिया के आज सबसे ज्यादा कुपोषित लोग भारत में है। कांग्रेस की ओर से यह आरोप कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लगाया। खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि मोदी सरकार के बड़े-बड़े दावों के बावजूद दुनिया में सबसे ज्यादा कुपोषित लोग भारत में हैं। भारत में 19.5 करोड़ लोग कुपोषित हैं, यानी यह दुनिया में हर चार में एक भारतीय है। फूड सिक्योरिटी को लेकर उन्होंने गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जब यूपीए सरकार 2013 में फूड सिक्योरिटी कानून लेकर आई तो गुजरात के सीएम ने विरोध किया। हालांकि यह बात और है कि बाद में बीजेपी को इस पर यूटर्न लेना पड़ा। खरगे ने देश में बढ़ते कुपोषण के लिए कई वजह बताईं। इसकी एक वजह देश में 2021 में जनगणना न होना भी बताया। खरगे का कहना था कि मोदी सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने का दावा करती है, लेकिन अभी भी लगभग 10 करोड़ लोग इस दायरे से बाहर हैं, क्योंकि 2021 से जनगणना नहीं हुई। 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने का दावा है। वहीं इसका अन्य कारण खरगे ने महंगाई को भी करार दिया। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी द्वारा लगाए गए कमरतोड़, खाद्य-छीनने और मूल्य वृद्धि के चलते भारत में पिछले छह सालों में स्वस्थ आहार की लागत 17.5 फीसदी बढ़ गई है! उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि यह बेशर्म सरकार वैश्विक भूख सूचकांक पर सवाल उठाती है, जहां भारत 125 देशों में से 111 वें स्थान पर है। खरगे ने तंज कसते हुए पूछा कि क्या यह अब 'विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति, 2024 पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट पर भी सवाल उठाएगी।

भारत में सबसे ज्यादा कुपोषित लोग क्यों हैं : खरगे

नई दिल्ली। अपने दावों का समर्थन खरगे ने खुद मोदी सरकार के आंकड़ों को सामने रखते हुए घेरने की कोशिश की, जिसमें उन्होंने पीएम को सुनाते हुए कहा कि आपके मंत्री ने संसद में हाल ही में दिए गए जवाब के मुताबिक, 0-5 वर्ष की आयु के 17 फीसदी बच्चे कम वजन के हैं, जबकि 36 फीसदी बच्चे बौने हैं और 6 फीसदी कमजोर हैं। उन्होंने सवाल किया कि मोदी जी, क्या आप जवाब देंगे कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और पोषण अभियान को लागू करने के बावजूद भारत में अभी भी दुनिया के सबसे ज्यादा कुपोषित लोग क्यों हैं, जहां 19.5 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं? उनका सवाल था कि ये सारी योजनाएं देश की की सबसे कमजोर आबादी तक कैसे पहुंचेंगी। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी सिर्फ अपनी वाहवाही लूटने में लगे है। वह गरीब जनता की ओर नहीं ध्यान दे रहे है। जिसका परिणाम सामने है।

वायनाड में सरकार करायेगी 100 मकानों का निर्माण

बेंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले के पीड़ितों के लिए 100 मकानों का निर्माण कराएगी। सिद्धारमैया ने कहा कि वायनाड में हुई भूस्खलन की दुखद घटना के मद्देनजर कर्नाटक एकजुट होकर केरल के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को अपने समर्थन का आश्वासन दिया है और घोषणा की है कि कर्नाटक सरकार पीड़ितों के लिए 100 मकान बनवाएगी। हम सब मिलकर पुनर्निर्माण करेंगे और उम्मीद जगाएंगे। कांग्रेस नेता एवं वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर सिद्धारमैया की पोस्ट साझा करते हुए कहा कि वह वायनाड में इस कठिन समय के दौरान उनके उदार समर्थन के लिए कर्नाटक सरकार और राज्य के लोगों के प्रति बहुत आभारी हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भूस्खलन की दुखद घटना के पीड़ितों के लिए 100 मकान बनवाने की आपकी प्रतिबद्धता पुनर्वास प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीयों की करुणा और एकजुटता ही वह ताकत है।

बोले उद्धव ठाकरे... अहमद शाह अब्दाली के वंशज हैं अमित शाह

- ♦ गृह मंत्री अमित शाह ने उद्धव को औरंगजेब फैन क्लब का नेता कहा था
- ♦ महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को खटमल बताया

एजेंसी/ठाणे

उद्धव ठाकरे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर पावर जिहाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में रहने के लिए राजनीतिक दलों में फूट डाल रही है। उन्होंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को खटमल बताया। इसके साथ ही उद्धव ने गृह मंत्री अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली का वंशज बताया। अब्दाली ने पानीपत के युद्ध में मराठाओं को हराया था। दरअसल 21 जुलाई को अमित शाह ने पुणे में ठाकरे को औरंगजेब फैन क्लब का लीडर कहा था। उद्धव इसी तंज का जवाब दे रहे थे। उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए जीवनदान मांगा था। औरंगजेब फैन क्लब क्या है। जो 26/11 के आतंकी हमले के दोषी कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो ढत्रक्क का समर्थन करते हैं। उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए। महा विकास अघाड़ी औरंगजेब फैन क्लब है। यह भारत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता है। उद्धव ठाकरे इस फैन क्लब के लीडर हैं। यह फैन क्लब महाराष्ट्र और भारत को सुरक्षित नहीं रख सकता है। सबकी सुरक्षा सिर्फ भाजपा कर सकती है। अगर मुसलमान हमारे साथ हैं, तो हम उन्हें अपना हिंदुत्व समझाएंगे। तब हम औरंगजेब फैन क्लब होंगे, लेकिन जो आप कर रहे हैं, वह सत्ता जिहाद है। ठाकरे ने आगे कहा- भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू हिंदुत्व वादी व्यक्ति हैं क्या। अमित शाह बताएं उनका हिंदुत्व कैसा है। गृह मंत्री को संघ का हिंदुत्व मान्य है क्या। इस वजह से भाजपा ने जो शुरू किया है वह पावर यानी सत्ता जिहाद है।अमित शाह ने कहा था कि विपक्ष हम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहा है, लेकिन भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े सरगना शरद पवार हैं। अगर देश में किसी भी सरकार में किसी राजनेता ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया है, तो वह शरद पवार हैं।

पुराने भवन का मलवा गिरा, दबने से 4 स्कूली बच्चों की मौके पर हुई मौत

एजेंसी/रीवा

मध्यप्रदेश के रीवा जिले में शनिवार को एक खाली पड़े भवन की दीवार गिर जाने से चार बच्चों की मौत हो गई और एक महिला एवं एक बच्चा घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना गढ़ थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल के पास हुई। रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक महेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि सनराइज पब्लिक स्कूल के बच्चे घर जा रहे थे, तभी पास में ही एक खाली पड़े भवन की दीवार उनके ऊपर गिर गई। जिलाधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि बच्चे उस समय एक केयरटेकर के साथ घर जा रहे थे तथा जब तक उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया, तब तक चार की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि एक महिला और एक अन्य बच्चे को चोटें आई हैं, जिन्हें आगे के इलाज के लिए रीवा ले जाने की सलाह दी गयी।पाल ने बताया कि प्रशासन मलबा हटा रहा है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जाएगी और प्रभावित परिवारों को जल्द ही राहत राशि दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार इस हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान अंकिता गुप्ता (पांच), मान्या गुप्ता (सात), सिद्धार्थ गुप्ता (पांच) और अनुज प्रजापति (पांच) के रूप में हुई है। वहीं इस हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

लग्जरी कार से जब्त हुई 10 करोड़ की चरस

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज से पुलिस ने चरस की बड़ी खेप को जब्त की है। बरामद चरस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 10 करोड़ रुपए आंकी गई है। बिहार और यूपी के सीमा पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। दरअसल, गोपालगंज की कुचायकोट पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले में चरस की बड़ी खेप पहुंचने वाली है। प्राप्त सूचना के आधार पर कुचायकोट पुलिस ने यूपी-बिहार की सीमा पर स्थित बलथरी चेक पोस्ट पर सख्ती बढ़ा दी और वाहनों की सघन जांच शुरू किया गया। इसी दौरान पुलिस ने एक लग्जरी कार से करोड़ों की चरस को बरामद किया। मोतिहारी के रहनेवाले दो तस्कर गिरफ्तार किया गया है, जो नेपाल से 73 किलो चरस दिल्ली ले जा रहे थे।

अयोध्या के राम मंदिर निर्माण में आई तेजी, बढ़ाए गए 200 मजूदर

केटी न्यूज/अयोध्या

राम मंदिर निर्माण की गति तेज करने की कवायद शुरू हो गई है। इसी क्रम में पर कोटा निर्माण की गति बढ़ा दी गई है। पर कोटा निर्माण के लिए 200 मजदूरों को और लगा दिया गया है। पर कोट का निर्माण कर अप्रैल 2025 का पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 750 मीटर लंबे व 14 फीट ऊंचे परकोटे में कुल आठ लाख क्यूबिक फीट पत्थर लगने हैं। अब तक करीब 4.25 लाख क्यूबिक फीट पत्थर ही लग पाए हैं। मौसम की प्रतिकूलता और मजदूरों की कमी के चलते पर कोटा निर्माण की गति धीमी हो गई थी। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने भी निर्माण की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की थी। अब मजदूरों की संख्या बढ़ाकर काम की गति तेज कर दी गई है। परकोटा निर्माण का कार्य 50 फीसदी पूरा हो चुका है। सात फीट ऊंचाई तक पत्थर लग गए हैं। छह लाख क्यूबिक फीट पत्थर भी आ चुके हैं। पर कोटे मे बन रहे छह मंदिरों का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। माता भगवती के मंदिर का निर्माण कार्य तेज हो गया है। वहीं राम मंदिर निर्माण के लिए मजदूरों की संख्या भी जल्द बढ़ाई जाएगी।

हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस व एमसीडी को लगाई जमकर कड़ी फटकार, पूछे कई तीखे सवाल

दिल्ली हाई कोर्ट ने कोचिंग हादसे की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली कोचिंग हादसा देशभर में इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। इस दुखद घटना की जांच अब सीबीआई करेगी। बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई जहां घटना की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का फैसला हुआ। इस दौरान अदालत ने दिल्ली सरकार से लेकर दिल्ली पुलिस और एमसीडी तक को कड़ी फटकार लगाई और कई तीखे सवाल पूछे। अदालत ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि तीन करोड़ से ज्यादा की आबादी वाली दिल्ली को अधिक आधुनिक भौतिक और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे की जरूरत है। दिल्ली में कई अधिकारी हैं जो केवल एक दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। उधर इस दर्दनाक घटना के बाद छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र कोचिंग केंद्रों में अपनी पुख्ता सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। वहीं एमसीडी भी नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। दुखद घटना में तीन छात्रों की मौत का मामला अदालत तक भी पहुंच चुका है। पहले 31 जुलाई फिर 2 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। पहले दिन की सुनवाई के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर हुई तीन छात्रों की मौत पर अधिकारियों को फटकार लगाई थी। पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि एक अजीब जांच चल रही है, जिसमें कार चलाने वाले राहगीर के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है, लेकिन एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अदालत ने पूछा था कि क्या अब तक किसी एमसीडी अफसर को हिरासत में लिया गया है। साथ ही यह भी पूछा कि क्या इस मामले में एमसीडी के अधिकारियों की जांच हुई। दूसरे दिन की सुनवाई के दौरान भी कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और एमसीडी के अधिकारियों से घटना पर तीखे सवाल दागे। दिल्ली पुलिस द्वारा कोचिंग संस्थान के पास से गुजरी एसयूवी के चालक को गिरफ्तार करने का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा शुक्र है कि आपने बेसमेंट में घुसने के लिए बारिश के पानी का चालान नहीं काटा, जिस तरह से आपने एसयूवी चालक को वहां कार चलाने के लिए गिरफ्तार किया।

ककोलत झरना के नये स्वरूप का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

- बिहार का कश्मीर कहे जाने वाले नवादा के ककोलत झरना पर पहुंचेगे सौलानी
- प्रचंड गर्मी में भी उसके झरने के नीचे पहुंचते ही ठंडक का सुखद एहसास होता है

केटी न्यूज/नवादा

इको-पर्यटन स्थल के रूप में पर्यटकों को लुभाएगा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को बिहार का कश्मीर कहे जाने वाले नवादा के ककोलत झरने (जलप्रपात) के नए स्वरूप का लोकार्पण करने ककोलत पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीएम ने ककोलत की वादियों का अवलोकन कर इसका लोकार्पण किया। सीएम ने घूम-घूम कर सभी चीजों का जायजा लिया। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हम तो बराबर यहां निरीक्षण करने आते रहे हैं, अब अच्छा हो गया है। मौके पर वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रेम कुमार, नवादा सांसद विवेक ठाकुर, पूर्व विधायक कौशल यादव सहित कई नेता और अधिकारी मौजूद रहे। नवादा जिले का भौगोलिक पटल प्राकृतिक रूप से अत्यंत समृद्ध मनोरम है। गोविन्दपुर प्रखंड के एकतारा जंगल में मनोरम पहाड़ियों के

बीच ककोलत जलप्रपात प्रकृति का अद्भुत उपहार है। प्रकृति की गोद में अवस्थित यह जलप्रपात अपनी शीतलता और नैसर्गिक सौन्दर्य से बरबस ही किसी को भी आकर्षित कर लेता है। उंची पहाड़ियों और घने वन के बीच कल-कल करके बहते झरने का मधुर संगीत पर्यटकों का मन मोह लेता है। ककोलत जलप्रपात का नैसर्गिक जलप्रपात, हरे-भरे जंगल और शिलाखंड बिहार प्रान्त में कश्मीर की वादियों का एहसास कराती है। पौराणिक एवं ऐतिहासिक रूप से यह जिला अति प्राचीन धरोहरों को सदियों से समेटे हुए है। इसके झरने की धार से कई मीटर दूर रहने पर भी शीतलता की अनुभूति होने लगती है। प्रचंड गर्मी में भी उसके झरने के नीचे पहुंचते ही ठंडक का सुखद एहसास होता है। हजारीबाग की पर्वतमाला के मध्य नवादा जिले की सीमा के अन्दर लोहदंड पर्वतमाला के 160 फीट से भी लगभग कुछ अधिक उत्तुंग शिखर से सीढ़ी-दर-सीढ़ी करके लोहबर नदी एक झरने के रूप में नीचे आती है और पर्यटकों व स्नानर्थियों को लुभाती तथा आकर्षित करती है।

द्वारिका बिगहा पर बने नवनिर्मित पुल का उद्घाटन

नालंदा। नीतीश ने अपने गृह जिला नालंदा को दी बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज नालंदा जिला के हरनौत प्रखंड के द्वारिका बिगहा में मुहाने नदी पर नवनिर्मित पुल का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा इस पुल का निर्माण 493.64 लाख रुपये की लागत से मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना (विशेष योजना) के अंतर्गत कराया गया है।

बिहार में शहरों की साफ-सफाई के लिए स्वीकृति किए 1154 करोड़ रुपये

केटी न्यूज/पटना

केंद्र की मोदी सरकार बिहार पर बहुत मेहरबान हो रही है। केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत बिहार के शहरों की साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन के लिए 1,154 करोड़ रुपए मंजूर किए है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक विनय कुमार झा ने जानकारी देते हुए बताया है कि केंद्र सरकार की तरफ से कचरा प्रबंधन के लिए दी गई धन राशि से शहरी निकायों में साफ-सफाई के लिए अत्याधुनिक उपकरण की खरीददारी की जाएगी। साथ ही कचरा प्रसंस्करण की कई योजनाओं को धरातल पर लाया जाएगा। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हम लोगों को कचरे को आमदनी का साधन बनाना होगा। इसके लिए वेस्ट टू वेल्थ मिशन पर काम करने की जरूरत है। वहीं बिहार के नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि देश-विदेश में कचरा प्रबंधन की बेहतर प्रैक्टिस को समझने और इसे लागू करने के लिए ही विशेषज्ञों के साथ यह कान्क्लेव आयोजित किया गया है।

अनुसूचित जातियों के भीतर उप-समूह पर लोजपा (रा.) पार्टी सुप्रीम कोर्ट में करेगी अपील

एससी कोटा आरक्षण में क्रीमी लेयर की अनुमति नहीं दी जा सकती : चिराग

- एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने से सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग का उत्थान नहीं होगा, जो अस्पृश्यता की प्रथा का शिकार रहा है

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का विरोध किया। जिसमें राज्यों को 15 प्रतिशत कोटे के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उप-समूह बनाने की अनुमति दी गई है। लोजपा रामविलास नेता ने घोषणा की है कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। पटना में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं, जिसके लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी जोरदार मांग कर रहे हैं। हालांकि उनका यह भी मानना है कि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सुप्रीम कोर्ट से 15 प्रतिशत एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने वाले अपने हालिया फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध करते हुए अपील करेगी। चिराग ने कहा कि एससी कोटे में क्रीमी लेयर की अनुमति नहीं दी जा सकती। एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने से सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग का उत्थान नहीं होगा, जो अस्पृश्यता की प्रथा का शिकार रहा है। हाजीपुर के सांसद, जिनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान देश के बड़े दलित नेताओं में से एक थे, ने आश्चर्य व्यक्त किया कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में अस्पृश्यता शब्द का उल्लेख तक नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के अधिकांश लोग, यहां तक कि संपन्न परिवारों से आने वाले और शिक्षा तक पहुंच रखने वाले लोग भी अस्पृश्यता का सामना करते हैं। दरअसल, जदयू ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को सीएम नीतीश कुमार की नीतियों की पुष्टि के रूप में सराहा है, जिन्होंने वर्षों पहले राज्य में महादलित श्रेणी बनाई थी। चिराग से जाति जनगणना की मांग के बारे में भी पूछा गया, जिसने हाल ही में संसद को हिलाकर रख दिया है। इसके जवाब में चिराग ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें जाति जनगणना करानी चाहिए। लेकिन इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए।

एससी-एसटी कोटा में बढ़ोत्तरी हो : संतोष

पटना। बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री संतोष सुमन ने एससी-एसटी के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर कहा कि बिहार सरकार पूरे मामले को देख रही है उन्होंने कहा कि हम लोग चाहते हैं कि एससी एसटी का कोटा बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि निश्चित तौर पर हम लोग यह भी चाह रहे हैं कि आरक्षण बढ़ाना चाहिए। तेजस्वी यादव और चिराग पासवान के द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरोध पर संतोष सुमन ने कहा कि उन्होंने विरोध नहीं किया है लेकिन ठीक है हमारी सरकार पूरे मामले को देख रही है उसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले ही दलित महादलित कैटेगरी किया था, निश्चित तौर पर अभी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर ज्यादा कुछ टिप्पणी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी वर्ग के उनलोगों को लाभ मिलना चाहिए। जो आज तक इस लाभ वंचित है।वहीं आपदा को देखते हुए संतोष सुमन ने कहा कि हालात को देखते हुए सभी जिलाधिकारी को अलर्ट भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को अलर्ट भेज दिया गया है, यहां तक कि जल संसाधन विभाग को भी अलर्ट भेजा गया है और कहा गया है कि बिल्कुल अलर्ट रहें। संतोष सुमन ने कहा कि सरकार बिल्कुल तैयार है और आपदा की स्थिति में सभी अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने और राहत पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारियों को राहत का सभी इंतजाम कर लेने का निर्देश दे दिया गया है।

पूर्णिया में तनिष्क ज्वेलरी शोरूम लूटकांड मामले में पुलिस एवं एसटीएफ ने लॉज में की छापामारी

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया के डाक बंगला चौक स्थित तनिष्क ज्वैलरी शोरूम लूटकांड मामले में भागलपुर जेल में बंद कुख्यात अपराधी अनिकेत सिंह उर्फ बिट्टू सिंह की लॉज में पूर्णिया पुलिस और एसटीएफ की टीम ने छापामारी की है। पुलिस की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि 26 जुलाई को पूर्णिया में जिस तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में 3.70 करोड़ के आभूषणों को लूटा गया था, उसकी बैठक इसी लॉज में हुई थी। यहीं साजिश की गई थी कि तनिष्क ज्वेलरी शो रूम को कैसे लूटना है। हालांकि इस लूटकांड की पटकथा दो महीने पहले पटना के बेउर जेल में लिखी गई थी। तब पूर्णिया का कुख्यात अपराधी बिट्टू सिंह उसी जेल में बंद था। भागलपुर जेल से बिट्टू सिंह को बेउर जेल रिमांड पर लाया गया था। उसके बाद बिट्टू सिंह के ससुर के लॉज में तनिष्क ज्वेलरी शॉप को लूटने की साजिश रची थी। छापामारी के दौरान पुलिस ने लॉज के एक एक कमरे में छानबीन की है। पुलिस और एसटीएफ टीम छापामारी के बाद साथ ही कई दस्तावेज अपने साथ लेकर गई है। सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने बताया कि तनिष्क लूटकांड से जुड़े तारों की पड़ताल में पूर्णिया पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई लगातार चल रही है। इसी कड़ी में पता चला कि लूटकांड के मुख्य आरोपियों में से एक अभिषेक झा उर्फ चुनमुन झा के भाई आनंद झा सहित कई साथी लूट से पूर्व यहां बैठक करते थे।

किसी भी पदाधिकारी का पैसा मांगते वीडियो उपलब्ध कराये, ले जाये 25 हजार : पप्पू यादव

- नीतीश कुमार अब बुजुर्ग हो गए, उनकी अब उम्र हो गई और अब सरकार पदाधिकारी व माफियां चला रहे हैं
- बिहार में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है पुलिस नाम की कोई चीज नहीं बची

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर बिहार सरकार घेरने की कोशिश की है। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि सीएम नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोलते हुए नीतीश कुमार को बूढ़ा करार दिया है। पटना से पूर्णिया जाने के दौरान बेगूसराय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार अब बुजुर्ग हो गए हैं। उनकी अब उम्र हो गई है। अब सरकार पदाधिकारी और माफियां चला रहे हैं। इसमें वो क्या कर सकते हैं। हम तो अक्सर कहते है कि बिहार से अपराध खत्म होना चाहिए। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने मीडिया को कहा कि बिहार में किसी भी पदाधिकारी का पैसा मांगते वीडियो उपलब्ध कराएगा उसे ना सिर्फ इनाम के रूप में 25000 दिया जाएगा। बल्कि उनका नाम भी गुप्त रखा जाएगा। पप्पू यादव संबंध में कहा कि ईडी का जो हाल है वो बिल्कुल स्ट्रांग है। ईडी पिक एंड चूज करता है। जो सत्ता में रहता है उसके लिए ईडी नहीं है जो विपक्ष में बैठा है उसके लिए ही ईडी है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी पर जो कारवाई की जा रही है वह बिल्कुल गलत हैं और यह एक गलत परिपाटी है। इसलिए मैं राहुल जी के बयान को सही मानता हूं। पप्पू यादव ने आगे कहा कि बिहार में डीजीपी भट्टी को फ्री नहीं छोड़ा गया इसलिए वो बिहार छोड़कर जा रहें है। उन्हें बिरमित कर दिया गया है। बिहार मे लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है पुलिस नाम की कोई चीज नहीं बची है। बिहार की जनता अब अपराधी और माफिया के भरोसे है। आखिर यह कब तक चलेगा। इसे बदलना होगा।

खनन विभाग की टीम पर हमला, ग्रामीणों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

सुपौल। सुपौल में अवैध बालू खनन को रोकने गई खनन टीम पर हमला हुआ है। इस हमले में खनन इंस्पेक्टर समेत चार जवान बुरी तरह से घायल हो गए हैं। वही एक महिला भी जख्मी है, जिसका इलाज त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। घटना त्रिवेणीगंज के टॉल टैक्स के पास लक्ष्मीनिया की है। खनन इंस्पेक्टर इकबाल हुसैन के मुताबिक, अवैध खनन को लेकर सीएम के जनता दरबार में आवेदन पड़ा था जिसके बाद वह जांच करने गए तो वहां अवैध खनन का बालू और ट्रैक्टर को जब्त करने की कर्रवाई करने लगे। जिससे नाराज होकर वहां मौजूद लोगों ने लाठी डंडे और ईंट से हमला कर दिया। इस हमले में खनन इंस्पेक्टर के सिर में चोट आई है जबकि चार जवान भी घायल हो गए हैं। घटना के दौरान दूसरे पक्ष की एक महिला भी घायल हुई है। घायलों का त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

गया जिले के शेरघाटी अनुमंडल स्थित नई बाजार में अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

बदमाशों ने एयरटेल कार्यालय में घुसकर मैनेजर को मारी गोली, लूटे साढ़े 14 लाख

- पुलिस ने लुटी गई राशि के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार करने में पायी सफलता

केटी न्यूज/गया

बिहार के गया जिले में शेरघाटी अनुमंडल के नई बाजार में संचालित एयरटेल कंपनी के कार्यालय में दिनदहाड़े 14 लाख रुपये की लूट का मामला सामने आया है। शेरघाटी के नया बाजार स्थित होटल वेलकम के नीचे एयरटेल कार्यालय में घुसकर बाइक सवार तीन अपराधियों ने एयरटेल कंपनी के स्थानीय मैनेजर को लूटपाट करते हुए गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार तीनों अपराधी हेलमेट पहने हुए अंदर आए और मैनेजर बिहू कुमार को गोली मारकर उससे लगभग 14.50 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। घायल मैनेजर को शेरघाटी अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां चिकित्सकों ने औपचारिक इलाज के बाद उसे गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है। वहीं दूसरी ओर जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत कार्रवाई करते हुए लूटपाट करने वाले तीनों अपराधियों को डोभी से गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने अपराधियों का पीछा कर डोभी के पास अपराधियों को लूटी गई रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल भी बरामद किया है। घटना शनिवार को शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल के पास हुई है। बताया जा रहा है कि तीन की संख्या में बाइक पर सवार अपराधियों ने लूट को अंजाम दिया है। हथियारबंद अपराधी एयरटेल के कार्यालय में ग्राहक बनकर प्रवेश किया। इसके बाद गन पॉइंट पर मैनेजर एवं कर्मचारियों को कवर कर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। जब मैनेजर ने विरोध किया तो एक अपराधी ने उन्हें गोली मार दी। एयरटेल कंपनी से 14 लाख की हुई लूट और गोली चलने की घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। पुलिस की तत्परता से लूटी गई राशि के साथ अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफल रही है।

पेड़-पौधे हमारी धरोहर है, भावी पीढ़ी के लिए इन्हें लगाना और बचाना दोनों ही जरूरी: डीएम

- राजपुर के हेठुआ तालाब के किनारे डीएम ने पंचायत प्रतिनिधियों व छात्रों संग किया पौधरोपण, लगाए गए 400 पौधे

केटी न्यूज/राजपुर

पेड़ पौधे हमारे लिए धरोहर है, जो हम भावी पीढ़ी के लिए छोड़ जाते है। आने वाले पीढ़ी के सुखमय भविष्य के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाए तथा उन्हें संरक्षित रखे। शनिवार को राजपुर प्रखंड के हेठुआ गांव के तालाब के पास उक्त बातें बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल ने कही। उन्होंने जल जीवन हरियाली अभियान अंतर्गत सघन पौधरोपण अभियान को गति देने पहुंचे थे।

इस दौरान जिला पदाधिकारी ने जन प्रतिनिधियों एवं छात्र-छात्राओं के साथ मिल हेठुआ तालाब पर पौधरोपण की शुरूआत कराई। तालाब के चारों तरफ लगभग 400 पौधरोपण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा को निर्देशित किया गया कि पौधे की सुरक्षा के लिए चारों तरफ कटीले तार से घेराबंदी करना सुनिश्चित करेंगे।

डीएम ने छात्रों को किया प्रेरित, बोले-एक पौधा जरूर लगाए

पौधरोपण अभियान के दौरान वहा उपस्थित छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करते हुए डीएम ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पेड़ पौधों की अंधाधुंध कटाई के कारण हमारा पर्यावरण तेजी से बिगड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमे अभी से जागरूक हो अधिक से अधिक पौधरोपण करना होगा तथा लगाए गए पौधों को संरक्षित करना पड़ेगा। तब हमे स्वस्थ्य व स्वच्छ पर्यावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। जबकि मौसम चक्र में भी पेड़ पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को देखते हुए छात्र-छात्राओं को अपने जीवन में कम से कम एक-एक पौधा लगाने एवं उन्हें संरक्षित करने को प्रोत्साहित किया। इस क्रम में उन्होंने छात्र-छात्राओं से पेड़-पौधे के महत्व के बारे में भी पूछा तथा उन्हें कई आवश्यक जानकारियां दी। उन्होंने बताया कि धरती पर जीवन को बचाने में पेड़-पौधे सहायक है। पेड़ से ही हमे ऑक्सीजन मिलता है। पेड़-पौधे कार्बन डाई ऑक्साइड को सोख तथा ऑक्सीजन का उत्सर्जन कर हमारे पर्यावरण को शुद्ध करते है।

निजी जमीन पर भी मिल सकता है पौधरोपण का लाभ

जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत में यदि किसी लाभुक जिनके पास अपनी जमीन हो एवं वे पौधरोपण कराने को इच्छुक है तो ग्राम पंचायत के मुखिया, पंचायत रोजगार सेवक एवं कार्यक्रम पदाधिकारी से कार्य अवधि में संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मनरेगा अंतर्गत पोखरा के किनारे पेवर ब्लॉक, इनलेट आउटलेट, पोखरा के परिसर में ही चापाकल के किनारे सोख्ता का भी निर्माण किया गया है। पंचायती राज विभाग से ओपेन जिम भी बनवाया गया है। भविष्य में जब ये पौधे बडे.हो जायेंगे तब तालाब की सुन्दरता और भी बढ़ जायेगी। मौके पर गुलमोहर, महोगनी, नीम, अशोक, जामुन, अमरूद, इत्यादि पौधे रोपित किये जा रहे है। ग्राम पंचायत के मुखिया के द्वारा मनरेगा अंतर्गत आठ वनपोषक को भी चयनित कर कार्य आवंटित कर दिया गया है। जिनका कार्य पौधे को पानी देना, निराई-गुणाई करना, पौधों की सुरक्षा करना एवं अंतरजिविता सुनिश्चित करना होगा। ये वनपोषक पांच वर्षों तक पौधों की देखभाल करेंगे। जिनको मनरेगा अंतर्गत प्रतिमाह आठ कार्य दिवस की मजदूरी दी जायेगी।

खबरें फटाफट

पूरे दिन बाधित रही विद्युत आपूर्ति

डुमरांव। शनिवार को तेज हवा के कारण कई जगहों पर पेड़ उखड़ बिजली के तार पर गिरने तथा लोकल फॉल्ट के कारण शहर की विद्युत आपूर्ति पूरे दिन बाधित रही। आलम यह था कि शहरी क्षेत्र के किसी भी इलाके में निर्बाध गति से दो या तीन घंटे तक बिजली नहीं मिली। यह सिलसिला देर शाम तक जारी था। जिस कारण लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। टाउन जेई मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ या डालिया तार पर गिर गई थी। जिसे हटाने में आपूर्ति बाधित करनी पड़ी।

राजगोला में कीचड़ से बढ़ी परेशानी

डुमरांव। शहर की मुख्य सब्जी मंडी राजगोला में कीचड़ उत्पन्न हो गया है। हल्की बारिश से ही पूरा राजगोला परिसर कीचड़ से पट गया है। जिस कारण राजगोला में सब्जी बेच आजीविका चलाने वालों की मुश्किलें बढ़ गई है। सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि कीचड़ के कारण ग्राहक नहीं आ रहे है। जिस कारण बिक्री बाधित हो रही है। बता दें राजगोला अनुमंडल का सबसे बड़ा सब्जी मंडी है, जहां हर दिन हजारों की तदात में लोग सब्जी खरीदने आते है। लेकिन, कीचड़ के कारण अब ग्राहकों का राजगोला से मोहभंग होने लगा है।

नया भोजपुर ओपी व चक्की ओपी क्षेत्र में भी दे चुके हैं लूट की घटनाओं को अंजाम

कृष्णाब्रह्म में बैंककर्मी से लूट मामले में नगदी एवं मोबाइल के साथ चार धराएं

- एसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी
- एक ही गांव के रहने वाले हैं सभी लूटेरे, सगे भाई भी शामिल

केटी न्यूज/बक्सर

25 जुलाई की रात कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के उड़ियानगंज छतनवार मोड़ के पास नंदन के उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के कर्मी से लूट मामले का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में कुल चार लूटेरे पुलिस गिरफ्त में आए है। उनके पास से लूट का 1400 रूपया नगद, वीवो कंपनी का एक मोबाईल फोन तथा नया भोजपुर ओपी क्षेत्र में फाइनेंसकर्मी से लूटा गया टैब के अलावे लूट की घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है।

शनिवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई की रात करीब नौ बजे उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक नंदन शाखा का एक कर्मी चक्की से वसूली कर उड़ियानगंज आया था। यहा से पैसा लेकर निकलने के दौरान जैसे ही गांव से बाहर आया था कि चार की संख्या में लूटेरों ने उससे 15.5 हजार नगद रूपए के साथ एक मोबाईल, टैब तथा पर्स छिन लिए थे। इसकी सूचना मिलते ही तत्काल डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया। इसके बाद डीएसपी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मोबाईल डंपिंग व सर्विलांस जैसे तकनीकी साधनों का इस्तेमाल करते हुए इस घटना में शामिल चक्की लक्ष्मण डेरा के चार अपराधियों की शिनाख्त करने के साथ ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लूटेरों में मनीष कुमार पिता श्रीकांत यादव, रविशंकर पासवान पिता श्रीभगवान पासवान तथा नितेश कुमार व गणेश यादव दोनों पिता रामेश्वर यादव को गिरफ्तार किया। इनके पास से लूट के पैसों में से 1400 रूपए नगद तथा बैंककर्मी से लूटा गया विवो को मोबाईल फोन के अलावे घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई। जबकि मनीष के घर से नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र से कुछ महीने पहले फाइनेंस कर्मी से लूटा गया टैब भी मिला है। पूछताछ में सभी ने कृष्णाब्रह्म के अलावे नया भोजपुर व चक्की में फाइनेंसकर्मियों से लूट की घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकारी है। आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है। टीम में डुमरांव डीएसपी के साथ कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार, चक्की ओपी प्रभारी संजय पासवान के अलावे डीआईयू टीम तथा शसस्त्र बल शामिल थे।

चक्की से ही कर रहे थे पीछा : एसपी ने बताया कि उत्कर्ष बैंककर्मी उड़ियानगंज से पहले चक्की में मीटिंग लेने तथा पैसा वसूली करने गया था। लूटेरों ने वही से उसका पीछा किया। लेकिन, वह उनसे पहले उड़ियानगंज तक चला आया तथा यहा मीटिंग लेने के बाद रात नौ बजे के आस पास वापस नंदन जा रहा था। इसी दौरान दोनों गांव के बाहर मोड़ पर लूटेरों ने उससे लूट की घटना को अंजाम दिया। उन्हें लगा कि गांव से दूर आकर लूट करने पर पुलिस शायद उनतक नहीं पहुंच पाएगी।

लूट की सीरियल घटनाओं से परेशान थी पुलिस

बता दें कि डुमरांव अनुमंडल इलाके में पिछले कुछ महीनों में अपराधियों द्वारा फाइनेंसकर्मियों को टारगेट कर लूट की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। 25 जुलाई की रात कृष्णाब्रह्म में लूट से पहले लूटेरों ने 26 जून को नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र में मंटू कुमार नामक एक फाइनेंसकर्मी को अपना शिकार बनाया था। जबकि इसके कुछ दिनों बाद ही चक्की डुमरी पथ पर भी एक फाइनेंसकर्मी से नगदी व मोबाईल की लूट की थी। लेकिन कृष्णाब्रह्म की घटना के बाद लूटेरों की पूरी टीम पुलिस के शिकंजे में फंस गई।

शराब तस्कर को गिरफ्तार कर ले गई बलिया पुलिस

डुमरांव। शनिवार की शाम यूपी के बलिया जिले के दुबहड़ थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान सफाखाना रोड निवासी श्रीराम गुप्ता के पुत्र नीरज गुप्ता के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार उस पर बलिया के दुबहड़ थाने में शराब तस्करी का केस दर्ज हुआ था। जिसमें वह फरार चल रहा था। शनिवार को डुमरांव पहुंची बलिया पुलिस ने उसे राजगोला गेट के पास से गिरफ्तार कर डुमरांव थाना लाई तथा कागजी कार्रवाई पूरी कर उसे अपने साथ बलिया ले गई। गिरफ्तारी के दौरान राजगोला गेट के पास लोगों में भगदड़ मच गई। किसी को कुछ समण् में नहीं आया कि उसे बलिया की पुलिस क्यों गिरफ्तार कर रही है। पहले लोगों को लगा कि किसी गंभीर मामले में उसकी गिरफ्तारी हुई है। लेकिन थोड़ी देर बाद ही इसकी जानकारी मिली कि वह शराब मामले में दुबहड़ पुलिस की नजरों में फरार चल रहा था।

मामले की पुष्टि करते हुए डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने कहा कि उस पर डुमरांव थाने में भी शराब तस्करी का मामला दर्ज है तथा वह पूर्व में तस्करी मामले में जेल भी जा चुका है। उन्होंने बताया कि वह हाल ही में जेल से बाहर आया था। लेकिन, जेल जाने के बाद भी उसका तस्करी से पीछा नहीं छूटा।

एक नजर

सावन उत्सव में मासूमों संग झूमी माताएं, पाथवेज वर्ल्ड स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

डुमरांव। शनिवार को डुमरांव के टेक्सटाईल कॉलोनी स्थित पाथवेज वर्ल्ड स्कूल, में सावन उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चे बच्चियों व उनके मां के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस उत्सव की खास बात यह थी कि बच्चों के साथ उनकी मां ने भी कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया तथा बच्चों के साथ झूम कार्यक्रम को मनोरंजक बना दिया। इस दौरान छात्रों के साथ उनकी मां के लिए भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। मौके पर झुला भी लगाया गया था, जिस पर बच्चों ने देर तक मस्ती की। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्कूल की डायरेक्टर उर्मिला सिंह और नेहा सिंह ने किया वही संचालन शिक्षिका कृति ने किया। सावन उत्सव कार्यक्रम में नन्हें मुन्हें छात्रों द्वारा एक से बढ़कर एक नृत्य, संगीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सावन का झूला था। जिसपर बच्चों ने जमकर लुफ्त उठाया। वही छोटे बच्चों द्वारा शिव पार्वती की भाव भंगिमा में नृत्य कर सबका मन मोह लिया गया। बच्चों की मां के लिए भी गेम आयोजित किया गया था। जिसके बाद मेहंदी प्रतियोगिता भी आयोजित किया गया। अपने संबोधन में इंजिनीयर डॉ. आर राघवन ने कहा कि बच्चों में नैसर्गि प्रतिभा होती है। जरूरत है उन्हें सही मार्गदर्शन देकर उभारने की। कार्यक्रम में रेशम केसरी, शिवानी तिवारी, स्नेहा दुबे, निकिता, कृति, आकांक्षा, अमन समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहे। वही अभिभावकों में राधा कुमारी, आरती देवी, मीरा देवी, रुबाना बेगम, मुन्नी देवी, नंदनी कुमारी, आँचल शर्मा, शिल्पी कुमारी, लाली देवी अनेको अभिभावक उपस्थित रही।

चौसा थर्मल पॉवर प्लांट के भू-धारी किसानों की समस्या का शीघ्र होगा समाधान: सांसद

चौसा। बनारपुर पंचायत भवन के पास चौसा थर्मल पॉवर प्लांट के भू-धारी किसानों की बैठक आयोजित हुई। यह बैठक संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर की गई थी। बैठक में मोर्चा के किसान नेता उपस्थित हुए थे। वही इस बैठक में क्षेत्र के सांसद सुधाकर सिंह भी पहुंचे हुए थे। जहा बैठक में किसान नेताओं ने आंदोलन को तेज करने के आह्वान करते हुए कहा कि आगामी 9 अगस्त को कलेक्ट्रेट भवन का घेराव किया जाएगा। सांसद सुधाकर ने जेल से छूटकर आये किसानों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों की समस्या का जल्द निदान होगा। उन्होंने कहा कि लारा कोर्ट के माध्यम से किसानों को बढ़ाकर मुआवजा दिया जाएगा। वही जिन छोटे किसानों ने कोई कार्य नहीं मिला है। उन्हें मजदूरी का भुगतान भी जल्द दिया जाएगा। आगे भी उनकी समस्या का निदान होगा। इससे पहले किसान नेता दिनेश सिंह ने कहा कि किसानों की भूमि का मुआवजा पुराने दर से नहीं ली जाएगी। जबतक दर बढ़ाया नहीं जाएगा। नेता अशोक सिंह ने कहा संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 9 अगस्त को कॉर्पोरेट खेती छोड़ो नारा के साथ कलेक्ट्रेट का घेराव करने का आह्वान किया गया है। वहीं 20 मार्च को चौसा के किसानों का जो आंदोलन लाठी के बल पर स्थगित कर दिया गया था।

डीटीओ ने डुमरांव में चलाया वाहन जांच अभियान, चालकों में मचा हड़कंप

डुमरांव। शहर के मुख्य सड़क एनएच 120 स्थित नया थाना के समीप शनिवार को जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार व थानाध्यक्ष शंभू भगत द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क पर वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गयी। यातायात नियमों के पालन नहीं करने वाले 17 वाहन चालकों से 87 हजार 600 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। अधिकारियों के इस विशेष अभियान चलाकर बगैर कागजात और हेलमेट लेकर नहीं चलने वाले चालकों के बीच दहशत बना दी। डीटीओ ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से ओवरलोडिंग, हेलमेट, तीन सवारी एवं अन्य वाहन संबंधित कागजातों की जांच की और इस दौरान जो भी वाहन मालिक नियमों को ताक पर रखकर वाहन चला रहे थे। उनसे जुमार्ना वसूला गया तथा उन्हें चेतवानी दी गयी कि आगे से यातायात नियमों का उल्लंघन ना करें। वहीं दूसरी ओर कोरानसराय पुलिस ने भी मुख्य चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया और कई वाहनों से 17 हजार की राशि बतौर जुमार्ना वसूला। कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि यातायात नियमों के पालन कराने और बगैर हेलमेट व कागजात के वाहन चालकों से जुमार्ना राशि वसूल की गयी।

पुराना भोजपुर में उप मुख्य पार्षद की पहल पर हटाया गया सड़क किनारे पसरा गाद

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्रों में कचरा उठाव व नालियों की सफाई की स्थिति दयनीय है। सफाई कर्मी विस्तारित क्षेत्रों के सभी इलाकों में नियमित सफाई अभियान नहीं चला रहे है। कहीं नालियों की सफाई के बाद उससे निकाल गाद कई दिनों तक नाली के किनारे छोड़ दिया जा रहा हैं।

पुराना भोजपुर के वार्ड संख्या तीन में चार दिनों से नाली की सफाई कर गाद को सड़क किनारे ही छोड़ दिया गया था। नगर परिषद के पदाधिकारियों को काफी फोन और सूचना के बावजूद भी कोई निवारण नहीं निकला तो लोगों ने पुराना भोजपुर साइबर सेनानी ग्रुप के माध्यम से उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर को इसकी सूचना दी। उप मुख्य पार्षद ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सड़क किनारे जमा गाद की सफाई दूसरे पहर में शुरू कराई जिसपर आम जनमानस ने संतुष्टि जताते हुए उप मुख्य पार्षद का आभार जताया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उनके गांव की इससे अच्छी स्थिति ग्राम पंचायत के दौरान थी।

एल एंड टी के मजदूर की मौत, मुआवजे के लिए सड़क जाम

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट के निर्माण में जुटी एल एंड टी कंपनी के एक कामगर की मौत के विरोध में मुआवजे की मांग पर शनिवार को मजदूरों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। आक्रोशित मजदूरों ने कंपनी के मुख्य गेट के पास चौसा कोचस पथ को घंटो जाम किया। हालांकि, इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाने की पुलिस ने सड़क जाम कर रहे मजदूरों को समझा बुझाकर शांत करवाया तथा कंपनी के अधिकारियों से बातचीत कर मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलवाया। इसके बाद सड़क जाम हटाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार इटाढ़ी थाना के भेलूपुर गांव निवासी श्रीराम पासवान का 30 वर्षीय पुत्र अशोक पासवान पांच-छह माह एलएंडटी के अंतर्गत किसी कम्पनी में मजदूरी करता था। शुक्रवार को भी प्लांट में कार्य करने पहुंचा। जहा दोपहर बाद उसकी तबीयत खराब होने लगा। उसने अपने साथियों को तबीयत खराब होने की जानकारी दिया। लेकिन, छुट्टी लेकर घर जाने के बजाय निर्धारित समय तक काम किया। देर रात खाना खाकर वह सोने चले गए। जहा उसकी तबियत ज्यादा बिगड़ गई। घरवालों ने इलाज के लिए चौसा सीएचसी लाया गया। जहा चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया। जहा पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। मजदूर की मौत होने की सूचना कम्पनी वालों को दी गई। हालांकि, इस पर कोई विचार नहीं होने पर मजदूर के परिजन व साथ काम करने वाले मजदूर दोपहर में शव को लेकर प्लांट के मुख्य गेट के समीप पहुंचे। जहा शव रखकर चौसा-कोचस मार्ग को जाम कर दिया। लगभग 15 मिनट ही बीते होंगे, तब तक मुफस्सिल थाना प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे जहा परिजनों को समझाया व एलएंडटी के अधिकारियों को बुलाया। तब जाकर उनके परिजनों को क्रिया-क्रम को 25 हजार तत्काल दिए जाने की बात कही गई साथ ही जो दिया जाने वाले मुआवजे को दिए जाने की आश्वस्त कर मामले को शांत कराया।

स्वास्थ्य विभाग की अपील: लगातार पांच वर्ष तक साल में एक बार फाइलेरिया रोधी दवाएं खाने से कभी नहीं होगी बीमारी

फाइलेरिया से बचाव के लिए स्वस्थ व्यक्ति को भी खानी है दवा

- फाइलेरिया मुक्त समाज से सुरक्षित होगा आने वाली पीढ़ियों का भविष्य

केटी न्यूज/बक्सर

फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है। समाज के उत्थान और उन्नति के लिए फाइलेरिया मुक्त होना बहुत जरूरी है। फाइलेरिया मुक्त समाज से ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। भविष्य के समृद्ध युवा पौध को तैयार करने के लिए मौजूदा बच्चों की पीढ़ी को फाइलेरिया के संक्रमण से बचाना होगा। यह समाज के शारीरिक और आर्थिक उत्थान के लिए भी बेहद जरूरी है। मालूम हो कि देश में अपंगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण फाइलेरिया है। यह जितनी जटिल बीमारी है, उतना ही सरल इसका निदान भी। एमडीए (सर्वजन दवा सेवन) अभियान के तहत फाइलेरिया रोधी दवाओं का लगातार पांच साल इस्तेमाल और बीमारी से मुक्ति। इसके लिए हमें तत्पर रहना होगा। अपनी सहभागिता निभानी होगी। 10 अगस्त से चलने वाले सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत खुद भी फाइलेरिया रोधी दवा खानी है और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी इसके उपयोग के लिए समझाना है।

दीर्घकालिक दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में से एक है फाइलेरिया : अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया दुनिया भर में दीर्घकालिक दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में से एक है। आमतौर पर बचपन में होने वाला यह संक्रमण लिम्फैटिक सिस्टम को नुकसान पहुंचाता है। यदि इसका इलाज न किया जाए तो इससे शारीरिक अंगों में असामान्य सूजन होती है। उन्होंने बताया कि हाथी पांव, हाइड्रोसील, स्तन व हाथों में सूजन फाइलेरिया के संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभाव हैं। ज्यादा दिनों तक बुखार रहे, पुरुष के जननांग में या महिलाओं के स्तन में दर्द या सूजन रहे और खुजली हो, हाथ-पैर में भी सूजन या दर्द रहे तो यह फाइलेरिया होने के लक्षण हैं। तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर चिकित्सा शुरू कराएं।

घर घर जाकर स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध कराएंगे दवाएं

विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि एमडीए अभियान के दौरान दी जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवाएं फाइलेरिया बीमारी की नहीं बल्कि इससे बचाव की दवा है। इसे हर स्वस्थ व्यक्ति को खाना चाहिए। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर फाइलेरिया से बचाव के लिए दवाएं लोगों तक उपलब्ध कराएंगे। 2 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को यह दवाएं नहीं दी जाएगी। फाइलेरिया से बचाव के साथ एमडीए दवाइयों से कई दूसरे लाभ भी हैं। उन्होंने बताया कि इस रोग के संक्रमण से बचाव के लिए यह दवा सभी लोगों को खिलाई जाती है। प्रभावित क्षेत्र में रह रहे समुदाय के सभी लोगों को फाइलेरिया के संक्रमण होने का खतरा बना रहता है।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ अन्य विभागीय योजनाओं में लाएं तेजी : डीटीओ

केटी न्यूज/डुमरांव

शनिवार को स्थानीय प्रखंड के सभागार में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना, फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण के संबंध में सभी विकास मित्र, जन वितरण विक्रेता एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की गयी।

इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों एंव प्रखंडों से जिला मुख्यालय तक आमजनों को यात्री परिवहन व्यवस्था सुलभ कराना एवं राज्य के बेरोजगार युवक एवं युवितयों के लिए रोजगार का सृजन कराना है। प्रति लाभुक को बस के क्रय करने पर पांच लाख रुपए अनुदान का भुगतान किया जायेगा। बस योजना के तहत बस को योग्य माना जाएगा एवं मिनी बस को प्राथमिकता दी जायेगी।

उन्होंने बताया कि लाभुक की न्यूनतम उम्र सीमा आवेदन करने की तिथि को 18 वर्ष होनी चाहिए। लाभुक के पास चालन अनुज्ञप्ति होनी चाहिए। लाभुक को सरकारी सेवा में कार्यरत या नियोजित नहीं होना चाहिए। किसी प्रखंड में योजना का लाभ लेने हेतु लाभुक को उस प्रखंड का निवासी होना चाहिए। सुयोग्य श्रेणी से एक से अधिक लाभुक संयुक्त रूप से भी आवेदन कर सकेंगे। आवेदक के पास निम्न कागजात यथा जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, मैट्रिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एंव चालक अनुज्ञप्ति होना अनिवार्य है। मैट्रिक की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर अधिकतम अंक के आधार पर, समान अंक होने पर अधिक उम्र वाले को वरीयता दी जायेगी। स्वीकृत लाभुक के अतिरिक्त अन्य आवेदनों की योग्यता के आधार पर घटते क्रम में प्रतीक्षा सूची बनाई जाएगी। स्वीकृत लाभुकों की सूची एवं प्रतीक्षा सूची को संबंधित जिला परिवहन कार्यालय में प्रकाशित करते हुए तीन दिनों की समय सीमा में आपति आमंत्रित की जायेगी। जिसके पश्चात अंतिम चयन सूची प्रकाशित की जायेगी। परिवहन विभाग की अधिसूचना के आलोक में यह सर्वथा सुनिश्चित किया जाएगा कि एक प्रखंड में सात से ज्यादा लाभुको को अनुदान का भुगतान नहीं हो। जिस प्रखंड में अनुसूचित जनजाति की संख्या 1000 से ज्यादा होगी उस प्रखंड में 01 अतिरिक्त अनुसूचित जनजाति के कोटि में भी योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिलें के सभी जन वितरण प्रणाली केन्द्र पर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। लाभार्थी अपने निकटतम जन वितरण प्रणाली केन्द्र पर जाकर अपना आयुष्मान कार्ड जरूर बनवा लें। साथ ही वहाँ उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों को फाइलेरिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर बीडीओ संदीप कुमार पांडेय के अलावे विकास मित्र, पीडीएस दुकानदार व जनप्रतिनिधि शामिल थे।

एक नजर

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए न्यायाधीश ने की थानाध्यक्षों के साथ बैठक

बक्सर। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार 14 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की तैयारी तेज हो गई है। यह राष्ट्रीय लोक अदालत सदन एवं व्यवहार न्यायालय, बक्सर के परिसर में किया जाएगा। इसकी तैयारी के लिए अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार देवेश कुमार द्वारा प्रतिदिन सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठक की जा रही है। इसी के तहत शनिवार को जिले के सभी थाना अध्यक्षों के साथ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के प्रकोष्ठ में एक बैठक आहूत की गई। जिसमें लगभग दो हजार मामलों के निपटारे सुलह-समझौते के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करवाने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी न्यायालय से आए हुए सुलहनिए वादों की सूची के आधार पर बनाए गए दोनों पक्षकारों के नोटिस को सभी थानाध्यक्षों को दिया जाएगा। इस नोटिस के माध्यम से वें निजी तौर पर इन सभी नोटिस को पक्षकारों तक पहुंचने का काम करें। साथ ही पक्षकारों तक पहुंचने वाले व्यक्ति को न्यायालय में आकर अपने वाद को सुलह करवाने के लिए प्रेरित करें। उन्हें यह बताएं कि आपके जिले में एक ऐसी अदालत भी है जिसमें बिना किसी फीस के वकील के आपके अपने मुकदमों का निपटारा आपसी सुलह के आधार पर हो सकता है। पिछली बार जुलाई 2024 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में आशा के अनुरूप मामले का निष्पादन नहीं हो पाने के कारण इस बार कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दो हजार मुकदमे के निपटारा का लक्ष्य पूरा करना है। इसके लिए न्यायालय में बने सभी नोटिस का तामिला अति आवश्यक है। मौके पर उन्होंने कहा कि आपके थाने में पैनल अधिवक्ता एवं पारा विधिक स्वयंसेवक को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए नियुक्त किया गया है, आपके थाने मे यदि कोई व्यक्ति गिरफ्तार होकर आता है, तो वे उसे गिरफ्तारी के पूर्व और गिरफ्तारी के बाद उनके क्या मौलिक अधिकार है, उन्हें क्या विधिक सहायता दी जा सकती है, इसके बारे में वह गिरफ्तार व्यक्ति को अवगत कराएंगे। पैनल अधिवक्ता और पारा विधिक स्वयं सेवक की कार्य प्रणाली के बारे में भी विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में जिले के सभी थानों के थानाध्यक्ष मौजूद थे।

एक से सात अगस्त तक चलेगा विश्व स्तनपान सप्ताह, धात्री महिलाओं को दी जा रही जानकारी

बक्सर। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों व आंगनबाडी केंद्रों पर धात्री माताओं को स्तनपान कराने हेतु जागरूक करते हुए स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में 01 से 7 अगस्त तक धात्री महिलाओं को स्तनपान कराएं के तरीकों की जानकारी देते हुए इसके फायदें भी बताए जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में सिविल सर्जन डॉ सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि मां का दूध नवजात शिशु का सर्वोत्तम आहार होता है। इसमें बच्चे को कई प्रकार के विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन मिल जाता है अतः जन्म के बाद बच्चे को सिर्फ माँ का ही दूध देना चाहिए।उन्होंने बताया की बच्चे के जन्म के पहले एक घंटे को गोल्डन ऑवर कहा गया है, क्योंकि इस एक घंटे के अंदर बच्चे को स्तनपान कराना काफी महत्वपूर्ण है। इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक और मानसिक क्षमता का विकास होता है, साथ ही भरपूर पोषण भी मिलता है। विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर धात्री महिलाओं को स्तनपान कराने का तरीका आशा, नर्स, सेविका द्वारा बताया जा रहा है। इस दौरान सही ढंग से कैसे बच्चे को स्तन पकड़ाए ताकि बच्चे का पेट भर सकें, स्तनपान के दौरान शिशु का मुंह पूरा खुला हो, शिशु का निचला होंठ बाहर की तरफ मुड़ा हो,इस बात को बताया गया। आशा नीतू कुमारी ने बताया कि आजकल की मॉडल जमाने की माताए स्तनपान नहीं कराती है, बच्चे को डिब्बा बंद/ या बाहरी दूध का सेवन कराती है जो गलत है। उन्हें यह जानना चाहिए की स्तनपान कराने से कैंसर, मोटापा, बीपी,जैसे रोग से महिलाओ की रक्षा होती है। स्तनपान बच्चे के लिए कुदरत का एक अनमोल उपहार है, जो मां और बच्चे दोनों को भावनात्मक लगाव प्रदान करता है। छह माह तक बच्चे को स्तनपान के अतिरिक्त कुछ नहीं देना चाहिए, 06 माह के बाद मां के दूध के साथ बच्चे को ऊपरी आहार देना शुरू करना चाहिए और कम से कम दो वर्ष तक बच्चे को स्तनपान जारी रखना चाहिए।

इस वर्ष 9 अगस्त को मनायी जाएगी नागपंचमी

बिक्रमगंज। हर वर्ष की भांति इस वर्ष नागपंचमी का पर्व 9 अगस्त को मनायी जाएगी। इस वर्ष नाग पंचमी पर दुर्लभ शिववास योग बन रहे है। इस दिन भगवान शिव कैलाश पर जगत जननी मां पार्वती के साथ रहेंगे। इस समय में शिव परिवार संग नाग देवता की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। साथ ही नाग देवता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। वहीं, नाग पंचमी पर सिद्ध योग का संयोग बन रहा है। सिद्ध योग दोपहर 01 बजकर 46 मिनट तक है ।इसके बाद साध्य योग का निर्माण हो रहा है। इन योगों के साथ ही इस नागपंचमी पर बव और बालव करण का योग बन रहा है। इस दिन सर्वप्रथम बव करण का संयोग बन रहा है। इसके बाद बालव करण का निर्माण हो रहा है। वहीं सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर हस्त नक्षत्र का भी संयोग बन रहा है। जो ये सभी शुभ योग हैं। इन शुभ योग में भगवान शिव और नाग देवता की पूजा करने से जातक को उत्तम फल की प्राप्ति होगी। इस वर्ष पंचांग के अनुसार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 09 अगस्त (8 अगस्त की रात) को देर रात 12 बजकर 36 मिनट पर शुरू हो रही है और 10 अगस्त को देर रात 03 बजकर 14 मिनट पर समाप्त होगी। अतः उदयातिथि के अनुसार इस वर्ष 09 अगस्त को नाग पंचमी मनाई जाएगी। इस दिन पूजा हेतु शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 01 मिनट से लेकर 08 बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगी। इस दौरान साधक स्नान-ध्यान कर महादेव संग नाग देवता की पूजा कर सकते है।

खबरें फटाफट

आरा-रांची एक्स के ठहराव की मांग

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई। इस बैठक में यात्री सुविधा को लेकर चर्चा हुई। बैठक में रेलयात्रियों को हो रही परेशानी को लेकर यात्री शेड का अविलम्ब निर्माण करने, गाड़ी संख्या 18639 व 18640 का ठहराव बिक्रमगंज में करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। गाड़ी संख्या 03617 एवं 03618 आरा भभुआ पैसेंजर ट्रेन का परिचालन वाराणसी जंक्शन से शुरू करने और वाराणसी जंक्शन तक करने की चर्चा हुई। बैठक में स्टेशन प्रबंधक परमेश्वर लाल, स्टेशन परामर्शदात्री समिति के सदस्य राजेश्वर सिंह, अखिलेश पाण्डेय आदि थे।

दहेज के लिए मारपीट कर घर से बाहर निकालने का आरोप

बिक्रमगंज। बहला फुसलाकर पहले पति से छुड़ाया फिर शादी किया और अब दहेज के लिए मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। यह आरोप बिक्रमगंज के श्यामनगर निवासी डिम्पल देवी ने अपने दूसरे पति सिकंदर गुप्ता और ससुराल वालों पर लगाते हुए स्थानीय थाना में लिखित शिकायत की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी में उक्त महिला ने अपने पति नोखा थाना क्षेत्र के निवासी सिकंदर गुप्ता पर आरोप लगाया है कि वह बहला फुसलाकर पहले पति से छुड़वा दिया। चार वर्ष से सिंदूर डालकर श्याम नगर में एक किराए के मकान में पति पत्नी की तरह साथ रहने लगा। करीब चार माह पूर्व बिक्रमगंज अनुमंडल न्यायालय में शादी का शपथपत्र बनाया और अस्कामिनी मंदिर में हिन्दू रीति रिवाज से शादी किया। शादी के एक माह बाद उसका पति दहेज में दो लाख रुपये और बुलेट बाइक की मांग को लेकर प्रताड़ित व मारपीट करने लगा। एक वर्ष पूर्व पहले पति से एक लाख रुपये ऐंठने के लिए व्यवहार न्यायालय में झूठा मुकदमा कराया है। उसने आरोप लगाया है कि जब वह अपने माता पिता के साथ ससुराल गई तो उसका पति ने कहा कि जब तक दहेज नहीं दोगे, इसे घर मे नहीं रखूंगा और पति व ससुराल वालों ने मारपीट कर खदेड़ दिया। हालांकि, पुलिस घटना की जांच कर रही है।

जमुहार एनयूजे के राष्ट्रीय कार्य समिति के उद्घाटन कार्यक्रम में बोले श्रम मंत्री...

पत्रकार के शब्द समाज के लिए मार्गदर्शक

- रोहतास जिले के गोपाल नारायण सिंह, विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ
- कार्यक्रम में एनयूजे, बिहार की ओर से प्रकाशित स्मारिका 'उद्घोष' का किया गया विमोचन

केटी न्यूज/सासाराम

जमुहार नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के राष्ट्रीय कार्य समिति का शनिवार को उद्घाटन करते हुए बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्शन और मार्गदर्शन है। उन्होंने पत्रकारिता के आरंभ का संदर्भ सनातन संस्कृति से देते हुए बताया कि जब हमें पत्रकारीय आदर्श की बात करनी होती है तो हम देव ऋषि नारद की ओर देखते हैं। इसलिए पत्रकार का काम नारद जी की भांति समाज को सजग और सतर्क रखना भी है।

रोहतास जिले के जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में 03 और 04 अगस्त, 2024 को आयोजित इस राष्ट्रीय कार्य समिति में उन्होंने देशभर से आए पत्रकारों को आश्वासन देते हुए कहा कि पत्रकारों के वेतनभत्ते को लागू करने के लिए श्रम संस्थान मंत्री के रूप में उनसे जो भी संभव होगा, वह करेंगे। इस अवसर पर नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स बिहार की ओर से प्रकाशित स्मारिका 'उद्घोष' का विमोचन किया गया।

पत्रकार समाज का पथप्रदर्शक होता है, यह पैसे कमाने का माध्यम नहीं

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज का पथप्रदर्शक होता है, यह पैसे कमाने का माध्यम नहीं होता। उन्होंने पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज देश चौराहे पर खड़ा है, जहां विभिन्न तरीके से देश पर प्रहार हो रहा है। इसको सहने और इसका सामना करने में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका हो सकती है।

अपनी ही संस्कृति और संस्कार को लेकर हीन भावना से ग्रस्त रहते हैं लोग : विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जहां के लोग अपनी ही संस्कृति और संस्कार को लेकर हीन भावना से ग्रस्त रहते हैं। इस नैरेटिव का भेदन करने की क्षमता सिर्फ पत्रकारिता में है, ऐसे में इसका दायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। उन्होंने रामराज की अवधारणा को परिभाषित करते हुए कहा कि जहां हर कोई एक दूसरे की चिंता है, ऐसी भावना हमें पत्रकारिता जगत में भी लानी चाहिए।

एनयूजे के प्रयासों से ही प्रेस काउंसिल स्वरूप में आया

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मलिक ने आपातकाल के दौरान पत्रकारों पर लगाए गए प्रतिबंध और उसे दौरान एनयूजे की जीवटता की चर्चा की। उन्होंने बताया कि एनयूजे के प्रयासों से ही प्रेस काउंसिल स्वरूप में आया। उन्होंने श्रम न्यायालय में पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति और वेज बोर्ड की सिफारिशें लागू करने के लिए त्रिपक्षीय समिति निर्माण की मांग की। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश शर्मा ने एन यू जे का सांगठनिक परिचय दिया और जनसरोकार वाली पत्रकारिता की वकालत की।

राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक की तैयारी से कराया अवगत

नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, बिहार के अध्यक्ष राकेश प्रवीर ने देश के कोने-कोने से आए पत्रकार बंधुओं का अपने संबोधन से स्वागत किया और इस राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक की तैयारी से अवगत कराया। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने इस आयोजन को ज्ञान का अमृत मंथन बताया। धन्यवाद ज्ञापन नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, बिहार के महासचिव कृष्णकांत ओझा ने किया, वहीं मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष ददन पांडेय ने किया। आगंतुक अतिथियों का स्वागत रोहतास जिला इकाई के अध्यक्ष अजीत कुमार, महासचिव विनोद कुमार तिवारी तथा कोषाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने किया। उपाध्यक्ष मनोज सिंह, बलवीर सिंह सिंटू, राजू दुबे, सचिव रजनीकांत पांडे, धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार, मिथिलेश कुमार, अविनाश श्रीवास्तव, रंजन कुमार, टीपू सुल्तान, अमित कुमार, शकील, मनजीत कुमार सिंह, प्रीतम कुमार, अश्वनी पांडे, रविकांत सोनी, शशि कुमार, रंजित पाठक के अलावे कई पत्रकार उपस्थित हुए।

लगातार बारिश के कारण कई घंटों तक सासाराम में बिजली हुई गुल

केटी न्यूज/सासाराम

तेज हवा के साथ हुई लगातार बारिश ने शनिवार को शहर की लचर बिजली व्यवस्था को जोर का झटका दिया। स्थिति यह हुई कि एक के बाद एक सभी 33 केवी हाईटेंशन लाइन में ब्रेकडाउन हो गया और लगभग पूरे शहर की बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई। बारिश के कारण मरम्मत का काम लेट से हुआ। लेकिन मरम्मत के बाद भी शाम पांच बजे तक विद्युत आपूर्ति सही नहीं हो पायी। कहीं तार में तार सटकर शार्ट लग रहा था तो कहीं पेड़ की टहनियां सर्किट से सटकर खराबी ला दे रही थीं। बिजली के लिए इस जद्दोजहद में शहरवासी पानी तक के लिए त्राहिमाम रहे। शिकायतें इतनी आने लगीं कि बिजली कॉल सेंटर का नंबर बंद कर दिया गया।

बता दें की मानसून की बिजली कंपनी हर साल तैयारी करती है इस साल भी की गई, लेकिन तैयारी कैसी रही यह सामने आ गया। 33 हजार वोल्ट के हाईटेंशसन लाइन के आलावा 11 हजार वोल्ट आपूर्ति वाले तार में भी कई जगह खराबी हो गई थी। फजलगंज, काली स्थान, सिविल लाइन, हरे कृष्णा कॉलनी इलाके में विद्युत आपूर्ति में दिक्कत का कारण 11 हजार वोल्ट के तार व पीएसएस में आयी खराबी को बताया गया। खराबी को दूर कर जैसे ही लाइन शुरू की जाती कुछ ही देर में खराबी दोबारा हो जाती। ऐसे ही कारण से करीब साढ़े तीन बजे ठीक हुई मिनी फीडर में लाइन की आपूर्ति बंद करनी पड़ी। तकिया फीडर में भी सुबह से ही विद्युत आपूर्ति खराब हो गई थी। 33 हजार वोल्ट के हाई टेंशन लाइन व 11 हजार आपूर्ति लाइन में आयी खराबी के कारण घंटो विद्युत आपूर्ति बाधित रही। मेन लाइन में भी विद्युत की आपूर्ति 33 हजार में वोल्ट में खराब के कारण बंद रही। ऐसे में धर्मशाला, बौलिया रोड, माइक्रो आदि इलाके में आपूर्ति ठप रही। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता ने कहा कि हवा तेज के कारण कई जगहों पर खराबी आयी थी। पूरी टीम को उतारा गया। कोशिश की गई लोगों को जल्द से जल्द बिजली दी जाए।

भूमि दखल न कराने के आरोप में सीओ व एसडीएम पर परिवाद दायर

- सीओ ने भी वादी समेत तीन पर सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में दर्ज कराई है प्राथमिकी

केटी न्यूज/केसठ

जमीनी विवाद में भूमि सुधार उपसमाहर्ता के आदेशों का अनुपालन न करने के आरोप में रघुनाथपुर के सत्येंद्र कुमार दुबे ने एसडीएम राकेश कुमार और केसठ सीओ अभिषेक गर्ग पर कोर्ट में परिवाद दायर कराया है। हालांकि इस मामले में सीओ ने भी वादी समेत तीन पर नावानगर थाने में रंगदारी और मारपीट के अलावे सरकारी काम में बाधा डालने का हवाला देते हुए प्राथमिकी अंकित कराई हैं। मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। दिए गए आवेदन में वादी सत्येंद्र कुमार दुबे ने बताया है कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों का कब्जा था। इसके लिए उसने कई दफा सीओ से गुहार लगाई। सीओ ने कागज और वरीय पदाधिकारियों के आदेशों के आधार पर कब्जा हटाने का जिम्मा तो ले लिया लेकिन टालमटोल और आनाकानी करते रहे। पीड़ित के आरोपों के अनुसार बाद में सीओ ने उससे सिस्टम में आने की बात कही।

मामला केसठ मौजा के खाता नंबर 849 के खेसरा नंबर 1289, 1291, 1190 और 1191 से जुड़ा हुआ है। वादी ने इन्हीं प्लॉट में एक एकड़ के लगभग की जमीन को शांतिपूर्ण कब्जा दिलाने के लिए भूमि सुधार उपसमाहर्ता कार्यालय में 96/2023-23 दाखिल कराया, जिसमें दिनांक 22 अप्रैल को डीसीएलआर ने वादी के पक्ष में अंतिम आदेश पारित करते हुए केसठ सीओ को निर्देशित किया कि नावानगर थाना की पुलिस के सहयोग से उक्त वर्णित भूमि पर प्रार्थी का कब्जा कराया जाए। वादी ने यह आरोप लगाया कि डीसीएलआर के आदेश के बावजूद सीओ द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया जिसके पश्चात वादी ने लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के समक्ष 25 जून को वाद दाखिल कराया, जिसमें वाद की तिथि 8 जुलाई को सुनिश्चित की गई।

वादी ने दिए गए आवेदन में बताया कि बीच बीच में उसने एसडीएम डुमरांव से भी यह अपील किया कि डीसीएलआर द्वारा जो आदेश सीओ को दिया गया है उसके आलोक में कारवाई की जाए लेकिन एसडीएम द्वारा भी इस मामले में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई गई जिसके बाद वादी ने डीएम अंशुल अग्रवाल और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यालय तक भी इस मामले की स्पीड पोस्ट के माध्यम से जानकारी भेजी। वादी ने बताया कि इसी बीच सीओ द्वारा डीसीएलआर के निर्देश के आलोक में उसे सूचना दी गई कि पहले तो 24 जुलाई और बाद में 26 जुलाई को वादी की जमीन का दखल कराया जाएगा लेकिन दोनों दिन सीओ और थाने के कर्मियों द्वारा दखल कराने की जमीन पर नहीं पहुंचा गया, जबकि वादी दोनों दिन इंतजार करता रहा।

बक्सर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री का भाजपा कार्यककताओं ने किया जोरदार स्वागत, जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न

बक्सर के सभी गंगा घाटों का कराउंगा सौंदर्यीकरण: राजभूषण

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के सभी गंगा घाटों का सौंदर्यीकरण कराउंगा। इसके लिए यहा से लोकसभा प्रत्याशी रहे मिथिलेश तिवारी धन्यवाद के पात्र है, जिन्होंने बक्सर के लिए विकास के लिए मुझसे कई बार गुहार लगाई तथा बक्सर आने का न्योता भी दिया। उक्त बाते केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण निषाद ने शनिवार को बक्सर में कही। वे बक्सर में आयोजित भाजपा के जिला कार्यसमित तथा गंगा आरती में शामिल होने आए थे। इसके पहले बक्सर पहुंचने पर कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

नगर भवन में आयोजित जिला कार्यसमिति में मुख्य अतिथि के रुप में राजभूषण निषाद केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री के अलावे विशिष्ट अतिथि हरि सहनी अति पिछला कल्याण मंत्री, जीवन कुमार एमएलसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र गया, हरेन्द पाण्डेय, सांसद प्रत्याशी मिथलेश तिवारी, भाजपा के प्रदेश महासचिव राजेश वर्मा आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरूआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सबसे पहले स्वागत भाषण में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने कार्यसमिति में आऐ हुए कार्यकताओं और नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में बहुत कम वोटों के मार्जिन से चुनाव हार गए लेकिन हताश होने की जरुरत नहीं है।आने वाले विधानसभा चुनाव में हम सभी कार्यकर्ता फिर से एक बार पूरे जोश के साथ लगेगें और भाजपा का परचम लहराऐंगे।

एमएलसी जीवन कुमार ने कहा कि मैं सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने बक्सर के विकास के लिए बहुत बड़ा बजट दिया है। आने वाले दिनों में बक्सर का विकास दिखेगा। अति पिछड़ा कल्याण मंत्री हरि साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि देश देश है। इसमे जात पात तथा मजहब के नाम पर वोट न कर राष्ट्र के नाम पर वोट करें ताकि एक स्वच्छ एवं संपूर्ण राष्ट्र का निर्माण हो सके। हमें केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को घर घर पहुंचाने का कार्य करना है ना कि घर घर जा कर जात पूछना है। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मेरे पास जो भी है वो बक्सर में खपा के जाऊंगा, यहां से कुछ ले नही जाऊंगा। बक्सर में कुछ लोग अफवाह फैला रहें हैं। मैं उन लोगों को खुले मन से चेतावनी देना चाहता हूं। इस तरह का अफवाह न फैलाएं। मैं बक्सर से सांसद का चुनाव लड़ चुका हूं, मैं विधानसभा चुनाव नहीं लडूंगा। कार्यक्रम के समापन भाषण पूनम रविदास जिला महामंत्री ने किया। मौके पर संतोष पटेल जिला प्रभारी बक्सर, राजेश वर्मा, प्रदेश महामंत्री, प्रदीप दुबे, मनोज कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा, संतोष रंजन, रामकुमार सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाइव रिपोर्ट : प्राथमिक विद्यालय खजूरगांव 8.15 बजे मेन गेट पर लटक रहा था ताला

केटी न्यूज / गाजीपुर

शिक्षा क्षेत्र मरदह में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक बेसिक शिक्षा विभाग के अरमानों पर पानी फेर रहे हैं। वर्तमान बीईओ द्वारा कराए गए सभी उपलब्धियों व कार्यो को भी धूमिल करते हुए पलिता लगा रहे हैं। शिक्षकों के अंदर सुधार नाम की कोई झलक भी देखने को नहीं मिल रही है। चाहे लाख कोशिशें, कवायदें कर लें सरकार व संबंधित विभाग, उसके बाद भी ब्लाक के शिक्षकों में कहीं कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है।शासन के दिशा निदेर्शों को मिट्टी पलीत करते हुए उच्चधिकारियों की आंखों में धूल झोंकते नजर आ रहे हैं। खंड शिक्षाधिकारी मरदह हर पल शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की

♦ चाहे लाख कोशिशें, कवायदें कर लें सरकार व संबंधित विभाग, लेकिन ब्लाक के शिक्षकों में नहीं आई कोई बदलाव

बात कहते हैं। जबकि शिक्षक व कर्मचारी विभागीय दिशा निदेर्शों को धरातल पर पहुंचाने के जतन व प्रयास में लगे हैं। ऐसे शिक्षक शिक्षा व्यवस्था को बेपटरी करते हुए हैं समय का ध्यान नहीं रखते। आज जब पत्रकारों की टीम सुबह प्राथमिक विद्यालय खजूरगांव 8.15 बजे पहुंची तो मेन गेट पर ताला लटकता मिला। गेट पर बैंग टांगकर कक्षा एक का छात्र अभिनव अपने गुरूजनों का

इंतजार करता मिला। 8.20 बजे प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रधान चौहान पहुंचे। उन्होंने गेट का ताला खोलकर अंदर प्रवेश किया। 8.25 बजे पर सहायक अध्यापिका रेखा श्रीवास्तव पहुंची। 8.30 बजे प्रियंका चौहान, 8.35 बजे चंदा चौहान, 8.40 बजे प्रार्थना शुरू हुआ। नौ बजे क्लास की प्रक्रिया शुरू की गई।

अब सवाल यह है कि इस विद्यालय पर चार जिम्मेदार अध्यापक की तैनाती के बाद भी यह स्थिति है, तो यहां पर पंजीकृत 54 छात्र छात्राओं के पठन-पाठन की स्थिति को समझा जा सकता है। बिना किसी आक्समिक कारण के ही इन सभी अध्यापकों का यह दिनचर्या बना हुआ है। समय से विद्यालय नही पहुंचना और समय से पहले ही विद्यालय बंद कर रफ्फूचक्कर हो जाना। अगल-बगल व गांव के लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया की विद्यालय पर तैनात सभी शिक्षक कभी भी समय से विद्यालय नहीं पहुचते और तो और इनके रसूखदारी के चलते इनके उपर कभी कोई कारवाई नहीं होती। कुछ अभिभावक ने बताया कि विभाग द्वारा चेंकिग की जाती है, लेकिन कोई कारवाई नहीं होने से इनके हौसले बुलंद है। विद्यालय में चारों तरफ गंदगी का अम्बार पसरा हुआ है, जो संचारी रोग अभियान को भी चोट पहुंचा रहा है। छात्र-छात्राओं को पूरे छः दिनों में दिए जाने वाले भोजन भी मनमाने ढंग से परोसा जा रहा, जो की सभी दिनों अलग-अलग खिलाने का मेन्यू निर्धारित है। विभागीय जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में सुबह 7.30 बजे विद्यालय का ताला खुल जाना चाहिए। 8.15 बजे से क्लास शुरू हो जाना चाहिए। दोपहर दो बजे बच्चों की छुट्टी के बाद सभी अध्यापकों को 2.30 बजे तक उपस्थित रहना है। परन्तु ऐसा इस विद्यालय सहित प्रतिदिन दर्जनों विद्यालय समय से नहीं खुलते, नही अध्यापक आते हैं।सैकड़ों विद्यालय के अध्यापक घड़ी की सुई देखते-देखते दोपहर दो बजे तक किसी भी हालत में रफ्फूचक्कर हो जाते हैं।

इस सबंध में खंड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार यादव ने बताया कि मामला बहुत गंभीर है ऐसी लापरवाही क्षम्य नहीं, खबर की पुष्टि होने पर होगी कड़ी विभागीय कार्रवाई।

एक नजर

मरम्मत के दौरान छह फीडरों की विद्युत आपूर्ति बंद, 35 गांवों में अंधेरा

गाजीपुर। जमानियां विद्युत वितरण खंड चतुर्थ के तहत आने वाला 33/11 ताड़ीघाट विद्युत उपकेंद्र शनिवार को करीब 50 लाख की लागत से विभिन्न तरह के कायाकल्प (मेंटिनेंश) का कार्य शुरू हो गया है। इसके चलते इलाके के सभी छह फीडरों के अंतर्गत आने वाले करीब 35 गावों की विद्युत आपूर्ति काट दी गई है। ताकि मरम्मत के दौरान किसी तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। विद्युत विभाग के अनुसार मरम्मत कार्य के समाप्त होने के बाद ही आपूर्ति देर शाम को बहाल की जाएगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों के मुताबिक चल रहे इस मेटिंनेश के दौरान पूरे कंट्रोल रूम की वायरिंग, दो नये पैनल, ट्राली जबकि स्वीच यार्ड में ब्रेकर यूनिट, सीटी, पीटी? आदि लगाया जाना प्रस्तावित है। इसके लग जाने के बाद विद्युत आपूर्ति सुचारु तरीके से शुरू कर दी जाएगी। अवर अभियंता आशीष कुमार ने बताया कि इस विद्युत सब स्टेशन में नये मशीनें लगाने का काम शुरू किया गया है,बताया कि उम्मीद है कि शाम तक इसे पूरा कर लिया जाएगा,जिसके बाद आपूर्ति चालू कर दी जाएगी, मशीनों के लग जाने से पहले से बेहतर तरीके से बिजली लोगों को मिलेगी।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, दो महिला समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गाजीपुर। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के कल्यानपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत गौरी का पुरा गांव में एक विवाहिता मंती देवी-22 पत्नी अनिल यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिसके चलते घर में रुदन-क्रंदन शुरू हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है।विवाहिता की मौत के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना के मामले में मृत विवाहिता मंती देवी के पिता हरखन यादव निवासी भक्सी थाना दिलदारनगर ने दो जेठ एवं उनकी पत्नियों के खिलाफ घरेलू विवाद को लेकर अपनी पुत्री को जान से मार डालने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। इसके आधार पर पुलिस मे चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की जानकारी होते ही उक्त चारों आरोपी घर छोडकर फरार हो गए हैं। इनकी तलाश में पुलिस उनके हर सम्भावित ठिकानों पर छापेमारी कर उन्हें दबोचने के प्रयास में जुटी है। मगर अभी तक आरोपितों को दबोच पाने में पुलिस विफल है। मृत विवाहिता के पिता हरखन यादव ने बताया आज से करीब चार साल पहले उसकी पुत्री मंती की शादी रेवतीपुर थाना क्षेत्र के कल्यानपुर गांव के गौरी का पुरा में हुई थी। बताया कि उसके शादी के बाद से ही दो जेठ व दोनों की पत्नियां घरेलू विवाद को लेकर मारपीट करती थीं। बताया कि उनकी पुत्री की मौत की सूचना ससुराल वालों (आरोपितों) ने दिया। बताया कि आरोपितों ने उन्हें बताया कि उनकी पुत्री की तबीयत खराब है। जिसे अस्पताल ले गए, जहां उसे डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।पिता ने बताया कि जब वह आज शनिवार को पहुंचे तो देखा कि उनकी पुत्री का शव मर्चरी हाउस में रखा था। थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद ने बताया कि पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर मृत विवाहिता के दो जेठ और उनकी पत्नियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन करने के साथ ही शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेंज दिया गया है। बताया कि मौत कैसे हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

जखनियां निबंधन कार्यालय में धमके सहायक महानिरीक्षक निबंधक,दिया निर्देश

गाजीपुर। जखनियां निबंधन कार्यालय में सहायक महा निरीक्षक निबंधन प्रेम प्रकाश ने वार्षिक मूल्यांकन व निरीक्षण किया। इस दौरान सहायक महा निरीक्षक निबंधन ने कई फाइलों को चेक किया। कार्यालयों की बारी-बारी से जांच पड़ताल की गई। प्रेम प्रकाश ने कहा कि जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश में वार्षिक मूल्यांकन सूची सर्वे मांगी गई है। जिसमें उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, रजिस्टार का वार्षिक मूल्यांकन सूची का निरिक्षण कार्य चल रहा है। इस विचारों प्रांत अगस्त माह में वार्षिक मूल्यांकन सूची लागू होगी। जिसमें 10 से 20% वृद्धि प्रस्तावित होने की संभावना है। इस मौके पर वरिष्ठ लिपिक अशोक लाल श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पौराणिक पवित्र पावन सिद्धपीठ महाहर धाम को पर्यटक स्थल बनाने की मांग

गाजीपुर। ऐतिहासिक पौराणिक पवित्र पावन सिद्धपीठ महाहर धाम को पर्यटक स्थल के रूप में क्षेत्र के विकास स्वरूप सुन्दरीकरण करने हेतू पत्रक भाजपा नेता कुंवर रमेश सिंह पप्पू लखनऊ में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री जयवीर सिंह को दिया। साथ ही अवगत कराया गया कि जनपद जहां एक ओर महाराज गाधि- जन्मभूमि, महर्षि विश्वामित्र की तपस्थली एवं पतित पावनी गंगा के दक्षिणी तट पर महर्षि जमदग्नि एवं उनके महान पराक्रमी यशोमूर्ति सुपुत्र परशुराम की तपस्थली के लिए विख्यात है। गाधिपुरी के उत्तरी छोर पर परगना पचोतर के अन्तर्गत सिद्धपीठ महाहर धाम नामक स्थान है, जहां अयोध्या नरेश चक्रवती सम्राट महाराज दशरथ के द्वारा स्थापित प्राचीन शिव मंदिर एवं उन्हीं के द्वारा निर्मित सरोवर एवं झीलों के लिए विख्यात है। जनश्रुति के अनुसार यह स्थान अयोध्या नरेश महाराज दशरथ के विस्तारित साम्राज्य जहां महाराज का प्रायः आगमन हुआ करता था। रक्षा एवं शिव पूजन की दृष्टि से निवास के लिए एक विशाल महल का भी निर्माण किया गया था। आज भी यहां चार फीट मोटी दीवार जगह-जगह है। विशाल जनमानस की भावनाओं का आदर करते हुए ऐतिहासिक पौराणिक पवित्र पावन सिद्धपीठ महाहर धाम को पर्यटक स्थल के रूप में क्षेत्र के विकास स्वरूप सुन्दरीकरण कराने की मांग किया, जहां लाखों शिव भक्तों की आस्था को और बल मिलेगा। महाहर धाम परिसर के चहुंमुखी विकास से ग्रामीण में रोजगार के अवसर पर मिलेंगे।

लेखपाल पर भ्रष्टाचार का आरोप ,परिवार समेत ग्राम पंचायत सचिवालय पर दिया धरना

गाजीपुर। मरदह ब्लाक के रानीपुर ग्राम पंचायत सचिवालय पर गाँव निवासी लल्लन राम ने गांव के लेखपाल के भ्रष्टाचार के खिलाफ पत्नी एवं बच्चो के साथ बैठक कर धरना दिया । चेतावनी दी कि उसकी समस्या का समाधान एवं आरोपी लेखपाल पर कार्रवाई नहीं की गई तो जिला मुख्यालय पर पुनः परिवार सहित धरने पर बैठेंगे। आरोप लगाया कि उसके गाँव मे तैनात लेखपाल वकील बिन्द ने उसके विपक्षी से मिलीभगत कर उसके विपक्षी से मिलीभगत कर सरकारी बंजर की जमीन कब्जा कर लिया है एवं कुआ भी पाट डाला है । इस संदर्भ में उन्होंने ग्राम प्रधान सहित थाना दिवस,तहसील दिवस एवं जिलाधिकारी को कई बार प्रार्थना पत्र देने पर कोई कार्यवाही तो नही की गयी उल्टे लेखपाल द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करने का 75 हजार रुपये जुमार्ना की नोटिस लल्लन राम को भेजवा दिया है। लेखपाल की सह पर गांव के दबंगो ने उसका रास्ता भी बाधित कर दिया है । इस अवसर पर लल्लन राम के साथ उनकी पत्नी निर्मला देवी पुत्र साहिल पुत्री रेखा,सुलेखा धरने पर बैठी रही। गाँव के अमर राम,सुभाष कुशवाहा,अखिलेश सिंह,सरवन कुमार ,ओमनारायण सिंह,चतुरी, प्रेमचन्द्र,वीरेन्द्र, लक्ष्मी वनवासी सहित काफी तादात में ग्रामीण मौके पर उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

गो-वंशीय पशु फसलों को पहुंचा रहे नुकसान

मऊ। गो- वंशीय पशु सनातन संस्कृति में सदैव से ही पूजनीय रहे हैं । कुछ दशक पूर्व तक इन्हें देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का मेरुदंड तक माना जाता रहा , लेकिन हम मनुष्यों की स्वार्थपरता और कृषि कार्यों में अत्याधुनिक उपकरणों के वर्चस्व ने एक तरह से इन पशुओं की उपयोगिता पर ही सवालिया निशान खड़े कर दिए` तभी तो आज देश में गो- वंशीय पशु जितना उपेक्षित , शोषित और प्रताड़ित है , उसकी मिसाल दुनिया के किसी और देश में शायद ही मिले` हालांकि इन निरीह पशुओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाले अधिकांश लोग उसी समुदाय से संबंधित हैं जो इनके प्रति दयालु व श्रद्धालु होने का दम भरते हैं` बहरहाल परित्यक्त गो- वंशीय पशुओं के रख- रखाव को लेकर सरकारी कोशिशें काफी हद तक कारगर साबित हुई हैं। लेकिन क्षेत्र मे हालिया दौर में इन पशुओं का एक अंतराल के बाद फिर से खेतों और सड़कों पर विचरते हुए नजर आना व्यवस्थागत खामियों की ओर इशारा करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है` हालांकि कुछ सचेष्ट नागरिकों के अनुसार, यदि पशुपालकों का रवैया समावेशी व सामंजस्यपूर्ण होता तो नतीजे शत- प्रतिशत राहत प्रदान करने वाले होते।

रोजगार मेले का आयोजन 6 को

मऊ । जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय मऊ, के द्वारा दिनांक-06.08.2024 को प्रातः 10:30 बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में सेवायोजित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय मऊ (राजकीय आई०टी०आई० कैम्पस सहादतपुरा मऊ) में किया जायेगा। योग्यता के अनुरूप चयन की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी एवं प्री प्लेसमेंट कैरियर काउन्सिलिंग भी किया जायेगा। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल अपनी आई०डी० एवं पासवर्ड बनाते हुए अभ्यर्थी अपना पंजीयन पूर्ण करेंगे। सभी प्रतिभागी अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अवलेश सिंह का जनपद में हुआ भव्य स्वागत

भारतीय जनता पार्टी का 2027 में प्रदेश से करना है सूपड़ा साफः अवलेश सिंह

♦ भृगु नगरी में गूंजा अवलेश सिंह जिंदाबाद के नारे, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा

केटी न्यूज/बलिया

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले माह अवलेश कुमार सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाया था। राष्ट्रीय सचिव बनाये जाने के बाद शनिवार को अवलेश सिंह का बलिया में प्रथम आगमन हुआ। इसके पूर्व अवलेश सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने के लिए सपा कार्यालय लखनऊ पहुंचे थे। इसके बाद अवलेश कुमार सिंह लखनऊ से बलिया पहुंचे। सर्वप्रथम उनका स्वागत पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जहूराबाद में महेन्द्र चौहान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने किया। वहीं, हैदरिया में सैकड़ों कार्यकताओं ने पूरे गर्मजोशी के साथ राष्ट्रीय सचिव अवलेश कुमार सिंह का स्वागत किया।

कोटवा नारायणपुर में स्वागत के बाद अवलेश सिंह ने मंगला भवानी का दर्शन-पूजन किया।

बदला- बदला सा नजर आया सपा कार्यालय

सपा कार्यालय अब नये लूक में दिखायी दे रहा है। कार्यालय को बेहतर एवं सुंदर बना दिया गया है। इसकी चर्चा होती रही। नये लूक में दिख रहे सपा कार्यालय पर पहुंचे राष्ट्रीय सचिव अवलेश कुमार सिंह ने जिलाध्यक्ष एवं विधायक संग्राम सिंह यादव को बधाई दी। वहीं, पूर्व मंत्रियों ने भी कार्यालय के सुंदरीकरण पर प्रशंसा व्यक्त की।

राष्ट्रीय सचिव पहुंचे सपा कार्यालय

भरौली में कुबेर तिवारी के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। लक्ष्मणपुर में जिला पंचायत सदस्य वीरलाल यादव ने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ राष्ट्रीय सचिव का स्वागत किया। इसके बाद नरहीं, चितबड़ागांव होते हुए उनका काफिला फेफना पहुंचा, जहां पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी के समर्थकों ने उनका स्वागत किया। फिर उनका काफिला कपूरी स्थित मां कपिलेश्वरी भवानी मंदिर पर पहुंचा, जहां सपा कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पूजन अर्चन करने के बाद अवलेश कुमार सिंह सागरपाली, नसीराबाद होते हुए माल्देपुर पहुंचे, जहां अजय राय मुन्ना ने अपने समर्थकों के साथ उनका स्वागत किया। बहेरी एवं चितू पांडेय चौराहा पर स्वागत के बाद राष्ट्रीय सचिव अवलेश कुमार सिंह सीधे सपा कार्यालय पहुंचे। यहां उनके ऊपर फूलों की वर्षा की गई और सपा कार्यालय में उनका जोरदार स्वागत हुआ।

ये-ये लोग रहे स्वागत में

स्वागत में पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी, रामगोविन्द चौधरी, विधायक एवं जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह यादव, विधायक मो. रिजवी, पूर्व चेयरमैन लक्ष्मण गुप्त, वीरबल राम, शशिकांत चतुवेर्दी, नीरज सिंह गुड्डू, डा् सोएबुल इस्लाम, ब्लाक प्रमुख आदित्य गर्ग, मदन वर्मा, जलालुद्दीन, सुबाष यादव आदि मौजूद रहे।

स्वागत से अभिभूत सपा के राष्ट्रीय अवलेश सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी हैं। जिसमें सभी वर्ग, सभी धर्म के लोगों का सम्मान है। यहां पद काबिलियत देखकर दिया जाता है। सरनेम देखकर नहीं है। बताया कि समाजवादी पार्टी के सिपाहियों ने जिस जोशखरोस के साथ मेरा स्वागत किया, इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा। बताया कि कार्यकर्ता के सम्मान में कभी कोई कमी नहीं आने दूंगा। पार्टी के कार्यकर्ता कभी भी किसी भी वक्त मुझे याद करें। मैं सदेव उनके लिए तत्पर रहूंगा। बताया कि हम लोगों को अभी से जुट जाना चाहिए। ताकि हम लोग 2027 के चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ कर दें।

अवलेश के आगमन पर दिखा कार्याकर्त्ताओं में जोश

सपा के राष्ट्रीय सचिव अवलेश कुमार सिंह के बलिया आगमन पर सपाईयों में काफी जोश दिखा। राष्ट्रीय सचिव को बधाई देने का दौर सुबह से लेकर रात तक चलता रहा। चर्चा यह होती रही कि अवलेश कुमार सिंह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबियों में गिने जा रहे है।

अखिलेश एवं अवलेश के बीच हुई गुफ्तगु

सपा के राष्ट्रीय सचिव अवलेश कुमार सिंह की राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से लखनऊ में क्या बातचीत हुई? यह तो पता नहीं, लेकिन चर्चा यह होती रही कि सपा से क्षत्रियों को जोड़ने के लिए अवलेश कुमार सिंह राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलकर जैसे ही अवलेश कुमार सिंह बाहर निकले, लोग फूल-माला लेकर उनकी तरफ दौड़ पड़े। घोसी के विधायक सुधाकर सिंह ने भी राष्ट्रीय सचिव अवलेश कुमार सिंह को बधाई दी।

हौसला बनाएं रखिए, 2027 में यूपी समाजवादियों का होगाः रामगोविंद

♦ सपा कार्यालय पर धूमधाम से मनाया गया संविधान मान स्तंभ

केटी न्यूज / बलिया

समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शनिवार को संविधान मान स्तंभ की स्थापना धूमधाम से मनाया गया। करीब पांच फीट के इस स्तंभ को बनाने में लकड़ी और शीशे का बेहतरीन इस्तेमाल हुआ हैं। जिसके ऊपर संविधान की पुस्तक रखी हुई है। कार्यकताओं से भरे सभा हाल में संविधान मान स्तंभ की स्थापना के मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने जैसे ही स्तंभ से पर्दा हटाया, वैसे ही पूरा हाल तालियों और बाबा साहब अमर रहे के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर रामगोविन्द चौधरी ने कहा कि आज पूरा देश समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के तरफ बड़ी उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा हैं। देश के राजनीति में आज समाजवादी पार्टी की मजबूत उपस्थिति हैं। इसके पीछे हमारी पार्टी के बूथ का बहादुर कार्यकर्ता हैं जो हर परिस्थिति में लड़ कर पार्टी को इतनी ताकतवर बनाया हैं। साथियों यही हौसला बनाएं रखिए 2027 में उत्तर प्रदेश समाजवादियों का होगा। आज जो केंद्र में बैसाखी वाली सरकार हैं संविधान के पवित्रता से खिलवाड़ करने वालो की हैं। उत्तर प्रदेश में दमनकारी प्रवृति का नेतृत्वकर्ता सत्ता के शीर्ष पर बैठे हैं। जिनका लोकतन्त्र और संविधान में विश्वास ही नहीं हैं। बुलडोजर और बुलेट में विश्वास हैं। जिसे उखाड़ फेंकने हेतु आज स्थापित स्तंभ के प्रति हमारा विश्वास और समर्पण ही काम आयेगा। फेफना विधायक व जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह यादव ने कहा कि पार्टी के कार्यकताओं के स्नेह और विश्वास से ही कोई कार्य संभव हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बलिया मेरे दिल मे हैं। बलिया के लोगों ने लोकसभा चुनाव में अपार समर्थन दिया हैं। जिसके लिए पूरी समाजवादी पार्टी आभारी हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव मनोनित होने के बाद पहली बार जिले में आगमन पर अवलेश सिंह का भी स्वागत जिला कार्यालय पर किया गया।

बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस के कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

केटी न्यूज बलिया

प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उमाशंकर पाठक अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बलिया के नेतृत्व में अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ शनिवार को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी बलिया के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देते हुए जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने कहा कि आज बिजली कटौती से किसानों के लिए नहरों में पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिससे धान की फसल बर्बाद हो रही है। किसानों की कमर टूट रही है। छात्रों को पढ़ने के लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है। पाठक ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि आप तत्काल बिजली विभाग को निर्देश देने का कष्ट करें। जिससे बिजली की आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू हो सके और किसानों को नहरों में पानी मिल सके। प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने कहा कि आज बिजली कटौती से आम जनमानस त्रस्त है। अगर इसी तरह आम जनमानस विद्युत कटौती से परेशान रही तो भविष्य में कांग्रेस पार्टी इससे भी बड़ा प्रदर्शन करेगा।

महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में हुआ आयोजित

स्वयं और दुनिया के साथ सामंजस्य बनाये रखने का विज्ञान' है योग: कर्ण बहादुर सिंह

♦ योगाभ्यास शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़कर हमारे दृष्टिकोण व व्यवहार को सकारात्मक बनाता है

केटी न्यूज / गाजीपुर

पीजी कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबंध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में

सम्पन्न हुई। जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

उक्त संगोष्ठी मे विज्ञान संकाय के शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विषय के शोधार्थी कर्ण बहादुर सिंह ने अपने शोध शीर्षक विभिन्न योगिक क्रियाओं का जीवन शैली पर प्रभाव नामक विषय पर शोध प्रबंध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि विभिन्न योगिक क्रियाओं का मानव जीवन शैली पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सामान्यतः योग 'स्वयं और दुनिया के साथ सामंजस्य बनाए रखने का विज्ञान' है। यह न केवल मानव शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए है, बल्कि मन और आत्मा को भी सक्रिय बनाए रखने में मदद करता है।

योगाभ्यास शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़कर हमारे दृष्टिकोण, व्यवहार को सकारात्मक रूप से बदलकर खुशी, शांति, संतुष्ठी और आनंदपूर्ण रहने के लिए सक्षम बनाता है। इसकी प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थी कर्ण बहादुर सिंह ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति चेयरमैन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया।

इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफे० (डॉ०) जी० सिंह , मुख्य नियंता प्रोफेसर (डॉ०) एस० डी० सिंह परिहार, शोध निर्देशक डॉ० अनुराग सिंह एवं शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० लवजी सिंह, डॉ० ओमदेव सिंह गौतम , प्रोफे०(डॉ०) अरुण कुमार यादव, डॉ० रामदुलारे, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० अमरजीत सिंह, डॉ० प्रोफे० (डॉ०) सत्येंद्र नाथ सिंह, डॉ० योगेश कुमार, डॉ०शिवशंकर यादव, डॉ. मनोज कुमार मिश्र, प्रोफे० (डॉ०) सुनील कुमार, डॉ० संजय श्रीवास्तव एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र छात्रएं आदि उपस्थित रहे। अंत में अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफे० (डॉ०) जी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बिजली विभाग की घोर अनियमितता से उपभोक्ता परेशान, कांग्रेस ने किया जोरदार प्रदर्शन

केटी न्यूज/ गाजीपुर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी गाजीपुर के तत्वावधान में कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं तथा वरिष्ठ नेताओं ने लाल दरवाजा स्थित बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता के ऑफिस के सामने धरना- प्रदर्शन किया एवं राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलधिकारी के माध्यम से बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता को दिया गया। धरने में कार्यकताओं ने कहा कि बिजली विभाग बेलगाम हो गया है। उपभोक्ता परेशान हैं।बिजली का तार जर्जर है। बिजली बिल की अनियमितता से उपभोक्ताओं से वसूली की जा रही है। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी का एकदीसीय धरना - प्रदर्शन किया गया।

धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि बिजली विभाग की घोर अनियमितता से उपभोक्ता परेशान और बेहाल स्मार्ट मीटर के नाम पर बिल का ज्यादा आना, तार जर्जर होना , अनियमित बिजली बिल आना, जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने में महीनो दिन लग जा रहे हैं। इस तरह के गंभीर

मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी धरना प्रदर्शन की है, अगर आम जनमानस का समस्या का समाधान नहीं हुआ तो लड़ाई और बृहद होगी। भारतीय जनता पार्टी उपभोक्ताओं को अपने जाल में फंसा कर बिजली विभाग द्वारा अनैतिक वसूली कर रही है हम इसका घोर निंदा करते हैं और भविष्य में यह लड़ाई और तेज की जाएगी।

पूर्व विधायक पशुपतिनाथ राय ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मचारी बेलगाम हो गए हैं उपभोक्ताओं को परेशान करते हुए उन पर अतिरिक्त दबाव बनाने का काम कर रहे हैं जिसको कांग्रेस पार्टी सहन नहीं करेगी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मारकंडेय सिंह एवं रविकांत राय ने संयुक्त रूप से कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित की लड़ाई लड़ रही है और बिजली विभाग के द्वारा शोषण हो रहे उपभोक्ताओं के लिए आंदोलन का ऐलान करती है कि यदि बिजली विभाग में सुधार नहीं आया तो बड़ा आंदोलन कांग्रेस पार्टी करने के लिए बाध्य होगी।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी डॉ जनक कुशवाहा के अलावा बटुक नारायण मिश्रा, अजय कुमार सिंह लाल साहब यादव चन्द्रिका सिंह राजीव कुमार सिंह राजेश गुप्ता ज्ञान प्रकाश सिंह राम नगीना पांडे देवेंद्र सिंह आशुतोष श्रीवास्तव मोहम्मद राशिद सुमेर कुशवाहा सतीश उपाध्याय विद्याधर पांडेय आलोक यादव आशुतोष गुप्ता गयासुद्दीन अंसारी विनोद सिंह जफरुल्लाह अंसारी बृजेश कुमार सती राम सिंह सुदामा यादव महेश राम अच्छेलाल कनौजिया महेंद्र पांडे टयसुम अंसारी अरविंद मिश्रा ओमप्रकाश राजभर लखन श्रीवास्तव संजय सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

भाजपा नेता की बेटी के अपहरण की कहानी झूठी, छात्रा नाराज होकर चली गयी थी : एसपी

जौनपुर। भाजपा नेता की पुत्री का स्कार्पियो सवार नकाबपोश बदमाशों ने अपहरण कर लिया । भाजपा के दलित नेता की 13 साल की बेटी शुक्रवार को घर से सुबह साइकिल से स्कूल जा रही थी उसी समय रास्ते में उसे रोक कर बदमाशों ने जबरन स्कॉर्पियो में बैठाकर अगवा कर लिए , शुक्रवार शाम छात्रा वाराणसी जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र के दानगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के तराव गांव के पास हाईवे के किनारे बेहोशी की हालत में मिली तब जाकर परिजनों को बेटी के अपहरण होने का जानकारी मिली । बताया गया कि कुछ ग्रामीणों ने घायल छात्रा को देखकर 112 पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। बदमाशों ने छात्रा का अपहरण जलालपुर थाना क्षेत्र के थौर गांव के पानी टंकी के पास किया और पराऊगंज की तरफ से भाग निकले , छात्रा रेहारी गांव निवासी बताई जा रही है। उसके पिता राजीव सरोज भाजपा के मंडल मंत्री एवं माता बेबी सरोज भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी बताई जा रही हैं। जलालपुर पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है , एसपी सिटी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दिया गया है साथ ही पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए है । वहीं इस मामले में शनिवार को एसपी अजय पाल शर्मा ने बताया कि छात्रा अपने परिजनों से नाराज होकर सुबह स्कूल के समय चली गई थी।छात्रा की निशानदेही पर उसकी साइकिल बरामद कर ली गई है छात्रा भी सकुशल है।

दिव्यांगजनों के लिए विकास खंड परिसर में लगा शिविर

चंदौली। जनपद के दिव्यांगजनों को दिव्यांग विभाग की विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शनिवार को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग चंदौली द्वारा चहनियां खंड विकास क्षेत्र पंचायत सभागार में दिव्यांग चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विकास खंड क्षेत्र के कई गांवों के दिव्यांगजनों ने कृत्रिम अंग, कान की मशीन, व्हील चेयर, ट्राई सायकिल, मोटराइज्ड सायकिल, दिव्यांग पेंशन, दिव्यांग व्यवसाय आदि के लिए पंजीकरण कराए। इस अवसर पर उपस्थित एडीओ समाज कल्याण एसएन दुबे ने बताया कि जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जनपद के दिव्यांगों के कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। इसके लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश नायक के सहयोग से जनपद के विभिन्न ब्लाकों में दिव्यांग चिन्हांकन शिविर लगाए जा रहे हैं । जिसके क्रम में शनिवार को चहनियां विकास खंड में शिविर लगाया गया। इसके साथ ही 05 अगस्त को चकिया ब्लाक में, 07 को सदर चंदौली, 12 को धानापुर, 14 को नौगढ़ , 17 को नियामताबाद , 20 को शहाबगंज और 22 अगस्त, को सकलडीहा ब्लाक मुख्यालय परिसर में चिन्हांकन शिविर लगाया जाएगा। जिसमें चिन्हित दिव्यांगजनों को आगे सूचित कर एक कार्यक्रम के द्वारा उन्हें शारीरिक उपकरण या अन्य जरूरी सहयोग प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक ब्लाक मुख्यालय में शिविर सुबह 11 बजे से सायं 4 बजे तक चलेगा। इस अवसर पर दिव्यांग विभाग के गोविंद, सम्मान संस्था के धनेश कुमार, दिव्यांग श्यामप्रकाश निषाद, रामकुंवर, विजय कुमार मिश्र, मनोज यादव, विकास गुप्ता, रियाजुद्दीन अंसारी, मुंशी प्रसाद आदि उपस्थित थे।

दो घरों से जेवरात समेत लाखों की चोरी

चंदौली। एक तरफ पुलिस अधीक्षक रात में थानों और कोतवाली का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ हौसला बुलंद चोर घर में

घुसकर जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर रहे हैं । शुक्रवार की रात चोरों ने शहाबगंज थाना क्षेत्र के दो गांवों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है । चोरों ने घर में रखे लाखों रुपए मूल्य के जेवरात समेत नगदी पर हाथ कर दिया । पीड़ित पक्ष से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है । एक तरफ पुलिस अधीक्षक रात में थानों और कोतवाली का औचक निरीक्षण कर रहे है। वहीं दूसरी तरफ हौसला बुलंद चोर घर में घुसकर जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर रहे हैं । शुक्रवार की रात चोरों ने शहाबगंज थाना क्षेत्र के दो गांवों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है । चोरों ने घर में रखें लाखों रुपए मूल्य के जेवरात समेत नगदी पर हाथ कर दिया । पीड़ित पक्ष से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है ।

खबरें फटाफट

खतौनी के आधार किसानों को उपलब्ध कराएं उर्वरक

चंदौली। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि खरीफ की खेती के लिए उर्वरकों की भारी मांग को देखते हुए इसके वितरण पर जिला प्रशासन द्वारा निरन्तर नजर बनाए हुए है। उर्वरकों की बिक्री व भण्डारण में अनियमितता की शिकायत मिलने पर तत्काल ऐसा करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। इसे लेकर कृषि विभाग को निर्देश प्राप्त हुए है। बताया कि जनपद के किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा उर्वरकों पर भारी अनुदान प्रदत्त कराया जाता है। कृषकों हेतु उपलब्ध कराये गये इन अनुदानित उर्वरकों का असामाजिक तत्वों द्वारा अन्य उपयोगों में अंतरित करने का प्रयास किया जाता है।

गंगा कटान से भूमिहीन हो रहे किसान: अंजनी सिंह

चंदौली। जिला पंचायत सदस्य व समाजवादी नेता अंजनी सिंह ने एक बार फिर गंगा कटान का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सांसद चंदौली बीरेंद्र सिंह को पत्र लिखकर तटीय इलाके के किसानों व ग्रामीणों को इस गंभीर समस्या से निजात दिलाने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने धानापुर व चहनियां क्षेत्र गंगा कटान पीड़ित किसानों की व्यथा को भी उठाया।

अपने पत्र के माध्यम से अंजनी सिंह ने अवगत कराया कि जनपद चंदौली में गंगा किनारे बसे गांवों के किसान को भविष्य में गंगा कटान से बड़ा खतरा है, क्योंकि गंगा कटान धानापुर ब्लाक में भवयावह रूप धारण करता जा रहा है। कहा कि धानापुर के सहेपुर, दीयां, पसहटा, हिंगुतरगढ़, बूढ़ेपुर, नौघरा, रायपुर, नरौली, धानापुर, बड़ौरा, गुरैनी, महुजी आदि गंगा के तटीय गांवों के किसान भूमिहीन होने की कगार पर पहुंच गए हैं। बूढ़ेपुर निवासी गोविंद उपाध्याय की चार बीघा, भोला यादव की पांच बीघा, संजय शर्मा की चार बीघा, बांके उपाध्याय की चार बीघा सहित नौघरा, नरौली व धानापुर के कई किसान परिवारों लगभग 60 बीघा जमीन गंगा में समाहित हो चुका है। गंगा कटान को नहीं रोका गया तो तबाही का यह मंजर आगे भी अनवरत जारी रहेगा और किसान परिवार भूमिहीन होने की कगार पर आ जाएंगे।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत हेल्थ प्रोफेसनल प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

टीबी एवं कैंसर जैसी बिमारियों को आमंत्रित करता है तम्बाकू का सेवन

♦ तम्बाकू सेवन से 40 तरह के कैंसर और 25 अन्य गंभीर बिमारियों होती है

केटी न्यूज / जौनपुर

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत एक हेल्थ प्रोफेसनल प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागर कक्ष में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमे जनपद के समस्त राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम के चिकित्साधिकारी (बी0डी0एस0 एवं आयुष चिकित्साधिकारी) ने प्रतिभाग किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया, कि तम्बाकू, बीड़ी और सिगरेट के सेवन से टी0बी0, कैंसर सहित तमाम बीमारियॉ शरीर को जकड़ लेती है। इनके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बेहद कमजोर पड़ जाती है। जिससे व्यक्ति कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाता है और इन बीमारियो से उसकी जान भी चली जाती है।

डा0 राजीव कुमार जिला नोडल अधिकारी, जिला तम्बाकू नियंत्रण ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को तम्बाकू से दूर रहने के लिये याद दिलाना और जो इस कि लत में है, उन्हें इसके सेवन से होने वाले गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक कर इलाज के लिये प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिये बेहद हानिकारक होता है।

क्षेत्रीय समन्वयक दिलीप पाण्डेय ने जनपद में तम्बाकू नियंत्रण कानून कोटपा-2003 के समस्त धाराओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने इसकी विभिन्न धाराओं पर चर्चा की, धारा 4-सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध है। 200 रुपए तक का जुमार्ना हो सकता है। धारा 5-तम्बाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष विज्ञापन पर प्रतिबंध। धारा 6 (क)-18 वर्ष के कम आयु के नाबालिगों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध। धारा 6 (ख)-शिक्षा संस्थान के 100 गज के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री दण्डनीय है। उक्त के उल्लंघन की दशा में विधिक कार्यवाही का प्रावधान भी है। डा0 बी0सी0 पन्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि तम्बाकू के सेवन से लाखों लोगों की मौत हो रही है। उन्होनें धूम्रपान से होने वाले नुकसान पर चर्चा की एवं लक्षणों को बताया। जैसे-बिना किसी वजह के उदास महसूस करना, गुस्सा आना या परेशान, काम में ध्यान न लगा पाना, उच्च रक्त चाप का होना, भूख न लगना, नींद न आना। तम्बाकू से दूर रहने के उपाय पर चर्चा में बताया कि व्यक्ति को इसकी जद से निकलने के लिये चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिये। चिकित्सकीय की निगरानी में उपचार करायें। इलाज के दौरान व्यक्ति की सबसे ज्यादा मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। साथ ही योगा और सुबह-शाम को टहलने चाहिये ।इसके साथ ही सभी लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, खैनी, पान-मसाला से दूर रहेंगे। उक्त कार्यशाला में जिला कार्यक्रम प्रर्बंधक एन0एच0एम0 सत्यव्रत त्रिपाठी एवं एन0सी0डी0 सेल के समस्त कर्मचारी,अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जय प्रकाश गुप्ता एफ0एल0सी0 ने किया।

बिजली कटौती व खाद की किल्लत ने बढ़ाई किसानों की चिंता: धर्मेन्द्र तिवारी

केटी न्यूज / चंदौली

किसानों की इस समस्या को लेकर चिंतित कांग्रेसियों ने जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी अपर जिलाधिकारी अभय कुमार पांडेय को ज्ञापन सौंपा। कहा कि जिले में अघोषित बिजली कटौती व खाद की किल्लत की वजह से किसान परेशान हैं। स्थिति यह है कि धान के फसल की रोपाई के समय पर बिजली, नहरों में पानी और खाद नही मिल पा रहा है। मांग किया कि समय रहते किसानों की समस्याओं का हल नही निकला तो कांग्रेसी जिले में आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। आरोप लगाया कि लोकसभा में भाजपा सरकार हार का बदला लेने व किसानों को सबक सिखाने के नाम पर किसानों को परेशान व प्रताड़ित कर रही है, जो निंदनीय है। जिलाध्यक्ष कांग्रेस धर्मेन्द्र तिवारी ने कहा कि जिले का किसान बिजली के कटौती की मार झेल रहा है। यहां खेत पानी की उपलब्धता नहीं होने के कारण सूख रहे हैं। ऊपर से खाद की किल्लत ने किसानों की नींद हराम कर रखी है। कहा कि जिले की नहरें सिल्ट और जंगली घास-फूस तथा जलकुंभी से पटी पड़ी हैं। नहरों की सफाई नही होने से पानी टेल तक नहीं पहुंच पा रहा है। नहरों की सफाई की जाय, समय पर पम्प कैनाल चलाए जाय और बिजली की उपलब्धता कम से कम 18 घंटे सुनिश्चित की जाए।

खाते को आधार से लिंक करा लें विधवा पेंशन की लाभार्थी

चंदौली। निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभार्थी महिलाएं अपने बैंक खाते को आधार से लिंक कराना सुनिश्चित करें। लाभार्थी अपने बैंक शाखा में जाकर बैंक खाते में आधार लिंक तत्काल अपडेट करा लें, ताकि पेंशन की राशि उनके खाते में प्रेषित करने में कोई बाधा न आए। इस बाबत जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिलाओं को पेंशन नहीं मिल रही है तो वे अपने बैंकों पर जाकर सम्पर्क करें या फिर अपने नजदीकी जनसेवा पर जाकर सम्पर्क कर अपने बैंक खाते को आधार से लिंक करा लें। वित्तीय वर्ष 2024-25 में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभार्थियों को भुगतान आधार वेस्ड प्रणाली के अन्तर्गत होने से अधिक संख्या में लाभार्थियों का आधार सिंट हो गया है। लाभार्थियों का बैंक में एनपीसीआई नहीं होने के कारण पेंशन का भुगतान नहीं हो सका है। जिस कारण निराश्रित महिलाओं का पेंशन रूका हुआ है। कहा कि जिन लाभार्थियों के बैंक में आधार लिंक (एनपीसीआई) अपडेट नहीं है वैसे लाभार्थी शीघ्र से शीघ्र अपने बैंक शाखा में जाकर अपने बैंक खातें में आधार लिंक अपडेट करा लें, ताकि पात्र निराश्रित महिलाओं के खाते में पेंशन प्रेषित किया जा सके।

बी ए प्रथम वर्ष का प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित

पीडीडीयू नगर। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुगलसराय चंदौली बी ए प्रथम वर्ष प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट आज महाविद्यालय के सूचना पट एवं महाविद्यालय की वेबसाइट पर घोषित कर दिया गया है। ये जानकारी प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो संजय पाण्डेय ने दी है । आनलाइन प्रवेश हेतु मेरिट लिस्ट 8 अगस्त तक जारी कर दी जाएगी ।

महाप्रबंधक ने पांचों मंडलों के डीआरएम के साथ की समीक्षा बैठक

चंदौली। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय में पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों के साथ भविष्य की चुनौतियों एवं कार्य योजना पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार सहित मुख्यालय के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी,डीडीयू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा, सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विवेक भूषण सूद एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपने-अपने मंडल की उपलब्धियाँ, भविष्य की चुनौतियों एवं कार्य योजना से महाप्रबंधक को अवगत कराया।

राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस, अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक

स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

केटी न्यूज/ मऊ

अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने की तैयारी को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा पूर्व में जिस प्रकार स्वतंत्रता दिवस को मनाया जाता रहा है उसी प्रकार से परंपरागत तरीके से मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख स्थानो पर झंडा फहराते समय सेल्फी लेकर विभागीय वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने कहा की नगरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शाहिद स्थलों सहित प्रमुख स्थलों की साफ-सफाई एवं प्रकाश की व्यवस्था संबंधित अधिशासी अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी समय से पहले करा लेंगे। उन्होंने कहा कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर तिरंगा फहराया जाने वाले तथा विभिन्न कार्यक्रमों का फोटोग्राफ्स भी संरक्षित करते हुए विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करेंगे तथा झंडा फहराने से पहले झंडा को भली भांति देख ले कि किसी भी प्रकार की झंडे में कोई कमी तो नहीं रह गई है इस बात का विशेष ध्यान देने के समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक समस्त कार्यालयो पर प्रकाश एवं साज सज्जा अवश्य सभी अधिकारी कराएंगे। नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े समस्त स्थलों की साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। समस्त शिक्षण संस्थानों में हर घर तिरंगा से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कराए जाएंगे। परियोजना निदेशक रामबाबू त्रिपाठी ने प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश के क्रम में बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान में बढ़ चढ़कर प्रत्येक नागरिक प्रतिभा करेंगे। उन्होंने बताया कि झंडे का आकार आयताकार होना चाहिए, इसकी लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 होना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को अपने आवास तथा सरकारी कार्यालयो में झंडा सम्मान के साथ झंडा संहिता का अनुपालन करते हुए फहराना होगा। उन्होंने बताया कि हर घर पर झंडा विधिवत तरीके से लगाएंगे। किसी भी दशा में झण्डा आधा झुका, फटा या कटा झंडा नहीं लगाना होगा। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व के रूप में स्वतंत्रता दिवस को मनाया जाएगा।

बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद अरशद जमाल, मुख्य कोषाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी, समस्त थाना अध्यक्ष एवं प्रधानाचार्य डीएवी इंटर कॉलेज देव भास्कर तिवारी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

यदि एक बड़ा कदम उठाने की आवश्यकता है तो डरे नहीं, आप गहरी खाई को दो चोटी छलांग लगाकर पार नहीं कर सकते। -डेविड लाइड जॉर्ज

न्यायाधीशों की टिप्पणियों से न्यायाधीश और न्यायपालिका की गिरती साख

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यसभा की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले की सुनवाई की। इस मामले में आरोपी विभव कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई। कोर्ट ने आरोपी विभव कुमार को गुंडा बता दिया। यह भी कह दिया, क्या किसी गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए। जमानत के मामले में सुप्रीम कोर्ट के जजों ने यह भी कह दिया, विभव कुमार के सिर पर सत्ता सवार हो गई है। अप्रत्यक्ष रूप से सुप्रीम कोर्ट के जजों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया। दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करते हुए यह भी पूछ लिया कि किसी महिला के साथ इस तरीके से पेश आना चाहिए। जमानत याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता और न्याय मूर्ति उज्जवल भुइयाँ कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा हम कॉन्टैक्ट किलर और हत्यारों को जमानत दे देते हैं। आरोपी ने इस मामले में नैतिकता को ताक पर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने यह भी कहा ?कि विभव कुमार के खिलाफ कौन गवाही देगा। मुख्यमंत्री का आवास क्या गुंडो को रखने के लिए है। मुख्यमंत्री का सरकारी निवास क्या उनका निजी आवास है। जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की इस तरह की टिप्पणी न्यायोचित नहीं। इस तरह की टिप्पणी हैं न्यायाधीशों के पद के अनुकूल हैं। स्वाति मालीवाल भी हमेशा विवादों में रही है। मुख्यमंत्री निवास का अपना एक प्रोटोकॉल होता है। जब मिलने का समय नहीं ?लिया गया था, तो उन्हें मिलने नहीं जाना चाहिए था। यदि स्वाती मिलने चली भी गई थी, तो उन्हें जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए थी। घटना का जिस तरह का वीडियो सामने आया है। उसको लाखों लोगों ने देखा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के उपराज्यपाल और स्वाति मालीवाल के बीच में जो राजनीतिक खिचड़ी पक रही है। वह मीडिया के जरिए सभी लोगों ने देखा और सुना है। जब तक अपराध सिद्ध ना हो जाए, तब तक इस तरह की टिप्पणी को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। जमानत की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट को जांच एजेंसी की जांच रिपोर्ट याचिकाकर्ता द्वारा जो तथ्य अपने बचाव में पेश किये थे, उनका परीक्षण करते हुए सुप्रीम कोर्ट को याचिकाकर्ता की याचिका को स्वीकार करे या ?निरस्त कर दें। जमानत पर सुनवाई करे जमानत देना या नहीं देना यह जज का अधिकार है। जब तक दोष सिद्ध नहीं हुआ है, किसी भी अपराधी के बारे में इस तरह की टिप्पणी को न्यायपालिका में कभी सही नहीं माना गया है। वर्तमान दौर में जब न्यायाधीश खुले मंच से अपनी विचारधारा को प्रदर्शित करते हुए या सरकार के प्रति एक अलग नजरिया रखते हुए मामलों की सुनवाई करते हैं। इसका असर अब न्यायपालिका की साख पर भी पड़ रहा है। जिसका दोष सिद्ध नहीं हुआ है, उसके बारे में शीर्ष न्यायालय द्वारा इस तरीके की जब टिप्पणी की जाती है। तब उसका असर राजनीतिक एवं व्यक्तिगत रुप से प्रभाव पड़ता है। अभी तक जो काम राजनीतिक दल और मीडिया ट्रायल के रूप में हो रहा था। यदि काम शीर्ष न्यायपालिका भी करने लगेगी। ऐसी ?स्थिति में लोगों को कैसे न्यायपालिका पर विश्वास होगा। जमानत के फैसले महीनों तक रिजर्व करके रखे जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट खुद कई बार कह चुकी है, ट्रायल कोर्ट जमानत के बारे में जल्द फैसला करें। हाईकोर्ट के डर से ट्रायल कोर्ट जमानत नहीं देते हैं। सुप्रीम कोर्ट में लोगों की आस्था होती है कि वहां पर गुण-दोष के आधार पर फैसला होगा। सुप्रीम कोर्ट के जजों पर सरकार अथवा अन्य कोई दबाव नहीं होगा। इस मामले में भी ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट होते हुए मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट को अधिकार था कि वह जमानत देती या नहीं देती। लेकिन जिस तरह की टिप्पणी जमानत की याचिका पर की गई है, वह न्यायपालिका की साख को कम करता है। न्यायपालिका के पास 60 से 70 फीसदी मामलों में सरकार वादी या प्रतिवादी के रूप में सामने आती है। न्यायपालिका को वादी और प्रतिवादी को समान रूप से अवसर देना होता है। न्यायपालिका गुण दोष और गवाहों के आधार पर सुनवाई करने के बाद फैसला देती है। जमानत एक संवैधानिक अधिकार है। इस अधिकार को वाद और विवाद का विषय नहीं बनाया जा सकता है। पिछले वर्षों में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह की टिप्पणियां न्यायाधीशों द्वारा की गई है उसका प्रभाव आरोपी के हितों के लिये कुठाराघात है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जो टिप्पणी करते हैं, उसका असर निचली अदालतों एवं ट्रायल कोर्ट पर भी पड़ता है।

चिंतन-मनन

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लोकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धमार्चार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्त्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरूआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन्‌ 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला।

दोस्ती है जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम

- ललित गर्ग

मित्रता हर रिश्ते में प्रेम, विश्वास एवं आत्मीयता का रस घोलती है। दोस्ती एक अनूठा एवं विलक्षण रिश्ता है, जिसमें हम बिना संकोच के अपनी वास्तविकता प्रकट कर देते हैं। यह रिश्ता कर्तव्यों, नियमों एवं बंधनों से मुक्त है। यह रिश्ता हमें स्वतंत्रता देता है, जिससे हम जैसे हैं, वैसे ही रह सकते हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री (मित्रता) दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे की भावना हर जगह एक ही है- मित्रता एवं दोस्ती का सम्मान। मैत्री का दर्शन बहुत विराट है, स्वस्थ निमित्तों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बिना किसी आग्रह एवं स्वार्थ के जो मैत्री स्थापित करता है, वह सबके कल्याण का आकांक्षी रहता है, सबके अभ्युदय में स्वयं को देखता है और उसके जीवन में विकास के नये आयाम खुलते रहते हैं। जीवन खूबसूरत प्रतीत होता है। इसमें अपने-पराये का भेद नहीं रहता, न प्रतिस्पर्धा और न छोटे-बड़े की सीमा-रेखा होती है। वास्तव में मित्र उसे ही कहा जाता है, जिसके मन में स्नेह की रसधार हो, स्वार्थ की जगह परमार्थ की भावना हो, ऐसे मित्र सांसों की बांसुरी में सिमटे होते हैं, ऐसे मित्र संसार में बहुत दुर्लभ हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की, विभीषण और श्रीराम की दोस्ती इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। सूरदास ने कहा है कि मित्रता का रिश्ता जीवन का सबसे मधुर रिश्ता होता है, जो जीवन में उत्कृष्टता का द्वार खोलता है।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता है, दक्षिण अमेरिकी देशों से शुरू हुआ यह त्योहार उरुग्वे, अजेर्टीना, ब्राजील में 20 जुलाई को, पराग्वे में 30 जुलाई को, जबकि भारत, मलेशिया, बांग्लादेश आदि दक्षिण एशियाई देशों सहित दुनियाभर के बाकी देशों में यह अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। दोस्ती वह रिश्ता है जो आप खुद तय करते हैं, जबकि बाकी सारे रिश्ते आपको बने-बनाये मिलते हैं। जरा सोचिए कि एक दिन अगर आप अपने दोस्तों से नहीं मिलते हैं, तो कितने बेचैन हो जाते हैं और मौका मिलते ही उसकी खैरियत जानने की कोशिश करते हैं। आप समझ सकते हैं कि यह रिश्ता कितना खास है। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा कि ह्ललोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वह मित्रता का पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।ह्व हमें दोस्ती के नये मूल्य-मानक गढ़ने हैं, मित्रता को जीवन में सार्थक रूप में स्थापित करना है। मित्रता प्रेम का नहीं बल्कि करुणा का पर्याय होनी चाहिए। क्योंकि प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार हैं जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है।

आज जिस तकनीकी युग में हम जी रहे हैं, उसने लोगों को एक-दूसरे से काफी करीब ला दिया है। लेकिन साथ ही साथ इसी तकनीक ने हमसे सुकून का वह समय छीन लिया है जो हम आपस में बांट सकें। आज हमने पूरी दुनिया को तो मुट्ठी में कैद कर लिया है, लेकिन इसके साथ ही हम खुद में इतने मशगूल हो गये हैं कि एक तरह से सारी दुनिया से कट से गये हैं। नयी सभ्यता एवं नयी संस्कृति में ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं को नई ऊर्जा देने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय फ्रेंडस दिवस मनाया जाना एक सार्थक उपक्रम है। दोस्ती के सुखद रिश्ते के पांच मूलमंत्र है-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को स्वीकार करना। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और सम्मान करना। रिश्ते में हल्कापन और खुशी बनाए रखना। एक-दूसरे के प्रति विश्वास और ईमानदारी रखना। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय और ध्यान देना। इन मत्रों को अपनाकर हम एक आदर्श दोस्ती स्थापित कर सकते हैं। क्योंकि दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है जो वार्तमानिक परिवेश में जबकि मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ह्यह्यपहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।ह्लह्ल दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। मित्रता दिवस दोस्ती को अभिशाप नहीं, वरदान बनाने का उपक्रम है। यह दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि दोस्ती में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह।

बेसिर-पैर की तो नहीं है राहुल की आशंका

- राकेश अचल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी यदि आधी रात को अपने सोशल मीडिया अकाउंट ७ पर अपने यहां ईडी के छापे की आशंका को सार्वजनिक करें तो सवाल उठता है कि क्या वे इस कार्रवाई के लिए तैयार हैं या इस आशंका से भयभीत हैं ? सदन में लगातार निडर रहो का मन्त्र जपने वाले राहुल गांधी अठारहवीं लोकसभा के सबसे मुखर सदस्य हैं। उन्होंने प्रतिपक्ष के नेता की हैसियत से सरकार की नींद हराम कर रखी है। इसलिए लगता है कि राहुल को घेरे जाने की तैयारी है ,और इसकी भनक लगते ही राहुल ने देश को आगाह कर दिया। अदावत की सियासत के इस युग में किसके खिलाफ,कब ,कौन सी कार्रवाई शुरू हो जाये ,ये कोई नहीं जानता। राहुल तो प्रतिपक्ष के नेता हैं सत्तापक्ष के नेताओं को इस तरह की आशंकाएं लगातार सताती रहतीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों से ये आशंका लगातार झलकती है । वे निरंतर ये कहते आ रहे हैं कि वे किसी की नौकरी करने नहीं आये हैं। आखिर राहुल गांधी को और योगी आदित्यनाथ को इस तरह की बातें क्यों करना पड़ रहीं है ?

जग-जाहिर है कि मौजूदा निजाम ने पिछले दस साल में देश की राजनीति में भय और संदेह के ऐसे बीज बोये हैं जो अब जड़ें जमा चुके है। हर कोई एक-दूसरे को आशंका की नजर से देखता है । परस्पर विश्वास और सौहार्द को तो जैसे इस कालखंड में तिलांजलि दे दी गयी है। सत्तापक्ष के ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समय-समय पर आने वाले बयान भी इसी आशंका की पुष्टि करते हैं कि सब कुछ ठीकठाक नहीं है। सत्तापक्ष ही क्यों सत्तापक्ष की जननी माने जाने वाले राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख तक सरकार पर अहंकारी होने का आरोप लगा चुके हैं। भारत की समावेशी राजनीति के लिए ये सही नहीं है।

प्रतिपक्ष के नेता को सम्मान देने के बजाय उन्हें अपना मुख्य शत्रु मान बैठी सरकार सियासत को रसातल में और कितना गहरा उतारेगी ,पता नहीं है । देश के प्रधानमंत्री अपने ही दल के एक सदस्य की अत्यंत अभद्र टिप्पणी को जब सराहने लगते हैं तो समझ में आ जाता है कि देश की राजनीति की दशा और दिशा क्या है ? निरंतर धूमिल होते आभा मंडल से विचलित पंत प्रधान सियासत को अदावत में बदलकर न सिर्फ अपनी पार्टी के प्रति अपितु देश के प्रति एक गंभीर अपराध कर रहे हैं। उन्हें मान लेना चाहिए कि अब उनके युग का अंत सन्निकट है। प्रकृति ने उनके उत्तराधिकारी की व्यवस्था कर दी है। अब ये देशकाल और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि उनका उत्तराधिकारी उनकी अपनी पार्टी से जन्म लेगा या विपक्ष से। लोकसभा में ही नहीं राजयसभा में सत्तापक्ष घिरता जा रहा है। लोकसभा में कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषधकार हनन का नोटिस दिया है और राज्य सभा में कांग्रेस के जयराम रमेश ने केंद्रीय गृहमंत्री माननीय अमितशाह साहब के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। जाहिर है कि दोनों ही सदनों में इस समय जो लोग पीठासीन अधिकारी हैं वे इन नोटिसों को स्वीकार करने वाले नहीं है। वे खुद डरे हुए लोग हैं। सत्ता से उपकृत लोग हैं। वे अपने आकाओं के विरुद्ध किसी कार्रवाई की इजाजत आखिर कैसे दे सकते हैं ?यदि ये नोटिस स्वीकर कर लिए जाएँ तो राज्य सभा में सरकार कि गिल्लियां उखड़ सकती हैं।

आने वाले दिनों में राहुल गांधी के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल हो या सीबीआई का इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। पहले भी सरकारी पार्टी की और से राहुल और उनकी मां को घेरने की कोशिश की गयी थी । राहुल की तो लोकसभा सदस्यता तक छीन ली गयी थी । उनसे सरकारी बँगला खाली करा लिया गया था । एसपीजी सुरक्षा तो बहुत पहले वापस ले ली गयी थी। लेकिन राहुल को अदालत ने ही नहीं जनता की अदालत ने भी उनका अधिकार और सम्मान दिलाया । सत्रहवीं लोकसभा में उनकी छीनी गयी सदस्यता अदालत ने वापस कराई थी और अठारहवीं लोकसभा में उन्हें रायबरेली के साथ ही वायनाड की जनता ने भी चुनकर लोकसभा भेजा,जबकि प्रधानमंत्री जी अपने ही लोकसभा चुनाव में हारते-हारते बचे।

राहुल की आशंका पर केंद्र की चुप्पी स्वाभाविक है । केंद्र यदि सफाई देगा भी तो कोई उस पर यकीन करने वाला नहीं है ,क्योंकि सरकार अपना विश्वास पहले ही खो चुकी है। जनता ने आम चुनाव में भाजपा के पर कतर कर ये पुष्टि भी कर दी। सत्तापक्ष को इस बात का अधिकार है कि वो राहुल गांधी की बढ़ती स्वीकार्यता को स्वीकार न करे ,किन्तु रेत में सिर छिपा लेने से आंधी का खतरा टल नहीं जाता।बेहतर हो कि सत्तापक्ष रेत में सिर देने के आने वाली आंधी के मुकाबले की लोकतान्त्रिक तरीके से तैयारी करे। मोशा की जोड़ी को समझना चाहिए कि अब भय दिखाकर वो न अपने दल में प्रीति पैदा कार सकते हैं और न विपक्ष में। भय बिन होय न प्रीति का फामूर्ला कालातीत हो चुका है। त्रेता के इस मन्त्र का जाप करने से कलियुग में सिद्धि हासिल नहीं हो सकती।

पंत प्रधान को ये सुविधा है कि वे एक बार फिर राहुल गांधी द्वारा जताई गयी आशंका को उनकी बालक बुद्धि कहकर खारिज कर दें ,लेकिन सोच लें कि ये देश अब बालक और बैल बुद्धि को पहचान चुका है। पंत प्रधान जितनी गलतियां कर रहे हैं उतना लाभ अकेले राहुल को नहीं अपितु पूरे विपक्ष को मिल रहा है। वे खुशनसीब हैं कि संसद के दोनों सदनों में किसी सदस्य ने उनसे ये सवाल नहीं किया कि वे देश में वायनाड , हाथरस और मणिपुर के भीषण हादसों के बावजूद मौके पर आखिर क्यों नहीं गए ?

स्वास्थ्य के मूल विषय को जनमानस तक ले जाने में सफल रहा स्वास्थ्य संसद-2024

- कुमार कृष्णन

भारत में स्वास्थ्य एडवोकेसी की दृष्टि से स्वास्थ्य संसद-2024, अयोध्या का सफल आयोजन एक मिल का पत्थर साबित हुआ है। स्वस्थ भारत (पंजी. न्यास) के 9वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य संसद ने स्वास्थ्य के मूल विषयों को जनमानस तक ले जाने में महति भूमिका निभाई है। ह्यअमृतकाल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपराह्व विषय को मूल थीम एवं ह्यस्वास्थ्य, सेवा, सहकार एवं समाधान के 9 वर्षह्व को सूक्त वाक्य के रूप में अंगीकार कर इस स्वास्थ्य संसद ने अपने प्राथमिक प्रारूप में ही जता दिया था कि भारत के स्वास्थ्य विषय को भारत में, भारत की दृष्टि से, देखने, समझने व रेखांकित करने हेतु यह महाआयोजन किया जा रहा है। इस बात को इससे भी बल मिला कि इस आयोजन को देश के प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों में से एक आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य संसद-2024 को अपने यहां न सिर्फ करने की सहमति दी बल्कि इस आयोजन का साझेदार भी बना। स्वस्थ भारत एवं कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य संसद ने स्वास्थ्य के विविध आयामों पर जनता के बीच खुले मंच से संवाद करने का मौका दिया। अमृतकाल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपरा विषय पर जहां पद्मश्री खादर वली, पूर्व राज्यसभा सांसद व वरिष्ठ पत्रकार डॉ. आर.के. सिन्हा, आयुवेर्दाचार्य हितेश जानी, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति व वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. बिजेन्द्र सिंह, अयोध्या के मेयर महंत गिरिशपति त्रिपाठी सहित तमाम विशेषज्ञों ने जो बाते कहीं वह प्रत्येक भारतीय के लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर स्वस्थ भारत स्मारिका का विमोचन भी किया गया। 112 पृष्ठ की इस स्मारिका में पद्मश्री रामबहादुर राय, गोवा की पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा, वरिष्ठ पत्रकार उमेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सिंह, पद्मश्री खादर वली, पूर्व राज्यसभा सांसद आर.के. सिन्हा, युगवार्ता के संपादक संजीव कुमार, आरोग्य भारती के संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय, प्रो. गिरिश्वर मिश्र, स्वस्थ भारत के न्यासी धीप्रज्ञ द्विवेदी, वरिष्ठ स्तंभकार अमित त्यागी सहित तमाम विषय विशेषज्ञों के आलेख एवं स्वस्थ भारत अभियान के 12 वर्ष व स्वस्थ भारत (पंजी. न्यास) के 9 वर्षों के कार्यों का लेखा-जोखा प्रकाशित किया गया है।

उद्घाटन सत्र के बाद पहले तकनीकी सत्र ह्यबुजुर्गो की सेहतः रोग, मनोविज्ञान व समाधानह्ल विषयक चर्चा में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के संगठन सचिव गोलोक बिहारी राय, आध्यात्मिक गुरु प्रो. पवन सिन्हा, कैंसर एड सोसायटी के डीजी डॉ. ए.के. सिंह, वरिष्ठ होमियोपैथिक चिकित्सक व स्वस्थ भारत के मार्गदर्शक डॉ. पंकज अग्रवाल, नैपकेम के सचिव डॉ. पीयूष गुप्ता व डॉ. सलेहा अग्रवाल ने इस सत्र में बुजुर्गो से जुड़ी हुई तमाम उलझनों को सुलझाने का काम किया। इस सत्र का संचालन डॉ. सलेहा अग्रवाल ने किया।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको हर कार्य में सफलता मिलेगी। आपका आर्थिक संकट दूर होगा।

तुला आज दिन लाभ से भरा होगा और आप बिना वजह काफी परेशान रहेंगे।

वृषभ आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। आपके घर में किसी शुर्भ कार्य का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक भाग्य साथ देगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें।

मिथुन आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे।

धनु आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा।

कर्क आज दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा और आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी।

मकर शेयर बाजार से जुड़े हैं तो आपको लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे।

सिंह चिंता फिक्र और परेशानी वाला रहेगा। आपको कारोबार में बिक्री न होने से चिंता परेशान करेगी।

कुंभ दिन लाभ प्रदान करने वाला माना जा रहा है। की घनिष्टता से आपके कार्य सफल होंगे।

कन्या आज दिन काफी बिजी रहेगा और आपको रोजाना से अधिक काम करना पड़ सकता है।

मीन आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं और आपके लिए उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे।

विशेष

सुप्रिया के आरोप और अजित पवार का पलटवार

महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में यह बात काफी दिनों से गूंज रही है और कानों-कान फैल रही है कि चाचा की पार्टी तोड़ने से पहले अजित पवार भेष बदलकर दिल्ली आते-जाते थे। जब यही बात को अजित पवार की बहन सुप्रिया सुले ने संसद में कुछ अलग ही ढंग से उठा दिया। लाजमी है कि मामले की जांच की मांग भी की जाती। सो उन्होंने ऐसा भी किया कि जांच हो जाए। इस बात से खफा अजित पवार ने नेताओं वाली भाषा का प्रयोग करते हुए जवाब तो नहीं पलटवार जरुर किया और कहा कि अगर कोई साबित कर-के दिखा दे तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अगर ऐसे जुमलों पर यकीन कर लिया जाए तो ऐसा होता कि अभी राजनीति में आधे लोग ही बचते।

प्रधानमंत्री ने लिखा ,सुनो अनुराग ठाकुर का भाषण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में भाजपा के संसद सदस्य एवं पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर के बयान को रिट्वीट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा है, मेरे युवा और ऊजार्वान सहयोगी अनुराग ठाकुर का यह भाषण अवश्य सुना जाना चाहिए। इस भाषण में अनुराग ठाकुर ने अप्रत्यक्ष रूप से राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा था। जिसकी जाति का पता नहीं, वह जाति जनगणना की बात कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा ट्वीट किए जाने के बाद इसे विशेषाधिकार हनन का मामला बताया जा रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1756 : नवाब सिराजुद्दोला ने पचास हजार सैनिकों के साथ कलकत्ता पर हमला किया. 1977 : महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम में हृदयकुंज को अपना आवास बनाया. 1925: युद्ध में जहरीली गैसों के प्रयोग के निषेध पर देशों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1928 : आधुनिक उड़ीसा के निमार्ता पंडित गोपबंधु दास का निधन हुआ था. 1944 : आइसलैंड स्वतंत्र गणराज्य बना. 1950 : शिकागो के डाक्टर रिचर्ड लालर ने गुर्दे के प्रत्यारोपण का पहला सफल ऑपरेशन किया. 1967 : चीन ने हाइड्रोजन बम का पहला विस्फोट किया. 1972 : वाटरगेट इमारत स्थित डेमोक्रैटिक पार्टी के कार्यालय में जासूसों का उपकरण लगाते हुए पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया. 1991: दक्षिण अफ्रीका श्वेत बहुमत वाली संसद ने नस्ली वर्गीकरण संबंधी कानून को सम्मत किया.

दैनिक पंचांग

04 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

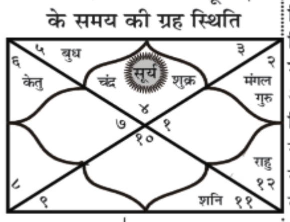

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कर्क में
मंगल	वृष में
बुध	सिंह में
गुरु	वृष में
शुक्र	कर्क में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.30 बजे से
कन्या	08.42 बजे से
तुला	10.53 बजे से
वृश्चिक	13.07 ब.से
धनु	15.23 बजे से
मकर	17.29 बजे से
कुंभ	19.15 बजे से
मीन	20.48 बजे से
मेष	22.18 बजे से
वृष	23.59 बजे से
मिथुन	01.57 बजे से
कर्क	04.10 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 217 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 16.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 13.26 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 10.38 बजे को समाप्त। **करण** नाग 16.43 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 05.20 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 10' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872061 **जूलियन दिन** 2460526.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 28 **विशेष** हरियाली अमावस्या, स्नान दान श्राद्ध अमवस्या, स्वामी अखंडानंद सरस्वती जयंती, मित्रता दिवस।

दिन का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया			
शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
चर	08.41 से	10.14	बजे तक
रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्टॉक मार्केट मिथक जो युवाओं को नहीं बनाने देते करियर

यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं जो स्टॉक मार्केट में करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन इन बातों को सुनकर अपने कदम आगे नहीं बढ़ा पा रहे, तो हम आपको बता दें कि आपको आधा-अधूरा सत्य बताया गया है। आम तौर पर लोग अपनी गलतियों को नहीं गिनाते। यहां पर लोगों के पैसा डूबने का मुख्य कारण अत्यधिक लालच, जानकारी का अभाव, जल्दबाजी, रिसर्च का अभाव, रिस्क मैनेजमेंट न करना आदि होता है। शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड।

स्टॉक मार्केट बिजनेस नहीं, जुआ है

स्टॉक मार्केट की प्रतिष्ठा को जुए, सट्टे और अटकलों का बाजार कहा जाता है। इस तरह की गलत सूचनाओं को उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है, जो रातो-रात अपने पैसे को चौगुना करने के प्रयास में अपने हाथ जला चुके हैं। यहां भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह, आपके मन में उचित जोखिम-वापसी की अपेक्षा होनी चाहिए। धन सृजन एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है। इसलिए, लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि, वे अपनी बचत को अच्छी कंपनियों में बुद्धिमानी से लगाएं और गर्वित शेयरधारक बनें। स्टॉक मार्केट ऐसे लोगों के लिए केवल एक जुआ है जो रातों-रात पैसा कमाना चाहते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए दांव लगाते हैं।

स्टॉक मार्केट में हाई रिस्क

इस मार्केट में कमाई का पूरा खेल इक्विटी होल्डिंग में शामिल जोखिम और रिटर्न पर निर्भर करता है। शेयरों की कीमतों में हर दिन और कभी-कभी हर घंटे उतार-चढ़ाव आता है। हालांकि, अगर हम कुछ वर्षों का रिटर्न देखें तो कुल मिलाकर रिटर्न एक महीने या एक साल की अवधि में प्रदर्शित आंकड़ों से कहीं अधिक होगा। यह आपके लिए धैर्य यहां सफलता की कुंजी है।

स्टॉक मार्केट करियर एक स्थिर पेशा नहीं

प्रतिमाह निश्चित सैलरी पाने वाले लोग स्टॉक मार्केट को एक्स्ट्रा आय स्रोत के रूप में देखते हैं। लोग अपने जीवन में नियमित और निश्चित सैलरी चाहते हैं, लेकिन स्टॉक मार्केट से जुड़े लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वे हर दिन अपने करियर को नई दिशा देते हैं।

स्टॉक मार्केट करियर केवल विशेषज्ञों के लिए

किसी भी स्किल में महारत हासिल करने में समय लगता है और ऐसा ही स्टॉक मार्केट के साथ भी है। वर्तमान समय में, पर्सनल इनवेस्टर्स स्टॉक मार्केट में सबसे बड़े भागीदार हैं। वित्त वर्ष 2023 में डीमैट खातों की कुल संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। खुदरा निवेशक 2022 में इक्विटी कैश मार्केट में कुल वॉल्यूम का 45 फीसदी योगदान करते हैं, जो 2016 में 33 फीसदी था। यह आंकड़े एक और मिथक को खारिज करते हैं।

पेपर बैग बनाओ और लाखों रुपये कमाओ

जब से भारत सरकार ने प्लास्टिक और पॉलिथीन की बनी थैलियों पर पाबन्दी की घोषणा की है तभी से कई सारे राज्यों में इसके इस्तेमाल पर काफी हद तक बैन लग चूका है। प्लास्टिक से बनी थैलियाँ इस कदर हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है की उन्हें पूरी तरह बंद करना काफी मुश्किल काम है और ये तभी संभव हो पायेगा जब इन पॉलिथीन की थैलियों का कोई विकल्प हमारे सामने होगा। तो इसका सबसे अच्छा विकल्प है पेपर बैग।

पेपर बैग का चलन हमारे देश में बड़ी तेज़ी के साथ बढ़ रहा है। और वो दिन दूर नहीं जब दुकानों, शौपिंग मॉल व हर जगह आपको सिर्फ पेपर बैग ही दिखाई देंगे। इस समय मार्केट में पेपर बैग की मांग बहुत ज्यादा है तो ऐसे में अगर आप खुद का बिज़नस शुरू करने की सोच रहे है तो ये आईडिया आपके लिए बहुत ज्यादा फ़ायदे वाला साबित हो सकता है क्योंकि इस बिज़नस में कम्पीटीशन बहुत कम है और अगर आपने सही दिशा में जी तोड़ मेहनत कर ली तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

व्यापार का अवसर एवं क्षेत्र

प्लास्टिक थैलियों के मुकाबले पेपर बैग दिखने में काफी स्टाइलिश होते है। और बड़े शहरों में लोगो के बीच इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। निम्न जगहों पर पेपर बैग बहुत ज्यादा प्रचलित हैं – किराने की दुकानों पर, शौपिंग मॉल में, मेडिकल स्टोर्स पर, फ़ल व सब्जियों की दुकानों पर पेपर बैग की मांग इतनी तेज़ी से बढ़ रही है की आने वाले कुछ सालों में पेपर बैग मेकिंग बिज़नस अरबों रुपयों का हो जायेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है की ये इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ बहुत सस्ते भी है। पेपर बैग को आसानी से रीसाइकिल किया जा सकता है और वातावरण को इससे ज़रा भी नुकसान नहीं होता है। इसीलिए जितनी जल्दी आप यह बिज़नस स्टार्ट करोगे आपको उतना ही ज्यादा प्रॉफिट होगा।

व्यापार के लिए जगह का चुनाव

किसी भी व्यापार के लिए सही जगह का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बिज़नस शुरू करने से पहले कुछ बातों की पूरी जानकारी लेना बहुत जरुरी है क्योंकि अगर एक बार मशीनें इनस्टॉल हो गई तो उन्हें वापस से दूसरी जगह इनस्टॉल करना बहुत भरी पड़ सकता है। इसके लिए आप निम्नलिखित बातों को अवश्य ध्यान में रखें

- पेपर बैग मेकिंग बिज़नस के लिए जगह ऐसी लोकेशन पर हो कि आसपास के लोगों को मशीनों की आवाज़ से कोई परेशानी न हो। इसके लिए आप शहर कुछ दूरी पर जगह का चुनाव करें ध्यान रहे उस जगह की शहर से ज्यादा दूरी न हो।
- उस जगह से शहर तक सड़क की अच्छी व्यवस्था हो।
- माल लाने व ले जाने के लिए गाडियों के पहुचने की व्यवस्था हो।
- पानी व बिजली की व्यवस्था हो।
- मजदूर आसानी से उपलब्ध हो।

व्यापार पंजीकरण

पेपर बैग व्यापार शुरू करने से पहले अपने बिज़नस को रजिस्टर करवाना बिलकुल भी न भूले। इसके लिए आपको अपने कस्बे या शहर की नगर-पालिका/नगर-निगम से ट्रेड लाइसेंस व साथ ही भारत सरकार की और से ज़ारी की जाने वाली उद्योग आधार संख्या के लिए आवेदन करना होगा।

मशीनों की जानकारी

पेपर बैग बनाने के लिए मार्केट में कई सारी अलग अलग कंपनियों की मशीने उपलब्ध है। जिनमे से कुछ स्वचालित है तो कुछ को आपको खुद को ही चलाना होगा। ऐसी भी बहुत सारी मशीने है जो पेपर बैग बनाने के साथ साथ उन पर प्रिंटिंग की सुविधा भी देती है। इन्ही सब खूबियों की वजह से इनकी कीमतों में अंतर है। पेपर बैग बनाने की मशीन की कीमत 3 लाख रूपए से लेकर 20 लाख रूपए तक हो सकती है। जितनी महँगी मशीन होगी पेपर बैग का उत्पादन व गुणवत्ता उतनी ही अच्छी होगी। मशीन को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आवश्यक कच्चा माल

पेपर बैग बनाने के लिए कई तरह के कागजों का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ कागज़ अच्छी क्वालिटी वाले तो कुछ बहुत ही हल्के होते है। अगर आप शोपिंग मॉल को ध्यान में रखते हुए पेपर बैग बना रहे है जहाँ ग्राहकों द्वारा एक साथ कई सारे सामान, कपड़े और ग्रोसरी खरीदी जाती है तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाला कागज़ ही इस्तेमाल करना होगा। अगर आप सस्ता विकल्प ढूंड रहे है तो कागज़ के लिए अख़बार का इस्तेमाल भी कर सकते है लेकिन यह आपके ब्रांड की वैल्यू मार्केट में कम कर देगा। यह आपको निश्चय करना है की आप कौनसा कागज़ इस्तेमाल में लेते हो। पेपर बैग बनाने के लिए ये चार चीज़े अत्यधिक आवश्यक है- पेपर रोल, चिपकाने के लिए गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक, बैग स्ट्रिप।

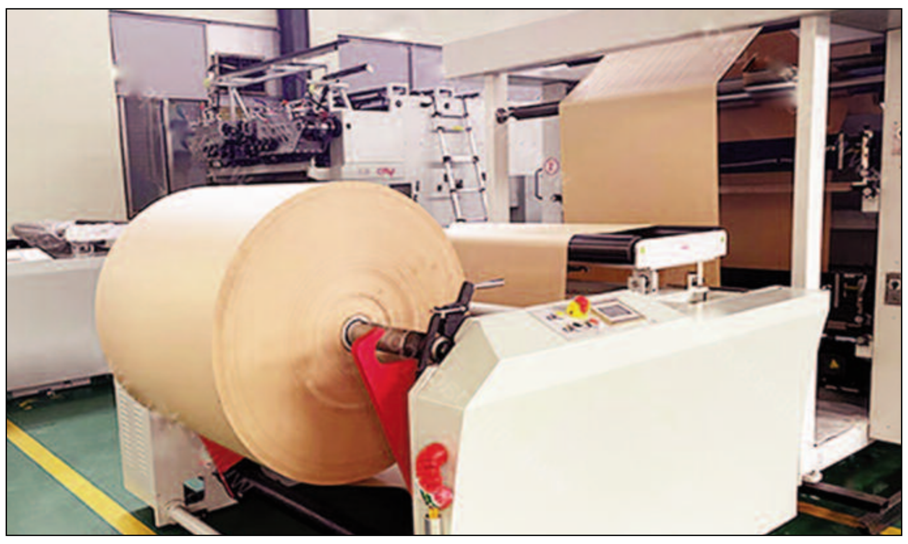

पेपर बैग बनाने की प्रक्रिया

पेपर बैग बनाने का काम पूर्णतया मशीन द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ एक व्यक्ति जो मशीन चलाना जानता हो आसानी से उस मशीन को ऑपरेट कर सकता है। आपको केवल एक बार जरुरी पेपर रोल, गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक मशीन में लगानी है उसके बाद मशीन स्वतः ही अपना काम करने लगती है।

कुल लागत का गणित

अगर आप छोटे स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते है तो आपको मशीन के लिए कम से कम 3 से 5 लाख खर्च करने पड़ेगें। मशीन के आलावा भी अन्य कच्चा मॉल, जगह का किराया, बिजली का बिल, मज़दूर की तनख्वाह, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा मिलाकर इसकी कुल लागत 6 से 7 लाख रूपए तक पड़ेगी।

मार्केटिंग एंड प्रमोशन

अपने बिज़नस की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीका अपना सकते है। ऑफलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप अपने शहर के साथ-साथ नजदीकी शहरों या कस्बों में शोपिंग मॉल, किराने की दुकानों, फ़ल व सब्ज़ियों की दुकानों, मेडिकल स्टोर्स आदि पर जा कर अपने प्रोडक्ट्स के बारे में बता सकते है। इसके लिए आपको विजिटिंग कार्ड और पम्पलेट जिसमें अपने प्रोडक्ट की सारी खूबियाँ व मूल्य व्यवस्थित रूप से निर्धारित किये गए हो की ज़रूरत पड़ेगी। ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले आपको खुद को इसके लिए तैयार करना होगा। उन सवालों के जवाब आपको पहले से ही तैयार रखने होंगे जो आपके कस्टमर्स आप से पूछ सकते है।
कहने का मतलब ये है कि ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले एक अच्छे इंस्टिट्यूट से मार्केटिंग की जरुरी स्किल जरुर सीख लें। और अगर आपके पास बजट ज्यादा है तो मार्केटिंग के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति को नौकरी पर भी रख सकते है। ऑनलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए कई सारे तरीके उपलब्ध है।
वर्तमान में लोगों के बीच इन्टरनेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। ऑनलाइन मार्केटिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है की इन्टरनेट की मदद से घर बैठे आप पूरी दुनिया में अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन कर सकते हो और इसमें होने वाला खर्चा भी ना के बराबर है। तो बिलकुल भी देर मत कीजिये और पेपर बैग किंग बनने की दिशा में अपना पहला कदम जल्दी से जल्दी बढाइये।

ये हैं कंप्यूटर साइंस वालों के लिए टॉप करियर ऑप्शन

लाखों में मिलती है सैलरी

कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना हर युवा का सपना होता है। वहीं, यदि आप अभी भी इस बात को लेकर कन्फ्यूजन में हैं कि कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग के बाद क्या करें, तो यहां कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद कुछ बेहतरीन करियर हैं। कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट्स के लिए कई करियर ऑप्शन हैं और इससे करियर ग्रोथ भी ज्यादा होती है। कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

एक फुल-स्टैक सॉफ़्टवेयर डेवलपर सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम बनाने के बेसिक काम में शामिल होता है। वे ऐसे एप्लिकेशन या प्रोग्राम बनाते हैं जो कंपैटिबल होते हैं ताकि सॉफ़्टवेयर को किसी भी डिवाइस पर देखा और आसानी से संभाला जा सके और देखने के लिए बहुत पोर्टेबल हो।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

C, C++, C#, Java, Python और कई अन्य प्रोग्रामिंग भाषाएं हैं जिनकी सही कमांड की आवश्यकता होती है। इसलिए यह करियर बी-टेक छात्र के लिए कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद सबसे अच्छे करियर में से एक माना जाता है। एआई जैसी नई टेक्नोलॉजी की प्रगति के बावजूद, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मांग और आवश्यकता वर्ष 2050 तक भी बरकरार रहेगी।

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

एक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर मौजूदा सॉफ़्टवेयर मॉडिफिकेशन की जाँच करता है। यह एक आवश्यक जिम्मेदारी है क्योंकि इसमें बहुत सतर्क रहना और कंपनी डेटाबेस और उसकी गुणवत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना शामिल है। बैंकिंग, बीमा और सर्विस कंपनियों जैसे संगठन, एलिजिबल डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर को अच्छी जॉब देते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर विभिन्न कंप्यूटर हार्डवेयर कॉम्पोनेंट्स जैसे राउटर, सर्किट बोर्ड और मेमोरी डिवाइस का विकास, डिजाइन और परीक्षण करता है। इस काम के लिए टेक्निकल एक्सपर्टीज और क्रिएटिविटी के बीच अच्छे सहयोग की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि हार्डवेयर ठीक से काम कर रहा है।

सिस्टम एनालिस्ट

कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट, इनफॉरमेशन सिस्टम के प्रत्येक संगठन का डीप एनालिसिस करने और उचित सुधार का सुझाव देने के लिए मौजूद होता है। बढ़ते आईटी बिज़नेस के साथ, कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट की मांग भी बढ़ रही है। फाइनेंस कंपनियों, सरकार, बीमा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट लोकल एरिया नेटवर्क, वाइड एरिया नेटवर्क, एक्स्ट्रानेट और इंट्रानेट के साथ नेटवर्किंग और कंप्यूटर प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को डिजाइन, स्थापित और प्रबंधित करता है। काम डेटा प्रोसेसिंग और सहयोग के संदर्भ में संगठनों की इच्छाओं को पहचानना है।

वेब डेवलपर

वेब डेवलपर्स के पास पेज लेआउट, वेबसाइट स्टाइलिंग और पेज फीचर्स की मदद से किसी विशेष वेबसाइट पर विज़िटर के अनुभव को ढालने का एक आकर्षक काम है। एक वेब डेवलपर को HTML, CSS, JavaScript जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की उचित समझ होनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि एक सर्वर विभिन्न डिवाइस के साथ कैसे काम करता है। पूरी दुनिया में वेब डेवलपर्स की भारी मांग है। अगले दस वर्षों में इसके 13% बढ़ने का अनुमान है।

प्रोजेक्ट मैनेजर

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद यह सबसे अच्छे करियर में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजर का काम प्रोग्रामिंग टीम के प्रयासों को एक साथ लाना है और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उनके काम का समर्थन करना है। एजुकेशन से लेकर स्वास्थ्य तक, लगभग हर उद्योग को प्रोजेक्ट मैनेजर की आवश्यकता है। इसलिए इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

राजनीतिक विज्ञान में बनाएं कॅरियर

पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस का महत्व सदाबहार कहा जा सकता है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों व उनकी नीतियों को पढ़ाया जाता है। इसमें अध्यापन-कार्य से लेकर शोध, चुनाव व कानून से जुड़े कार्यक्षेत्रों में काम किया जा सकता है। इस समय राजनीति विज्ञान के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल व इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही हैं।

देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर इस विषय पर आधारित कोर्सेज उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना कुछ हद तक सही है कि अन्य कोर्सेज की तुलना में इसमें दाखिला पाने के लिए ज्यादा मारामारी की स्थिति नहीं है। हालांकि, बेहतर मुकाम पाने के लिए इस विषय में उच्च अध्ययन की ओर रुख करना काफी महत्व रखता है। दूसरे पारंपरिक कोर्सेज की तुलना में करियर को संवारने के कहीं ज्यादा अवसर इस विषय की पढ़ाई के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। अकादमिक और शोध कार्यों में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्रों को देशी-विदेशी संस्थानों की स्कॉलरशिप हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके जरिए उन्हें आगे चलकर अध्यापन के बेहतर अवसर मिलेंगे।

स्कूल और कॉलेज में अध्यापन और शोध कार्यसहित अन्य क्षेत्रों में मौके होने के साथ ही हाल के वषों में कुछ नए करियर विकल्प भी उभरे हैं। इनमें से कुछ हैं-
पॉलिटिकल एनालिस्ट – राजनीति विज्ञान में पारंगत अनुभवी विशेषज्ञों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण करियर कहा जा सकता है। इनका काम मुख्य रूप से राजनैतिक निर्णयों/सरकारी नीतियों आदि पर समीक्षात्मक टिप्पणी करना और उनकी कमियों को उजागर करना है। ये बतौर विशेषज्ञ, पॉलिटिकल पार्टियों की नीतियों और चुनावी घोषणाओं पर भी अपने विचार देते हैं।
सोशल मीडिया मैनेजर – आम जनता के बीच जनमत तैयार करने या किसी खास राजनैतिक दल के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने जैसे कार्यों को बखूबी अंजाम देने में इस विषय की पृष्ठभूमि वाले लोगों को काफी उपयोगी माना जाता है। यही कारणहै कि सोशल मीडिया से जुड़ी नौकरी पाने में राजनीति शास्त्र के जानकार को ज्यादा परेशानी नहीं होती है।
पॉलिटिकल कंसल्टेंट्स – इनका काम चुनावी दंगल में प्रत्याशियों के लिए अधिकाधिक मत पाने की योजना तैयार करना और उन्हें सफलता के साथ लागू करना होता है। यह समझ जनता के साथ लंबे समय से संपर्क में रहने के बाद विकसित होती है। सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का अच्छा जानकार होना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।
इंटेलिजेंस एनालिस्ट- राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की विचारधारा को समझते हुए उनके बारे में रिपोर्ट बनाना, इनके कार्य के दायरे में आता है। ऐसे विशेषज्ञ प्रायः अप्रत्यक्ष तौर पर काम करते हैं।
मार्केट सर्वे एक्सपट- बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपना नया उत्पाद बाजार में उतारने से पहले ऐसे विशेषज्ञों का सहारा लेती हैं, ताकि उन्हें समय-समय पर प्रतिक्रियाएं मिलती रहें। इस प्रकार वे अपने उत्पाद की त्रुटियों को न सिर्फ समझ सकते हैं, बल्कि उनमें समय रहते सुधार कर दोबारा मार्केट में उतार सकते हैं।
वकील के तौर पर करियर- राजनीति शास्त्रकी पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए एलएलबी करना सही रहता है। इनके लिए मुकदमों की बारीकियों को समझना आसान होता है। वहीं जनसंचार के क्षेत्र में ऐसे सफल पत्रकारों की कमी नहीं है, जिनके पास राजनीति विज्ञान की डिग्री है। ऐसे अवसर प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में मिल सकते हैं।

पाठ्यक्रम

यह बताने की जरूरत नहीं है कि राजनीति विज्ञान कोई नया विषय नहीं है। इससे जुड़े कोर्सेज भी पुराने या परंपरागत कहे जा सकते हैं। दसवीं के बाद ही प्रायः एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो जाती है। ग्रेजुएशन स्तर पर बीए/बीए (ऑनर्स) कोर्स का प्रमुख तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में मेरिट के आधार पर ही नामी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इसके बाद मास्टर्स और पीएचडी तक की डिग्री हासिल की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा और मुक्त विद्यालयों से भी इस विषय की पढ़ाई विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से की जा सकती है।

व्यक्तित्व में क्या हो खास

इस क्षेत्र में ऐसे युवाओं को करियर बनाने के बारे में सोचना चाहिए, जिनको देश-विदेश में चल रही राजनैतिक उथल-पुथल और सामयिक मामलों के बारे में जानने की गहरी दिलचस्पी हो। देश के बदलते राजनैतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर और इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों को समझने की दृष्टि और उनके आधार पर भावी राजनैतिक आहटों को समझने की क्षमता भी इस क्रम में एक विशिष्ट गुण कहा जा सकता है। इसके अलावा तथ्यों और तर्कों के आधार पर नीतिगत निर्णयों को समझने की काबिलियत को भी कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों में संवाद कौशल, भाषा पर नियंत्रण आदि का होना भी काफी मायने रखता है।

संक्षिप्त समाचार

विकास दर के मामले में कोई हमारी बराबरी नहीं कर रहा, सेबी प्रमुख ने देश की अर्थव्यवस्था पर कही यह बात

नईदिल्ली, एजेंसी। विकसित भारत के लिए अर्थव्यवस्था, वास्तविक अर्थव्यवस्था, वित्तीय अर्थव्यवस्था और बाजार एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। बुच ने कहा कि अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चालक वह तरीका है जिसमें हमारी पूरी बाजार प्रणाली एक अच्छी तरह से संतुलित और प्रगतिशील तरीके से कार्य करती है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि वैश्विक तालिकाओं में हम अग्रणी हैं। भारत दुनिया में आईपीओ जारी करने की कुल संख्या के मामले में नंबर एक पर है। यह लगभग हर ट्रेडिंग सत्र में जारी हो रहा है। पूंजी जुटाने और स्टॉक एक्सचेंजों की राशि के मामले में, हम नंबर 5 पर हैं। यदि आप हमें अधिकार क्षेत्र के दृष्टिकोण से देखते हैं, तो हम नंबर 3 परहैं। जुटाई गई धनराशि की मात्रा अब भी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं-अमेरिका और चीन को चीन को टक्कर देने की स्थिति में । यदि आप पिछले पांच वर्षों में वृद्धि दर को देखें तो तो कोई भी हमारी विकास दर की बराबरी नहीं कर रहा है।

वाहन बिक्री : मारुति, ह्यूंडई व टाटा मोटर्स में गिरावट ; दोपहिया वाहनों की बिक्री में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। मांग में नरमी के बीच प्रमुख कार विनिर्माता कंपनियों मारुति सुजुकी व ह्यूंडई की थोक बिक्री जुलाई में घट गई और कंपनियों ने खुदरा विक्रेताओं को वाहनों की आपूर्ति कम कर दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा, पिछले माह उसकी घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 9.64 फीसदी घटकर 1,37,463 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 1,52,126 यात्री वाहन बेचे थे। मारुति की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी ह्यूंडई मोटर इंडिया की थोक बिक्री जुलाई में तीन फीसदी गिरकर 49,013 इकाई रह गई।?इसी तरह, टाटा मोटर्स ने कहा, उसकी कुल घरेलू बिक्री 11 फीसदी घटकर 70,161 इकाई रही।?जुलाई, 2023 में कंपनी ने 78,844 यात्री वाहन बेचे थे।

जोमोटो के शेयर में 17 प्रतिशत का उछाल, 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। होटल तथा रेस्तरां से खाद्य पदार्थों की खरीद का विकल्प पेश करने वाले ऑनलाइन मंच जोमोटो के शेयर शुक्रवार को रॉकेट बना हुआ है। कंपनी का शेयर आज अपने 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया है इसमें 17 प्रतिशत की तेजी आई और ये 278 रुपए के हाई पर पहुंच गया है। कल स्टॉक 234 रुपए के लेवल पर बंद हुआ था और आज इसकी ओपनिंग 244 रुपए पर हुई थी। स्टॉक अपने अपर सर्किट लेवल से कुछ ही देर था। हालांकि, इसके बाद से स्टॉक थोड़ा नीचे आकर 261 रुपए के आसपास ट्रेड कर रहा था।

आईआरडीएआई ने एचडीएफसी लाइफ पर 2 करोड़ का जुर्माना लगाया, कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एचडीएफसी लाइफ पर विभिन्न आईआरडीएआई नियमों का उल्लंघन करने के लिए कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार, सितंबर 2020 में आईआरडीएआई की ओर से किए गए ऑनसाइट निरीक्षण के बाद जुर्माना लगाया गया था। उस दौरान वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 से जुड़े मामलों की जांच की गई थी।

बीमा कंपनी एचडीएफसी लाइफ पर पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके अतिरिक्त, कंपनी की ओर से

सेवाओं की आउटसोर्सिंग से जुड़ी अनियमितताओं के लिए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

कंपनी ने गुरुवार को नियामकीय फाइलिंग में बताया, ÷आईआरडीएआई ने 01 अगस्त, 2024 को एक आदेश जारी किया, जिसमें लागू नियमों के उल्लंघन के लिए कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित कुछ पहलुओं के संबंध में एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, कंपनी की ओर से की गई सेवाओं की आउटसोर्सिंग से जुड़े मामलों में 1 करोड़ रुपये (एक करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई कमीशन, पारिश्रमिक या इनाम का भुगतान से जुडी थी। बीमा क्षेत्र की नियामक आईआरडीएआई ने वित्तीय दंड के अलावा, बीमा प्रदाता कंपनी एचडीएफसी लाइफ को निर्देश और सलाह भी जारी की है। कंपनी को निर्धारित समय सीमा के भीतर इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने को कहा गया है ताकि पहचान की गई कमियों को दूर किया जा सके और विनियामक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण भारत के बीमा क्षेत्र की निगरानी और विकास के लिए बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (आईआरडीए अधिनियम, 1999) के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। आईआरडीएआई का लक्ष्य पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग के व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देना है।

महंगाई की चुनौती, अब 38 चीजों के दामों पर नजर रखेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई पर काबू पाने की कोशिशों के तहत सरकार अब 38 जरूरी चीजों की कीमतों की रोजाना मॉनिटरिंग करेगी। अब तक 22 चीजों पर नजर रखी जाती थी। नई चीजों में बैंगन, बाजरा, रागी, अंडा, सूजी, बेसन, मैदा, घी जैसे 16 आइटम हैं। गुरुवार को प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम मोबाइल ऐप वर्जन 4.0 लॉन्च करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। मई में 4.8 प्रतिशत रहने के बाद जून में रिटेल इंफ्लेशन 5.08 प्रतिशत पर चली गई थी। खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर लगातार आठवें महीने 8 प्रतिशत से ऊपर रहते हुए जून में 9.36 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। होलसेल इंफ्लेशन जून में 3.36 प्रतिशत के साथ 16 महीनों के ऊंचे स्तर पर थी और होलसेल फूड इंफ्लेशन 10.85 प्रतिशत रही। जोशी ने बताया कि पहली अगस्त से डेली प्राइस मॉनिटरिंग की व्यवस्था में अब 16 और खाद्य वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी, मैदा, बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी और केले की कीमतों पर भी रोजाना नजर रखी जाएगी। कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 550 सेंटरों के जरिए जरूरी चीजों की कीमतों पर रोज नजर रखता है। कंज्यूमर अफेयर्स सेक्रेटरी निधि खरे ने कहा कि कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में 38 चीजों का वेटेज करीब 31 प्रतिशत है। वहीं, चावल, गेहूं, आटा और चना दाल सहित 22 चीजों का वेटेज 26.5 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने विभाग से कहा था कि ज्यादा चीजों की डेली प्राइस मॉनिटरिंग की जाए। जोशी ने कहा कि ज्यादा फूड आइटम्स पर नजर रखने से कीमतों में उतार-चढ़ाव और इंफ्लेशन पर काबू पाने में बेहतर मदद मिलेगी। खरे ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में 2 अगस्त से ह्नष्टष्टस्न की वैन के जरिए 50 रुपये किलो के भाव पर टमाटर बेचे जाएंगे। मंत्रालय ने 29 जुलाई को दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये किलो पर टमाटर बिक्री शुरू की थी। जोशी ने कहा कि इस कदम के बाद दाम घटे हैं।

राज्यों 2800 रुपये क्विंटल में चावल

कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री ने राज्यों को यह छूट दी है कि वे अपनी जरूरत के लिए स्नष्टद्ब से 2800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर चावल खरीद सकते हैं और इसके लिए उन्हें नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेना होगा। स्नष्टद्ब के पास देश की वेलफेयर स्कीम्स के लिए जरूरी मात्रा से अधिक चावल का भंडार है और नए सीजन में खरीदारी शुरू होने से पहले राज्यों को यह ऑफर दिया गया है। जोशी ने बताया कि राज्य कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी अपनी जरूरत के लिए सीधे फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से इस भाव पर चावल खरीद सकते हैं। राज्यों को पहले 2900 रुपये क्विंटल का भाव देना होता था।

लिस्ट नहीं होगी टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने अनिवार्य लिस्टिंग से छूट मांगी है। इसके लिए उसने आरबीआई को एक रिस्ट्रक्चरिंग योजना सौंपी है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय बैंक कंपनी की इस योजना से सहमत है। टाटा संस ने पहले ही इस योजना के कुछ हिस्सों को लागू कर दिया है। इसमें कंपनी का कर्ज खत्म करना भी शामिल है। इस योजना के बाद टाटा संस को अपर लेयर गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। हालांकि इसके लिए कंपनी को कुछ रेगुलेटरी शर्तों को पूरा करना होगा। इसके बाद टाटा संस को स्टॉक एक्सचेंजों में खुद को लिस्ट करने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि योजना के अनुरूप टाटा संस ने आरबीआई के नियमों के मुताबिक अपनी बैलेंस शीट को जीरो-डेट वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठित किया है।

क्रिसिल रेटिंग्स की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 30 सितंबर, 2023 को कंपनी पर 15,200 करोड़ रुपये का कर्ज था। साथ ही उसके पास 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की स्टैंडअलोन कैश और कैश इक्विवेलेंट था। अक्टूबर 2021 में आरबीआई के एक सर्कुलर में कहा था कि एनबीएफसी-अपर लेयर के रूप में क्लासीफाई कंपनियों को तीन साल के भीतर अनिवार्य रूप से लिस्ट किया जाना चाहिए। केंद्रीय बैंक ने 2022 में टाटा संस को अपर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया था। इसका मतलब था कि उसे सितंबर

2025 तक लिस्ट होना था। सूत्रों का कहना है कि ग्रुप की सभी कंपनियों में टाटा संस की भविष्य में फंडिंग कैश रिजर्व से की जाएगी। इस बारे में आरबीआई और टाटा संस ने सवालों का जवाब नहीं दिया।

कितनी है मार्केट वैल्यू

[redacted]

पीएनबी के खताधारकों ने केवाईसी अपडेट नहीं किया तो खाता हो जाएगा बंद

पीएनबी के सवा तीन लाख ग्राहकों पर लटकी तलवार

नईदिल्ली, एजेंसी। यदि आपका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है तो सावधान हो जाइए। इस बैंक के करीब सवा तीन लाख खाताधारकों ने अभी तक अपना केवाईसी अपडेट नहीं किया है। ऐसे खाताधारकों को 12 अगस्त 2024 तक का समय दिया गया है। यदि वे उक्त तारीख तक ऐसा नहीं करते हैं तो उनका खाते में ऑपरेशन रोका जा सकता है।

क्या है मसला

बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप सभी बैंक अपने खाताधारकों से नो योर कस्टमर्स या केवाईसी अपडेट करवा रहे हैं। यदि कोई ग्राहक

केवाईसी अपडेट नहीं करवाता है तो बैंक के उस खाते में ऑपरेशन को रोक सकता है। पीएनबी में अभी भी करीब सवा तीन लाख खाताधारक ऐसे हैं, जिन्होंने इस साल 31 मार्च तक केवाईसी अपडेट नहीं कराया था। उन्हें ही बैंक ने शीघ्र केवाईसी अपडेट करनाने को कहा है।

कब तक का मिला है समय

पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से 12.08.2024 तक अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) जानकारी अपडेट करने के लिए कहा है। ऐसा इसलिए, ताकि उनके खातों का कामकाज पहले की तरह सुचारु रूप से हो सके। बैंक का कहना है कि यह निर्देश केवल उन ग्राहकों के लिए लागू है, जिनके खातों में 31.03.2024 तक केवाईसी अपडेट होना शेष था।

केवाईसी अपडेट नहीं होगा तो क्या होगा

बैंक का कहना है कि जो व्यक्ति आगामी 12 अगस्त तक केवाईसी नहीं करवाएंगे, उनका अकाउंट अनऑपरेटिव हो जाएगा। इसे इस तरह से समझ सकते हैं कि उनका अकाउंट फ्रिज हो जाएगा। फिर वह अपने अकाउंट से ही अपना पैसा भी नहीं निकाल पाएंगे। हालांकि, वह चाहें तो अपने खाते में रकम जमा कर सकते हैं। लेकिन, उस अकाउंट से लोन नहीं ले पाएंगे।

कैसे कराएं केवाईसी

पीएनबी का कहना है कि वह अपनी जानकारी नवीनतम पहचान प्रमाण, पते का प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन, आय का प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध हो तो) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी अपने ब्रांच में जा कर जमा करें। उसे ब्रांच मैनेजर अटेस्ट कर के केवाईसी कर देंगे। ग्राहक चाहें तो वह पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सर्विसेज (आईबीएस), पंजीकृत ईमेल/पोस्ट भेज कर भी ऐसा कर सकते हैं। यदि वह चाहें तो अपने घर के नजदीक पीएनबी की किसी अन्य शाखा में भी 12.08.2024 तक व्यक्तिगत रूप से जाकर केवाईसी करा सकते हैं।

18 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है इंटेल, खर्च में 20 अरब डॉलर की कटौती करने की तैयारी

अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी इंटेल ने गुरुवार को एलान किया कि वह अपने परिचालन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से अपने कुल स्टाफ में से 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंटेल में अभी एक लाख चौबीस हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसे में कंपनी के एलान के मुताबिक करीब 18 हजार कर्मचारियों की छंटनी की जा सकती है।

खर्चों में 20 अरब डॉलर की कटौती करेगी कंपनी

इंटेल की योजना है कि वह अपने इस साल के खर्च में करीब 20 अरब डॉलर की कटौती कर सकती है। कंपनी को हालिया तिमाही में करीब 1.6 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा है। कंपनी के सीईओ पैट गेलसिंगर ने बयान जारी कर कहा है कि हमारे दूसरी तिमाही में प्रदर्शन काफी खराब रहा जबकि हमने प्रमुख उत्पाद और प्रौद्योगिकी में मील का पत्थर हासिल किया है। दूसरी छमाही के रुझान हमारी पिछली उम्मीद से कहीं ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हैं। मुख्य वित्तीय अधिकारी डेविड जिन्सनर ने कहा, अपने खर्च में कटौती करके, हम अपने

मुनाफ़े को बेहतर बनाने और अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं।

इस्राइल में भी कंपनी ने अपने निवेश पर लगाई रोक

घाटे से परेशान इंटेल ने जून में घोषणा की थी कि वह इस्राइल में एक प्रमुख फैक्ट्री परियोजना के विस्तार को भी अभी रोक रही है। कंपनी इस्राइल में चिप प्लांट के लिए अतिरिक्त 15 अरब डॉलर के निवेश की योजना बना रही थी। इंटेल की प्रतिद्वंदी कंपनी एनवीडिया, एएमडी और क्वालकॉम से कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दशकों से, इंटेल ने चिप्स के बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखा है, जो लैपटॉप से लेकर डेटा सेंटर तक में इस्तेमाल होती हैं, लेकिन हाल के वर्षों में एनवीडिया जैसी कंपनियां एआई के क्षेत्र में आगे बढ़ गई हैं।

जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ दिवालिया प्रॉसीडिंग्स

▶▶ बैंकों ने एनसीएलटी में डाली थी कंपनी के खिलाफ याचिका

▶▶ कंपनी पर 28 बैंकों का 48,000 करोड़ रुपये बकाया हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय संकट से जूझ रहे जेपी ग्रुप ने अपनी प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स को दिवालियापन से बचाने के लिए ग्लोबल क्रेडिट फंड्स से संपर्क साधा है। ग्रुप की योजना वर्डे पार्टनर्स, एरेस, सेर्बेरस और हिलहाउस वैश्विक क्रेडिट फंड्स से 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। इस मुहिम की अगुवाई जेपी ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ मनोज गौड़ कर रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई में बैंकों ने जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए के एक याचिका डाली थी जिसे नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 3 जून को स्वीकार कर लिया था। ग्रुप ने अपनी फ्लैगशिप कंपनी को दिवालिया होने से बचाने की मुहिम तेज कर दी है। हालांकि जानकारों का कहना है कि लैंड अथॉरिटीज के साथ जयप्रकाश एसोसिएट्स के विवाद क्रेडिट फंड्स के साथ बातचीत में बाधा बन सकते हैं।

जेएएल और क्रेडिट फंड्स के बीच बातचीत से अवगत एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के कर्ज पर मूलधन का भुगतान 2037 में होना है। वे अपनी उधारी को रिफाइनेंस करने के लिए फंड्स जुटाने की कोशिश में हैं। साथ ही कर्ज को कम करने के लिए एसेट्स बिक्री की भी तैयारी है। कंपनी के पास नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर रियल एस्टेट, सीमेंट प्लांट, रेजिडेंशियल बिल्डिंग्स, होटल और एक अस्पताल के अलावा फॉर्मूला वन रेस ट्रैक भी है।

कितना है कर्ज

जेएएल को कर्ज देने वाले एक बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जयप्रकाश एसोसिएट्स एक एसेट हेवी कंपनी है। इस लिहाज से यह किसी भी अन्य कंस्ट्रक्शन कंपनी से अलग है। इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया की वेबसाइट के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल 28 बैंकों ने इस कंपनी के खिलाफ ?48,000 करोड़ के दावे दायर किए हैं। कानूनी जानकारों का कहना है कि आईबीसी में ऐसे प्रावधान हैं कि इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू होने के बाद भी कंपनियों को कानूनी प्रक्रिया से बाहर निकाला जा सकता है।

एकोम लीगल के जॉइंट मैनेजिंग पार्टनर एनपीएस चावला ने कहा कि आईबीसी की धारा 12ए के तहत लेनदारों की समिति के 90 प्रतिशत वोटिंग शेयर की मंजूरी से एनसीएलटी के आदेश द्वारा दिवालियापन कार्यवाही वापस ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि लेनदारों की समिति का गठन नहीं किया गया है, तो लेनदारों की 90 प्रतिशत स्वीकृति की आवश्यकता को भी समाप्त किया जा सकता है। इसके लिए मूल आवेदक को अंतरिम समाधान पेशेवर के माध्यम से फॉर्म एफए दाखिल किया जा सकता है। कंपनी ने पिछले नवंबर में बैंकों को एकमुश्त निपटान प्रस्ताव दिया था। लेकिन लेनदारों ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि तब कंपनी के पास पैसे नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

पलामू पुलिस ने अपराधी विशाल चौधरी को किया गिरफ्तार, मुठभेड़ के दौरान लगी थी गोली

पलामू, एजेंसी। पलामू पुलिस ने एक बड़े अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है. विशाल चौधरी को अरेस्ट कर लिया गया है. उनकी गिरफ्तारी शुक्रवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के बाद हुई. बताया जाता है कि मुठभेड़ के दौरान उन्हें गोली लगी थी, जिसके बाद वह एक जंगल में छिप गया था. पुलिस ने उसे लंबे समय तक चली खोजबीन के बाद धर दबोचा. फिलहाल वह मेदिनीनगर एमएमसीएच में भर्ती है. जानकारी के मुताबिक अपराधी विशाल चौधरी कई ज्वेलरी दुकानों की लूटपाट कांड में भी शामिल रहा है. इसके अलावा वह उग्रवादी संगठन के लिए भी काम कर चुका है. पुलिस को उसकी लंबे समय से तालाश थी. लेकिन वह हर बार पुलिस की चुंगल से बच निकलता था. पुलिस को उसके अलावा एक अपराधी की मोनू सोनी भी तलाश थी. लेकिन वह बच निकला. बताया जाता है कि वह कई अपराधिक घटनाओं का मास्टर माइंड रहा है. शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में वह भी शामिल था लेकिन वह मौके पाते ही फरार हो गया.

भारी बारिश से रांची एयरपोर्ट के रन-वे पर भरा पानी, कई विमान लेट

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची और देश की राजधानी दिल्ली में हुई भारी बारिश का असर रांची की विमान सेवा पर भी देखा गया. दिल्ली से रांची आने वाले कई विमान घंटों विलंब से यहां पहुंचे. विमानों के देरी से आने की वजह से रांची से विमानों ने देर से उड़ान भरी. विमान यात्रियों को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करना पड़ा. दिल्ली से 6 विमान शुक्रवार को विलंब से रांची पहुंचे. एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची–दिल्ली विमान सुबह 10ः20 बजे के स्थान पर 10ः41 बजे उड़ा. एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची–दिल्ली विमान दोपहर 1ः30 बजे के स्थान पर दोपहर 2ः14 बजे, इंडिगो का रांची–दिल्ली विमान दोपहर 2ः40 बजे के स्थान पर शाम 7ः28 बजे उड़ा. इसी तरह विस्तारा का रांची–दिल्ली के विमान ने विमान दोपहर 3ः40 बजे के स्थान पर शाम 4ः39 बजे, इंडिगो का रांची–दिल्ली विमान शाम 5ः30 बजे के स्थान पर शाम 6ः56 बजे व एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची–दिल्ली विमान शाम 6ः35 बजे के स्थान पर शाम 7ः22 बजे उड़ान भरी. इस बाबत एयरलाइंस के अधिकारी ने बताया कि बारिश व एयर ट्रैफिक के कारण विमान विलंब से पहुंचे और गये.

सेवानिवृत्त माइनिंग सरदार के आवास पर डाका, पिस्टल का भय दिखा कर नगदी व 10 लाख का गहना ले भागे अपराधी

तेतुलमारी, एजेंसी। तेतुलमारी थाना क्षेत्र के पीएसटी स्टेशन मार्ग निवासी बीसीसीएल के सेवानिवृत्त माइनिंग सरदार मनी महतो के आवास में गुरुवार की रात अपराधियों ने डाका डाला. पिस्तौल का भय दिखाकर करीब दस लाख रुपये के सोने के जेवरात और नकद करीब एक लाख रुपये ले भागे. गृहस्वामी ने बताया कि अपराधियों ने आवास के मेन गेट में लगे ताले को तोड़कर घर में प्रवेश किया. उसके बाद मुख्य दरवाजे के बगल में सो रहे उन्हें तथा उनकी पत्नी कुंती देवी को पिस्तौल तथा छुरा का भय दिखाकर कब्जे में ले लिया. उसके बाद अपराधियों ने तीन कमरों में बक्शा, अलमारी तोड़कर सोने के जेवरात तथा नगद करीब एक लाख रुपये लेकर चलते बने. गृहस्वामी ने बताया कि घटना करीब 12–30 बजे रात की है. ढाई घंटे तक घर में रहकर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया. अपराधी नकाबपोश में थे और छह की संख्या में थे. घर में बुजुर्ग पति–पत्नी के अलावा एक छोटी बच्ची थी. गृहस्वामी के तीनों पुत्र बाहर में थे. मनी महतो ने बताया कि अपराधियों ने मारपीट की. लुटे गये आभुषणों में सोने का हार, चेन, कंगन, बाला, मोबाइल अन्य कीमती सामग्री शामिल हैं. सुबह गृहस्वामी के आवास पर लोगों की भीड़ जुट गयी. कुंती देवी रो–रो कह रही थी कि जीवन भर की कमाई अपराधी लूट कर ले भागे. इस घटना से वह काफी आहत हैं. घटना की सूचना पाकर रात में ही तेतुलमारी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की. शुक्रवार की सुबह भी गृहस्वामी के आवास पहुंचकर जांच पड़ताल की. इस मामले में तेतुलमारी थानेदार लव कुमार चौधरी ने कहा कि बाहर में है. घटना की सूचना मिली है.

बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन, सभी उपायुक्तों को किया गया अलर्ट

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से झारखंड के सभी जिलों के उपायुक्तों को अलर्ट किया गया है. मौसम विभाग ने कहा है कि 4 अगस्त से 2-3 दिन तक झारखंड में मौसम साफ रहेगा. भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र ने 3 अगस्त को भी तेज हवा और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इसके मद्देनजर आपदा प्रबंधन विभाग ने भी लोगों से अलर्ट रहने को कहा है.

गुरुवार रात से शुक्रवार देर रात तक लगातार होती रही बारिश से पूरी राजधानी पानी-पानी हो गयी. न्यू शांतिपुरम, न्यू नगर बांधगाड़ी इलाके में पानी भर जाने से वहां रहनेवाले लोग अपने घर में ही बंधक बन गये. घर के बाहर रखी गाड़ियां आधी से अधिक डूब चुकी थीं. लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ की टीम की मदद लेनी पड़ी.

अत्यधिक बारिश के कारण रांची-कुडू मुख्य मार्ग (ओल्ड एनएच-75) पर रातू से पहले बना डायवर्सन क्षतिग्रस्त हो गया है. इस पर वाहनों का प्रवेश और परिचालन रोक दिया गया है. मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात 1ः00 बजे से शुक्रवार की रात 8ः00 बजे तक रांची में

लगभग 145 मिमी बारिश हो चुकी थी. इसके बाद भी लगातार बारिश होती रही.

राजधानी रांची में इस वर्ष की यह सबसे अधिक बारिश है. राजधानी में शनिवार दोपहर बाद से मौसम में सुधार की उम्मीद है. मौसम विभाग ने शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. मौसर्मा वभाग के पूर्वानुमान के आधार पर मुख्यमंत्री ने राज्यभर के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को शनिवार को बंद रखने का निर्देश दिया है. आदेश के तहत केजी से लेकर 12वीं तक की सभी कक्षाएं स्थगित रहेंगी.

शुक्रवार को रांची, दुमका, जामताड़ा, देवघर, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह, कोडरमा, खूंटी, पलामू, लोहरदगा, गुमला आदि जगहों में भारी बारिश हुई. कई इलाके जलमग्न हो गये और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. मौसम विभाग ने तीन अगस्त को भी कई जगहों पर भारी बारिश की संभावना जतायी है. पलामू, गढ़वा, लातेहार, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा आदि इलाके में गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है.

इधर, रांची के तीनों डैम का जलस्तर बढ़ गया. वहीं, पोटपोटो और जुमार नदी उफान पर है. शहर के लगभग सभी नाले भर गये. हरमू मुक्तिधाम के पास पुल के ऊपर से पानी बहने लगा. कांके रोड कृषि भवन के सामने की सड़क तालाब बन गयी. उधर, हिंदपीढ़ी में कई घरों में बारिश का पानी घुस गया.

डेली मार्केट के पास नाले का गंदा पानी सड़क के बीच बहने लगा, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई. कचहरी के पास भी सड़क पर तालाब की स्थिति बन गयी. हरमू, विद्यानगर में पानी भर जाने से लोगों को दिक्कतें हुई. राजधानी के एसएस मेमोरियल कॉलेज, डोरंडा कॉलेज कैंपस सहित पीजी कॉमर्स विभाग के अंदर पानी भर गया. विद्यार्थी सहित शिक्षक बाहर निकल गये.

स्कूल खुला रहने के कारण छुट्टी होने के बाद विद्यार्थियों सहित अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. सड़क पर जहां-तहां पानी का जमाव होने से वाहनों से जाम की स्थिति बनी रही. रातू रोड के कई निचले इलाके में डूब की स्थिति बन गयी. भारी बारिश से जहां रातू रोड, कांटाटोली व सिरमटोली-मेकन फ्लाइओवर का कार्य बाधित हो गया, वहीं सड़क पर पानी भर जाने से आने-जाने वालों को काफी मशक्कत करनी पड़ी.

पिछले 24 घंटे से लगतार हो रही बारिश के कारण संताल परगना में नदिया उफन पर हैं. खेत-खलिहान पानी से लबालब हैं. साहिबगंज में गंगा व गुमानी नदी उफान पर हैं. बासुकिनाथ के पास रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है. इससे दुमका व गोड्डा जानेवाली सभी ट्रेनें रद्द कर दी गयी हैं. मिर्जाचौकी में रेलवे फाटक के पास पासी टोला मुहल्ले में कई घरों में नालों का गंदा पानी घुस गया.

धनबाद में 24 घंटे से ज्यादा समय तक लगातार बारिश होने की वजह से शहर और आसपास के इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. कतरास में पांच दुकानें धंस गयीं. गोधर में गैस रिसाव से अंधेरा छा गया और आसपास के लोगों का सांस लेना मुश्किल होने लगा है. बीसीसीएल ने कोलियरियों को लेकर अलर्ट जारी कर अंडर ग्राउंड माइंस, नदी और तालाब के किनारे के ओपेन कास्ट माइंस को सजग रहने को कहा है. राज्य में बारिश हो रही है. ऐसे भी बहुत कम बारिश हुई थी. हम बारिश की उम्मीद कर रहे हैं. बारिश से नुकसान की सूचना आ रही है. सरकार इसको देख रही है. अगले एक-दो दिन और बारिश की संभावना है. इससे निबटने की तैयारी है.

मधुबन में अभाविप की केंद्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक शुरू

पीरटांड़, एजेंसी। जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल पारसनाथ के मधुबन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की केंद्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय(तीन व चार अगस्त) बैठक शनिवार से शुरू होगी. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की इस केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में अभाविप राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत, एस. बालकृष्ण, गोविंद नायक समेत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य तथा अभाविप के आयाम, कार्य, गतिविधि, कार्य विभाग के राष्ट्रीय प्रमुख तथा संयोजक के साथ-साथ मित्र राष्ट्र नेपाल के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे. बैठक की शुरुआत शनिवार को पूर्वाह्न 9ः30 बजे होगी.विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यसमिति की यह बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण होगी. बैठक में विद्यार्थी परिषद की पिछली गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं का निर्धारण होगा. विद्यार्थी परिषद की इस केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय होंगे. शिक्षा, समाज, वर्तमान परिदृश्य आदि विभिन्न विषयों सहित संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के बाद आगामी दिशा-योजना निर्धारित होगी तथा अभाविप के पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों के वृत्त तथा अनुभव पर चर्चा होगी. इस बैठक में विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में हो रहे परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की स्थिति, अभाविप की संगठनात्मक गतिविधियों पर संवाद के साथ शिक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलावों, देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 2024 में आयोजित होने के लिए प्रस्तावित छात्रसंघ चुनावों समेत परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के उपाय आदि अन्य प्रमुख बिंदुओं पर भी विचार विमर्श कर संगठनात्मक दिशा तय होगी.

सरकारी जमीन पर बनाए कार्यालय, पैसा कहां से आया, हेमंत सोरेन का भाजपा से तीखा सवाल

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन भाजपा पर जमकर निशाना साधा। भाजपा विधायकों के भारी हंगामे और शोरगुल के बीच उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ राजनीतिक मोर्चा पर घेराबंदी की।

34 मिनट के संबोधन में उन्हें केंद्र की नीतियों पर भी प्रहार किया। उन्होंने राज्य के सभी जिलों में बनाए गए भाजपा कार्यालय पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई कार्यालय सरकारी और गैर मजरूआ भूमि पर बनाए गए। इस क्रम में हत्याएं भी हुई। सवाल उठाया कि ये हमें जेल में डालते हैं, लेकिन इन्हें बताना चाहिए कि सभी जिलों में भाजपा कार्यालय बनाने के लिए पैसा कहां से आया इनके पीछे सीबीआइ क्यों नहीं लगती है

भाजपा कार्यालयों की तस्वीरें दिखाते हुए उन्होंने कहा कि यह उनका कच्चा चिट्ठा है। पांच साल में इन्होंने

जमीन लूटी है। चोरी नहीं, डाका डालने का काम किया है। कुछ जिले में जमीन के लिए मर्डर हुआ। कहीं दो-दो मर्डर हुए। इनको जनता से कुछ लेनादेना नहीं है। ये छल-प्रपंच और झूठ-फरेब की दुकान चलाते हैं।

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि उनके राज्य में लोग डूब रहे हैं और वे वोट के लिए यहां भ्रम फैला रहे हैं। हम उनके राज्य के लिए पैसे दे रहे हैं और ये झारखंड का भ्रमण करते हैं। ये असम से झारखंड को लूटने आए हैं। इनका असम से भी सफाया हो जाएगा।

भाजपा द्वारा नियुक्तियों को लेकर सदन में हंगामा करने पर आड़े हाथों लेते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि हमलोगों ने गैर सरकारी संस्थानों में एक लाख से अधिक लोगों को नियुक्ति दिया। सरकारी विभागों में हजारों नियुक्तियां हुई। कई जिलों में जाकर हजारों बच्चों को नियुक्ति पत्र अपने हाथ से दिया। आज ये बच्चे देश-विदेश में नौकरी और स्वरोजगार कर रहे हैं। सरकारी नौकरी में इन्होंने 20 साल में नियमावली नहीं बनाई। सारी नियुक्ति नियमावली हमारे शासनकाल में बनी। नियुक्तियों के लिए नियोजन और स्थानीय नीति बनाया।

उन्होंने कहा कि ये पीठ में छुरा मारते हैं। सामने से वार करने की क्षमता नहीं है। ये कोर्ट-कचहरी और गवर्नर के माध्यम से सरकार को ध्वस्त करना चाहते थे। नियोजन नीति के खिलाफ भाजपा का एक सक्रिय कार्यकर्ता कोर्ट गया। ये हमको रोकने का काम करते हैं। हमने कानून बनाया तो उसे असंवैधानिक बताते हैं और ये करते हैं तो संवैधानिक बताते हैं। हमने पहली बार वैज्ञानिक नियुक्ति किए। रिम्स में ग्रेड ए की नर्सों की नियुक्ति निकाली।लिपिक लेखा पदाधिकारी की नियुक्ति की।हेमंत सोरेने ने कहा कि नियुक्तियों मे यहां के 83 प्रतिशत आदिवासी-मूलवासी को नियुक्त किया। कइयों में 100 प्रतिशत नियुक्ति इन्हीं लोगों की हुई। इनको आइना दिखाएंगे। पंचायत सचिव, पंचायत कर्मचारी, आइटीआइ प्रशिक्षक, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, पशु चिकित्सक, आयुष शिक्षक, उद्यान पदाधिकारी नियुक्त नियुक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग सिर्फ समय बर्बाद करेंगे। ये लोग इसे अंतिम सत्र सत्र कह रहे, लेकिन यह अनवरत चलने वाला सत्र है। महिला सशक्तीकरण के लिए हमने दस हजार करोड़ दिए। कोरोना में एक आइसीयू बेड नहीं था।

झारखंड में फिर बह गया पुल, बोकारो से रांची के लिए नहीं चली एक भी बस, लोग परेशान

गोमिया, एजेंसी। झारखंड में दो दिन से हो रही भारी बारिश की वजह से कई पुल-पुलिया ध्वस्त हो गए. शुक्रवार की देर रात रांची के रातू रोड में गरगा नदी पर बना डायवर्सन बह गया, तो शनिवार को सुबह-सुबह बोकारो जिले में बोकारो नदी पर बना पुल बह गया. इसमें एक ग्रामीण के भी पानी में बह जाने की सूचना है.

जिले के गोमिया प्रखंड में करोड़ों की लागत से बना पुल बह गया. होसिर पंचायत और सियारी पंचायत को जोड़ने वाला पुल सुबह-सुबह बह गया. मुखिया ने बताया कि गोमिया प्रखंड में लगातार 24 घंटे से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिसकी वजह से बोकारो नदी का जलस्तर बढ़ गया. नदी की तेज धार में पुल का एक हिस्सा टूटकर बह गया.मुखिया ने बताया कि एक व्यक्ति पानी में बह गया. एक अन्य ग्रामीण बहने से बच गया. बोकारो जिले के गोमिया और पेटरवार पथ को जोड़ने वाले इस पुल के बह जाने की वजह से आवागमन पूरी तरह से ठप है. नदी उफनाई हुई है, जिसकी वजह से पेटरवार और हजारीबाग के बीच आवागमन ठप हो गया है.झारखंड की राजधानी रांची जाने वाली एक भी बस आज बोकारो से नहीं चली. रांची जाने वाले लोगों को बसों के नहीं चलने की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

बारिश से बढ़ा जलाशयों का जलस्तर, कांके डैम में खतरे के निशान से केवल दो फीट कम है पानी

रांची, एजेंसी। रांची में शुक्रवार को हुई बारिश से डैमों का जलस्तर भी बढ़ा है. कांके डैम में खतरे के निशान से सिर्फ दो फीट पानी कम है. इस डैम का अधिकतम जलस्तर 28 फीट है. शुक्रवार की देर रात इसका जलस्तर बढ़कर 26 फीट एक इंच हो गया है.

राजधानी की 80 फीसदी आबादी को पानी पहुंचाने वाला रुक्का डैम का जलस्तर बढ़कर 24 फीट 5 इंच हो गया है. इस डैम की अधिकतम क्षमता 36 फीट है. पिछले वर्ष 02 अगस्त को डैम में 18 फीट 2 इंच पानी था. फिलहाल इस डैम में छह फीट अधिक पानी है.

इधर, हटिया डैम में पिछले वर्ष की तुलना में 5 फीट पानी कम है. वर्तमान में रांची के हटिया डैम का जलस्तर लगभग 20 फीट है. पिछले वर्ष दो अगस्त को इस डैम में 25 फीट पानी था. इस डैम की अधिकतम क्षमता 39 फीट है. मौसम विभाग के अलर्ट के बाद रांची नगर निगम सक्रिय हो गया. आने वाले दिनों में तेज बारिश की संभावना को देखते हुए जलजमाव और यातायात में बाधा उत्पन्न होने जैसी परिस्थिति बन सकती है. निगम ने मौसम को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की

अपील की है. साथ ही इलाके में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल सूचना निगम के टोल फ्री नंबर 18005701235 या 8141231235 पर देने की अपील की गयी है. नगर निगम की ओर से कहा गया कि सूचना देने के बाद जलजमाव वाले मोहल्ले में निगम की टीम जायेगी़ निगम ने लोगों से अपील की है कि बहुत जरूरी हो, तभी बारिश के बची घरों से निकलें.

रांची सिटीजन फोरम के अध्यक्ष दीपेश निराला ने राजधानी में जलजमाव के लिए रांची नगर निगम की लचर व्यवस्था को जिम्मेवार ठहराया है. उन्होंने कहा कि रांची के नाला और नाली की सफाई के लिए कोई विशेष अभियान नहीं चला. रांची नगर निगम केवल दावे करता रहा. निगम के दावे की वास्तविक स्थिति क्या है, वह आज बारिश के बाद सामने आ गयी. निगम की पोल खुल चुकी है. आगे से निगम को इस कार्य पर फोकस करने की जरूरत है. नहीं, तो हमेशा ऐसे स्थिति उत्पन्न होगी.

जोरिया में बाढ़, करमाटांड़ कॉलोनी के 400 परिवार घरों में कैद

जोरिया, एजेंसी। जोरिया पुल पर काफी ऊपर तक बह रहा है पानी, सुबह बच्चे नहीं जा पाये स्कूल दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश से बलियापुर प्रखंड के कहालडीह जोरिया में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. पुलिया से काफी ऊपर तक पानी बह रहा है. इसके कारण बीसीसीएल करमाटांड़ कॉलोनी में रहने वाले लगभग 400 परिवार घरों में कैद हो गये हैं. कॉलोनी के लोगों का राशन-पानी लेने के लिए निकलना मुश्किल हो गया है. कॉलोनी के बच्चे जोरिया में बाढ़ के कारण शुक्रवार को स्कूल नहीं जा पाये. कॉलोनी आनेवाले वाहनों का आवागमन बंद हो गया है. वैकल्पिक रास्ता नहीं रहने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

जमुनिया नदी उफान पर, एबीओसीपी में उत्पादन प्रभावित झमझाम बारिश से बाघमारा में जमुनिया नदी उफान पर है. माटीगढ़ा डैम में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. बारिश से एकीकृत ब्लॉक दो ओसीपी माइंस में 30-40 प्रतिशतउत्पादन प्रभावित हो गया है. हाइवाल माइंनिग फेस में पानी भरने से कोयला का उत्पादन बाधित हो गया है. हालांकि पानी निकासी के लिए हैवी मोटर पंप लगाया गया है. हॉल रोड पर फिसलन का खतरा बढ़ने से ट्रांसपोटिंग भी प्रभावित है. सुरक्षा को लेकर मशीनों को ग्रीन जोन में खड़ा कर दिया गया है. आउटसोर्सिंग कंपनी अंबे माइनिंग एवं खेमका कैरियर में भी उत्पादन बाधित है.

एक तरफ महिलाओं की सुरक्षा को लेकर धनबाद पुलिस लगातार अभियान चला रही है. इसके लिए टोल फ्री नंबर तक जारी किया गया है. बावजूद इसके धनबाद में महिलाओं की सुरक्षित नहीं हैं. राह चलते उनके साथ छिनतई और चेन स्नेचिंग जैसी घटनाएं होती हैं. इस वजह से महिलाओं का घर से बाहर निकलना दुभर हो गया है. महिलाएं बाहर निकलती भी हैं तो चेन पहनने से परहेज करती हैं. ऐसा नहीं है कि अपराधी सिर्फ सोने की चेन ही छिनते हैं. कई बार सोने की चेन जैसी दिखने वाली रोल गोल्ड की चेन भी अपराधी छीन लेते हैं. अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है कि वे राह चलती महिलाओं के गले में हाथ डालते हैं और चेन छीनकर फरार हो जाते हैं. इस दौरान कई महिलाएं गिरकर जख्मी भी हो जाती हैं. कुछ माह पहले ही झाड़ूडीह में रहने वाली एक महिला का चेन छीनने का प्रयास किया गया और महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी थी. धनबाद में पिछले कई सालों से बाइकर्स गैंग महिलाओं से चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहा है. चेन छीनने के बाद अपराधी फरार हो जाते हैं, पुलिस न तो उन्हें चिह्नित कर पाती हैं और न ही उन्हें गिरफ्तार कर पाती है.

झमाझम बारिश से उत्पादन-डिस्पैच प्रभावित

धनबाद, एजेंसी। झमाझम बारिश का असर बीसीसीएल-इसीएल के कोयला उत्पादन पर भी पड़ा है. बीसीसीएल में 80 फीसदी से ज्यादा व इसीएल में 70 फीसदी से ज्यादा कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ है. इधर दो दिन से हो रही बारिश के कारण भूमिगत व खुली खदानों में पानी भरने के खतरे को देखते हुए बीसीसीएल व ईसीएल प्रबंधन ने हाई अलर्ट जारी किया है.

नदी के किनारे स्थित खुली व भूमिगत खदानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है. मुख्यालय से लेकर कोलियरी स्तर पर कंट्रोल रूम संचालित कर दिया गया है, जो हर घंटे की रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेज रहा है. हालांकि बीसीसीएल में बारिश के कारण किसी घटना-दुर्घटना की सूचना नहीं है. भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्र होने कारण कारण भारी बारिश से कोयलांचल में गैस रिसाव और भू-धंसान की घटनाएं भी बढ़ गई हैं. लगातार झमाझम बारिश से इन इलाकों में गैस रिसाव का खतरा बढ़ गया है. इसे लेकर बीसीसीएल विशेष सतर्कता बरत रही है.

सूचना के मुताबिक बीसीसीएल के दामागोडिया में सर्वाधिक 109 एमएम, वहीं बस्ताकोला, कुसुंडा व लोदना में 85 एमएस से अधिक बारिश दर्ज की गयी है. तेज बारिश के कारण करीब 80-90 फीसदी तक कोयला उत्पादन पर असर पड़ा है. बीसीसीएल जहां रोज प्रथम पाली में 35-40 हजार टन कोयला उत्पादन करती है.

सेन का अगला लक्ष्य ओलंपिक सेमीफाइनल

पेरिस, एजेंसी। ओलंपिक 2024 का 7वां दिन भारतीय एथलीटों के काफी कमाल का रहा। शुक्रवार के दिन कई भारतीय एथलीट एक्शन में नजर आए। इसी बीच भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। लक्ष्य का अब अगला टारगेट भारत के लिए मेडल पक्का करना होगा। सेमीफाइनल मैच को अगर वह जीत जाते हैं तो भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल तो पक्का हो ही जाएगा। लक्ष्य सेन इस ओलंपिक में काफी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह एक के बाद एक अपने से टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हरा रहे हैं और आगे बढ़ते जा रहे हैं।

कैसा रहा लक्ष्य का मैच

लक्ष्य सेन ने ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। लक्ष्य सेन ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में चाइनीज ताइपे के खिलाड़ी को हराया। उनके लिए इस मैच को जीत पाना आसान नहीं रहा। अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबला के पहले सेट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में काफी करीब आकर 19-21 से हार गए, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने खुद को काबू में रखा और अगले दो सेट में कमाल का कमबैक किया।

ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर पहला सेट हार जाने के बाद बड़े से बड़े खिलाड़ी अपना आपा खो देते हैं, लेकिन लक्ष्य सेन ने ऐसा नहीं किया और पहला सेट हारने के बाद दूसरे सेट में जोरदार प्रदर्शन किया और इस सेट को 21-15 से अपने नाम किया। बस इसी मौके पर चाइनीज ताइपे खिलाड़ी ने अपना आपा खो दिया और सेन ने इस मौका का फायदा उठाया और तीसरे सेट में उन्हें 21-12 के अंतर से हरा दिया।

सेन ने रचा इतिहास

लक्ष्य सेन ने मेंस सिंगल इवेंट के फाइनल में जाकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह ओलंपिक के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले किसी भी अन्य पुरुष खिलाड़ी ने बैडमिंटन में यहां तक का सफर नहीं तय किया था। हालांकि वुमेंस सिंगल में पीवी सिंधु ओलंपिक फाइनल तक खेल चुकी हैं।

मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड की आस

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली देश की स्टार वेटलिफ्टर सेखोम मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड मेडल की आस है. इम्फाल के नॉनपोक काकचिंग की यह एथलीट 49 किलो भारवर्ग में वजन उठाकर गोल्ड मेडल का जोर लगाएंगी. पेरिस ओलंपिक में इस कैटिगरी में क्वॉलीफाई कर चुके बाकी एथलीट्स को देखें तो फिलहाल दुनिया में सिर्फ एक ही वेटलिफ्टर है, जिसने मीराबाई से ज्यादा वजन उठाया है. मीराबाई ने 2022 कॉमनवेल्थ खेलों में भी गोल्ड अपने नाम किया था और उन्होंने वर्ल्ड चैम्पियनशिप्स में भी सिल्वर मेडल जीता था. लेकिन वह 2022 एशियाई खेलों में अपना जलाव नहीं दिखा पाई थीं. अगर मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक में फिट रहती हैं और अपने इवेंट के दिन वह अपना पूरा दमखम झोंक पाईं तो फिर कोई कारण नहीं है कि उनके पास पीला तमगा न हो. भारतीय फैन्स इस बार उनके स्नैच, क्लीन और जर्क राउंड में बेहतरीन तालमेल के साथ सबसे ज्यादा वजन उठाते देखने को बेताब हैं. उन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों में कुल 201 किलो वजन उठाकर सोने का तमगा अपने नाम किया था, तब उनके मुकाबले में उनके आसपास भी कोई नहीं थी.

भारत का हॉकी क्वार्टरफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन से मुकाबला

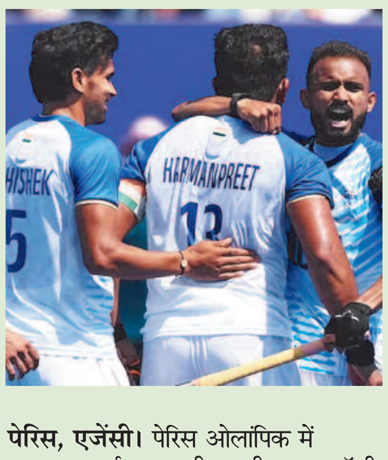

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलांपिक में शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम का क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन से रविवार को मुकाबला होगा। रविवार 4 अगस्त को, पूल ए विजेता जर्मनी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला रियो 2016 के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना से होगा, जो पूल बी में चौथे स्थान पर रहा, पूल बी टेबल-टॉपर्स और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम का सामना पूल ए की चौथे स्थान पर रहने वाली टीम स्पेन से होगा। नीदरलैंड पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और अब अंतिम आठ में उसे पूल बी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करना होगा, जिसमें पूल बी उपविजेता भारत पूल ए में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा।

भारतीय पुरुष टीम ने म्यूनिख 1972 के लगभग 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया पर अपनी पहली ओलंपिक हॉकी जीत हासिल की, क्योंकि टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कूकाबुरास के खिलाफ 3-2 की जीत में दो बार स्कोर करके पूल में दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। मॉस्को 1980 के बाद भारत को अपना पहला स्वर्ण पदक दिलाने की उम्मीद रखने वाले हरमनप्रीत ने कहा, हमने (टूर्नामेंट) जीत के साथ शुरू किया था, और हमने फैसला किया कि हम एक विजयी मैच के साथ समापन करेंगे।

टीम इंडिया में वापसी से पहले शमी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नईदिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी आखिरी बार 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में मैदान पर दिखाई दिए थे. शमी इन दिनों इंजरी से रिकवर हो रहे हैं. अभी भारतीय पेसर को लेकर यह साफ नहीं हो पाया है कि कब टीम इंडिया में उनकी वापसी होगी. हालांकि शमी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले घरेलू क्रिकेट खेल सकते हैं. घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद शमी की टीम इंडिया में वापसी होगी. भारतीय सीमर ने खुद घरेलू क्रिकेट खेलने के बारे में बात की.

शमी को कोलकाता में ईस्ट बंगाल क्लब ने सम्मानित किया. इसी सम्मान समारोह के दौरान शमी ने अपनी वापसी को लेकर बात की. भारतीय पेसर ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि मैं कब वापस आऊंगा. मैं बहुत कोशिश कर रहा हूं लेकिन दोबारा भारतीय जर्सी पहनने से पहले आप मुझे बंगाल के कलर्स में देखेंगे. मैं बंगाल के लिए 2-3 मैच खेलने आऊंगा और पूरी तैयारी से आऊंगा. बता दें कि कुछ वक़्त पहले ही बीसीआई के सचिव जय शाह ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का हिस्सा रहने वाले खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने की बात कही थी. आगे इंजरी को लेकर बात करते हुए शमी ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि चोट इतनी गंभीर होगी. इसको टी20 वर्ल्ड कप के बाद देखने का प्लान था क्योंकि पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप के बाद आईपीएल और फिर तुरंत बाद टी20 वर्ल्ड कप था. लेकिन यह वनडे वर्ल्ड कप के दौरान और गंभीर हो गई और मैंने इसके साथ खेलने का रिस्क नहीं लिया. यहां तक डॉक्टर्स भी नहीं सोच सकते थे कि चोट इतनी गंभीर हो जाएगी और इसको ठीक होने में इतना टाइम लगेगा.

गौरतलब है शमी ने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में सिर्फ 7 मैच खेले थे. 7 मैच खेलने के बाद वह टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे. भारतीय पेसर ने कुल 24 विकेट अपने नाम किए थे.

इंडिया वर्सेस श्रीलंका

14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं: रोहित शर्मा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में जीत की स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम को टाई से संतोष करना पड़ा। श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 230 रन बनाए थे। भारतीय टीम को 14 गेंदों पर एक रन चाहिए था लेकिन अर्शदीप के रूप में आखिरी विकेट गिर जाने के कारण मुकाबला टाई हो गया। मैच के बाद निराश भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ मैच में जीत के लिए 14 गेंद में एक रन बना लेना चाहिए था। भारतीय टीम 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 58 रन की तेज पारी के बावजूद 47.5 ओवरों में 230 रन पर सिमट गई। भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका के 4 स्पिनरों के सामने कभी सहज नहीं रहे। कप्तान रोहित ने मैच के बाद कहा कि स्कोर हासिल किया जा सकता था। लेकिन इसके लिए आपको अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। हमने टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन लय नहीं बना पाए। हमने अच्छी शुरुआत की।

हार्दिक को रिलीज करेगी मुंबई इंडियंस!

रोहित-सूर्यकुमार समेत इन 4 खिलाड़ियों को करेगी रिटेन

नईदिल्ली, एजेंसी। कुछ दिन पहले बीसीसीआई के वानखेड़े ऑफिस में आईपीएल के अधिकारियों और टीम मालिकों के बीच मीटिंग हुई. कुछ टीमों के मालिक इस मीटिंग के लिए बीसीसीआई ऑफिस में उपस्थित हुए तो कुछ ने वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया. मीटिंग से कई हैरान करने वाली खबरें भी सामने आई. हालांकि, इस बीच एक और बड़ी खबर आई है. यह खबर मुंबई इंडियंस के खेमे से जुड़ी है. रिपोर्ट्स की मानें तो मुंबई इंडियंस अपने कप्तान हार्दिक पांड्या को रिलीज करने वाली है. दरअसल, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक पांड्या को दोबारा अपनी टीम से जोड़ा था. साथ ही फ्रेंचाइजी ने रोहित शर्मा से कप्तानी लेकर इस स्टार ऑलराउंडर को दे दी थी. फिर भी टीम कुछ कमाल नहीं कर सकी और प्लेऑफ तक में जगह नहीं बना सकी. अब खबर है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक पांड्या को रिलीज कर देगी.

नहीं हुए बदलाव तो चार खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी टीमें

आईपीएल के नियमों के हिसाब से हर तीन साल में मेगा ऑक्शन का आयोजन होता है. इस बार दिसंबर में फिर मेगा ऑक्शन होगी. ऐसे में सभी 10 टीमों को सिर्फ चार-चार खिलाड़ी ही रिटेन करने की अनुमति होगी. हालांकि, एक रिपोर्ट यह भी है कि इस बार रिटेन करने वाले खिलाड़ियों की सख्या में इज़ाफा हो सकता है. अभी तक बीसीसीआई या आईपीएल ने इसे लेकर कुछ नहीं कहा है. पर रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अब पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकेगा.

इन 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है मुंबई इंडियंस

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई इंडियंस किसी भी सूरत में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को अपने साथ रखना चाहती है. ऐसे में फ्रेंचाइजी हार्दिक पांड्या को रिलीज करेगी, क्योंकि सूर्यकुमार अब टी20 फॉर्मेट में देश के कप्तान हैं. ऐसे में फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम की कमान सौंप सकती है. रोहित भी सूर्या की कप्तानी में खेलने में सहज होंगे. रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 के लिए सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा को रिटेन कर सकती है. इसमें कोई शक नहीं है कि फ्रेंचाइजी अब नए सिरे से टीम तैयार करना चाहती है. ऐसे में आगामी सीजन में हमें टीम में कई नए खिलाड़ी देखने को मिल सकते हैं.

पहले गोल्ड मेडल और फिर शादी का प्रपोजल

पेरिस ओलंपिक में गर्लफेंड के गोल्ड मेडल जीतते ही बॉयफ्रेंड ने रखा शादी का प्रस्ताव

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अभी तक 7 दिनों के खेल पूरे हो चुके हैं. हर एक देश ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतने की कोशिश कर रहा है. इस बार ओलंपिक में कुछ विवाद भी देखने को मिल रहे हैं. लेकिन इस सब के बीच फैंस को एक प्यार भरा पल भी देखने को मिला है. चीन की एक खिलाड़ी ने लिए ये ओलंपिक सबसे ज्यादा यादगार बन गया है. ये खिलाड़ी इस बार ओलंपिक में गोल्ड मेडल के साथ-साथ अपना शादी का प्रपोजल पाने में कायमाब रही है.

चीन की बैडमिंटन खिलाड़ी हुआंग या कियोंग पेरिस ओलंपिक को अपने जीवन में कभी नहीं भूल पाएंगी. उन्होंने 2 अगस्त को साथी खिलाड़ी झेंग सिवेई के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स में गोल्ड मेडल जीता. चीन की इस खिलाड़ी ने साउथ कोरिया की किम वोन हो और

जियोंग ना युन की जोड़ी को हराया. इस मैच में चीन की छोड़ी का दबदबा देखने को मिला और 41 मिनट में 21-8, 21-11 से साउथ कोरिया की जोड़ी को हरा दिया.

मिक्स्ड डबल्स का इवेंट खत्म होने के बाद मेडल सेरेमनी हुई, जहां हुआंग या कियोंग ने अपना गोल्ड मेडल हासिल किया. ये वो पल होता है जिससे कुछ दिन तक खिलाड़ी बाहर नहीं निकल पाते हैं. हुआंग या कियोंग भी काफी खुश थीं, तभी या कियोंग के बॉयफ्रेंड लियू युचेन ने उन्हें प्रपोज किया, जिसके देखकर हर कोई हैरान रह गया, जिसे वो ना नहीं कर पाई. बॉयफ्रेंड लियू युचेन ने घुटने पर बैठकर प्यार का इजहार किया और हुआंग याकियोंग को रिंग पहनाई. बता दें, लियू युचेन भी बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और चीन के लिए खेलते हैं.

पंकज त्रिपाठी ने पेड पीआर ट्रेंड पर तोड़ी चुप्पी

पंकज त्रिपाठी ने अपने सधे हुए अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अभिनेता को हर किरदार में बखूबी ढलते देखा जाता है। साथ ही वह सम-सामयिक मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में पंकज त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर बॉलीवुड सेलेब्स द्वारा पेड पीआर के इस्तेमाल को लेकर चल रही चर्चा पर अपनी राय दी है। अभिनेता का कहना है कि पीआर एक्सरसाइज उन्हें सुर्खियों में तो रख सकती है, लेकिन यादगार नहीं बनाएगी।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में पेड पीआर के चलन पर पंकज त्रिपाठी ने कहा, इमेज बनाने के चक्कर में पड़ोगे ना तो जीवन भर चक्कर में ही रहना पड़ेगा। इससे कुछ भी हासिल नहीं होगा। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि दर्शक उनके काम पर चर्चा करें और स्क्रीन पर उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के लिए उन्हें याद रखें। पंकज त्रिपाठी ने अपनी बात में आगे जोड़ा, मैं पीआर करके चर्चित हो सकता हूं, यादगार नहीं हो सकता। वह मैं जीवन में केवल अपने किरदारों और अपने व्यवहार के साथ ही कर सकता हूं। वह आगे कहते हैं, काम महत्वपूर्ण है और मैं चाहता हूं कि केवल मेरे काम के बारे में ही बात हो। इन दिनों विनम्र होने का चलन है। विनम्र होने का दिखावा करो। पंकज त्रिपाठी चुटकी लेते हुए कहा, मैं यह जानने के लिए खुद का अन्वेषण कर रहा हूं कि मैं वास्तव में विनम्र हूं या दिखावा कर रहा हूं। हवाईअड्डे पर और जिम आउटिंग के दौरान सेलेब्स की तस्वीरें खींचे जाने के चलन पर जोर देते हुए, त्रिपाठी कहते हैं कि उन्हें अक्सर कैद किया जाना पसंद नहीं है और वह समय-समय पर गायब होना पसंद करते हैं। अभिनेता ने जोड़ा, मुझे ये पैपराजी कल्चर पसंद नहीं है, पर जो करता है मैं उनके खिलाफ भी नहीं हूं। यह उनके जीवन का तरीका है। उन्हें (पैप्स) अब फिल्म के प्रचार के हिस्से के रूप में कार्यक्रमों में भी आमंत्रित किया जाता है। यह पूछे जाने पर कि वह फिल्म इंडस्ट्री के बारे में क्या बदलना चाहेंगे, त्रिपाठी ने कहा, मैं इस फिल्म इंडस्ट्री में कुछ भी बदलने के बजाय खुद को बदलना चाहूंगा। लोग जो चाहें कर सकते हैं।

किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं...

विवादित बयान पर नोरा ने मांगी माफी

नारीवाद के बारे में नोरा फतेही का पिछला बयान तब सुर्खियों में आया जब नेटिजन्स ने उनकी राय की आलोचना की। अभिनेत्री-मॉडल ने पहले परिवार की अवधारणा की वकालत की थी लेकिन अपने शब्दों का चयन ठीक से नहीं किया था। अपने डांस मूव्स के लिए चर्चित अभिनेत्री नोरा फतेही ने कहा था कि नारीवाद ने समाज में युवाओं का दिमाग खराब कर दिया है और दोनों लिंगों की पारंपरिकता और कामों को बिगाड़ कर रख दिया है। हालांकि, नोरा को अब अपनी गलती का अहसास हो गया है और उन्होंने अपनी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंचने पर माफी मांगी है। नोरा फतेही ने अपने हालिया इंटरव्यू में उन लोगों से माफी मांगी जो उनकी टिप्पणियों से आहत हुए, और इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। नोरा ने अपने पिछले बयान का विस्तार करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता का पश्चिमी सांस्कृतिक मानदंड वैध है, लेकिन वह एकल परिवारों के महत्व की वकालत करती हैं जहां दोनों साथी अच्छी तरह से विकसित बच्चों की परवरिश में योगदान करते हैं। प्रतिक्रिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, किसी भी अपराध के लिए मैं निश्चित रूप से माफी मांगती हूं, लेकिन मेरा इरादा बिल्कुल भी नहीं था। नोरा ने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार उनकी शिक्षा और जीवन के अनुभवों से प्रेरित हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं नहीं चाहती कि पश्चिम में जो हो रहा है वह दुनिया के इस हिस्से में हो क्योंकि परंपराओं और मूल्यों और नैतिकता को बनाए रखने से बेहतर कुछ नहीं है।

नोरा फतेही ने पिछले इंटरव्यू में लैंगिक समानता पर अपने विचार साझा किए, उन्होंने कहा कि वह नहीं मानती कि पुरुष और महिलाएं पूरी तरह से समान हैं। साथ ही पूर्ण स्वतंत्रता की धारणा की आलोचना की। अभिनेत्री ने कहा था, मैं इस बकवास में विश्वास नहीं करती। वास्तव में, मुझे लगता है कि नारीवाद हमारे समाज को खराब कर रहा है। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि नारीवाद ने समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

नोरा ने कहा था कि महिलाओं को करियर और स्वतंत्रता का पीछा करना चाहिए, उन्हें लगता है कि एक संतुलन होना चाहिए, क्योंकि पोषण करना महिलाओं के लिए एक स्वाभाविक भूमिका है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग इसे पुराने जमाने की बात मान सकते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करती हैं, लेकिन उनका मानना है कि कट्टरपंथी नारीवाद समाज के लिए हानिकारक हो सकता है। इस बीच, काम के मोर्चे पर नोरा फतेही को आखिरी बार कुणाल खेमू की फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था।

सनी देओल की बॉर्डर 2 में शामिल हुए दिलजीत

आयुष्मान के नाम पर भी चल रही चर्चा!

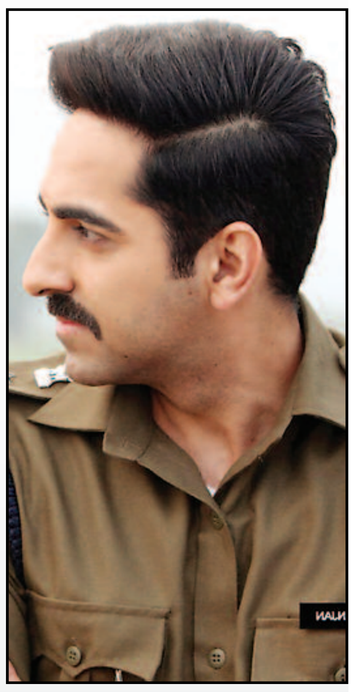

पिछले एक साल से दिलजीत दोसांझ अपनी गायकी और अभिनय की वजह से हर जगह तहलका मचा रहे हैं। पंजाबी गायक-अभिनेता अंबानी और फिल्म उद्योग सहित कई लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। अभिनेता ने हाल ही में इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में एक हिट फिल्म भी दी, जिसके लिए उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। अब खबर है कि दिलजीत ने बॉर्डर 2 के लिए सनी देओल के साथ हाथ मिलाया है।

अपनी फिल्म गदर के ब्लॉकबस्टर सीक्वल के बाद सनी देओल ने गदर 2 के साथ बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की है। अभिनेता अब अपनी दूसरी हिट फिल्म बॉर्डर के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में आई खबरों में दावा किया गया है कि दिलजीत दोसांझ देओल के साथ स्क्रीन साझा कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि दिलजीत फिल्म में एक असल जिंदगी के सैनिक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, इस बारे में अभी और जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दिलजीत दोसांझ बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ शामिल हो गए हैं। उनके चरित्र का विवरण फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन दिलजीत दोसांझ एक असली सेना अधिकारी की भूमिका निभाने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं और जल्द ही पूरी तरह से भूमिका निभाने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर देंगे। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आयुष्मान खुराना को भी फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। हालांकि, अभिनेता से अभी भी बातचीत चल रही है और अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के अन्य कलाकारों में एमी विर्क और सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी शामिल हैं, जिन्होंने साल 2021 में तड़प से डेब्यू किया था। हालांकि, फिल्म के बारे में किसी कलाकार को लेकर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

कई अटकलों के बाद सनी देओल ने आखिरकार इस साल जून में बॉर्डर 2 की घोषणा की। उन्होंने बॉर्डर की 27वीं सालगिरह पर इसकी घोषणा की। इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने के लिए आ रहा है फिर से। भारत की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2।

भारतीय शर्लक होम्स बन उलझी गुत्थी सुलझाने में जुटे केके मेनन

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपनी स्पाई सीरीज शेखर होम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दर्शकों को भी बेसब्री से सीरीज का इंतजार है। वहीं अब निर्माताओं ने सीरीज का दमदार ट्रेलर जारी किया है, जिसमें उलझे हुए केस की ओर केके मेनन की जासूस के रूप में झलकियां दिखाई गई हैं। आज 1 अगस्त को सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया है। शेखर होम आर्थर कॉनन डॉयल की साहित्यिक कृतियों से पर आधारित है। ट्रेलर में शेखर की दुनिया की झलक मिलती है, जो रणवीर शौरी के साथ अपराध और रहस्य के जाल को सुलझाता है। सीरीज में रसिका दुग्गल और कीर्ति कुल्हारी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। छह एपिसोड वाले इस शो का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज प्रोडक्शंस इंडिया द्वारा किया गया है और इसका निर्देशन रोहन सिप्पी और श्रीजीत मुखर्जी ने किया है। साथ मिलकर वे ब्लैकमेल और हत्या से लेकर अलौकिक घटनाओं तक कई रहस्यों को सुलझाते हैं। यह सीरीज रहस्य और हास्य को जोड़ती है, जो दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और साजिश के साथ एक दमदार सीरीज का वादा करती है।

वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में उलझी जांच को सुलझाएंगी कृतिका कामरा?

ग्यारह ग्यारह वेब सीरीज अपने एलान के बाद से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बनी हुई है। दर्शकों को सीरीज का बेसब्री से इंतजार है। जी5 की ओरिजनल सीरीज का प्रीमियर जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होने वाला है। हाल ही में करण जौहर ने सीरीज का ट्रेलर जारी किया था। करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित इस सीरीज में अभिनेत्री कृतिका कामरा भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के ट्रेलर का अनावरण करने के बाद निर्माताओं ने अब कृतिका को वामिका रावत के रूप में दिखाते हुए एक रोमांचक मोशन पोस्टर जारी किया है। सीरीज में कृतिका कामरा एक पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी, जो राघव के साथ मिलकर एक 15 साल पुराने मामले को सुलझा रही हैं, जिसमें एक महिला एक दशक से भी अधिक समय से अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही है, जिससे पुराने मामले फिर से खुल जाते हैं। मोशन पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, वामिका रावत-मामलों को सुलझाने की उलझन में फंसी हुई। क्या अतीत उसे पकड़ लेगा जब दो दुनियाएं जुड़ेंगी। इससे पहले सीरीज के बारे में बात करते हुए, कृतिका ने कहा था, ग्यारह ग्यारह की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए एक रोमांचक यात्रा रही है। यह भूमिका मेरे द्वारा पहले कभी की गई किसी भी भूमिका से अलग है। इसने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर धकेल दिया है। इस दिमाग को झकझोर देने वाली मिस्ट्री थ्रिलर में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाना रोमांचकारी और चुनौतीपूर्ण दोनों रहा है। सीरीज का ट्रेलर 24 जुलाई, 2024 को जारी किया गया था। उमेश बिष्ट ने ग्यारह ग्यारह का निर्देशन किया। करण जौहर, धर्माटिक एंटरटेनमेंट के अपूर्व मेहता और ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा कपूर और सिख्या एंटरटेनमेंट के अचिन जैन ने इसका सह-निर्माण किया। राघव जुयाल, कृतिका कामरा और धैर्य करवा की शानदार तिकड़ी वाली यह सम्मोहक पुलिस ड्रामा सीरीज अलग-अलग समय अवधि के दो पुलिस अधिकारियों की आकर्षक कहानियों को आपस में जोड़ती है।

विपुल शाह की फिल्म हिसाब में जयदीप अहलावत के साथ होंगी शेफाली शाह

हीस्ट फिल्में अपने रोमांचक नाटक और चतुर मोड़ के लिए जानी जाती हैं। जबकि जासूस, पुलिस और डरावनी यूनिवर्स की फिल्मों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। डकैती पर आधारित फिल्मों के लिए कोई समर्पित यूनिवर्स नहीं है। हालांकि, अब 2002 की हिट फिल्म आंखें का निर्देशन करने वाले विपुल अमृतलाल शाह से अपनी नई फिल्म हिसाब के साथ इसे बदलने की उम्मीद है। फिल्म में जयदीप अहलावत और शेफाली शाह मुख्य भूमिका में होंगे।

हीस्ट यूनिवर्स की होगी शुरुआत!

विपुल अमृतलाल शाह के पास डकैती की रोमांचक कहानियां गढ़ने की प्रतिभा है और उम्मीद है कि उनकी नई फिल्म हिसाब भी उतनी ही रोमांचकारी होगी। ऐसी अटकलें हैं कि हिसाब एक नए हीस्ट यूनिवर्स की शुरुआत कर सकता है। प्रशंसक उत्साहित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि यह फिल्म भविष्य में और अधिक मनोरम डकैती की कहानियों को जन्म देगी।

विपुल अमृतलाल शाह का बड़ा प्लान

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आंखें की सफलता के बाद, विपुल अमृतलाल शाह ने एक और डकैती फिल्म के साथ आने में अपना समय लिया। अब हिसाब के साथ वह इस शैली में वापस उतरने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो वह भविष्य की फिल्मों के लिए कुछ और डकैती की स्क्रिप्ट भी तलाश रहे हैं। जानकारी के अनुसार, विपुल की बड़ी योजनाएं हैं और वह इस शैली का विस्तार करने के इच्छुक हैं।

डकैती पर बनी फिल्मों का धमाल

अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार सहित अपने स्टार कलाकारों के साथ आंखें डकैती शैली में एक क्लासिक बनी हुई है। इसकी सफलता ने धूम, क्रू, मनी हीस्ट और हैप्पी न्यू ईयर जैसी अन्य डकैती फिल्मों के लिए द्वार खोल दिया। अब, शाह हिसाब के साथ इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। शेफाली शाह इस आगामी सस्पेंस थ्रिलर में अभिनय करेंगी, जिसका निर्देशन उनके पति ने किया है। फिल्म में जयदीप अहलावत भी हैं। हालांकि, इन खबरों पर अभी आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

एक और धमाल के लिए तैयार शेफाली

रिपोर्ट की मानें तो हिसाब एक शीर्ष स्तर की थ्रिलर बन रही है, जिसमें शेफाली शाह के प्रदर्शन को प्रशंसकों और आलोचकों दोनों द्वारा अत्यधिक प्रत्याशित किया गया है। उम्मीद है कि यह फिल्म उनके प्रभावशाली करियर में एक मजबूत योगदान होगी, जिसमें दिल्ली क्राइम, जलसा और डार्लिंग्स में प्रशंसित भूमिकाएं शामिल हैं।